वार्षिक प्रतिवेदन

(वर्ष 2023–24)

उत्तरांखड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), देहरादून

सूचना प्रौद्योगिकी, सुराज एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तरांखड शासन

Editor- in- Chief

Prof. (Dr.) Anita Rawat
Director, USERC

Editorial Team

Dr. Om Prakash Nautiyal, Sr. Scientist

Dr. Manju Sundriyal, Scientist

Dr. Bhavtosh Sharma, Scientist

Dr. Rajendra Singh Rana, Scientist

Er. Rajdeep Jung, ICT Section

Smt. Shivani Pokhriyal, ICT

वार्षिक प्रतिवेदन
(2023–24)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र, देहरादून (यूसर्क)
सूचना प्रौद्योगिकी, सुराज एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखंड शासन

USERC Thrust Area
Research & Development
Strengthening of Labs
Technology Enabled Education
Environment & Conservation
Societal Outreach Program

प्रस्तावना

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा प्रदेश में विज्ञान शिक्षण एवं अनुसंधान के सुदृढ़ीकरण एवं प्रसार के लिए विभिन्न अनुप्रयोगों के माध्यम से नई ऊँचाईयों को प्राप्त करने के लिये किये गये प्रयत्नों को प्रस्तुत करते हुए अत्यन्त हर्ष एवं संतोष की अनुभूति हो रही है।

विभाग में निदेशक के रूप में मेरी चतुर्थ प्रगति आख्या है। विगत वर्ष के कार्यकाल में मैंने अपने सभी सहयोगियों एवं विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग के उच्च अधिकारियों/समस्त स्टाफ के साथ कार्य करने में सुखद अनुभव किया है।

यूसर्क द्वारा विगत एक वर्ष में उत्तराखण्ड के छात्रों विशेषकर सुदूर ग्रामीण विद्यालयों/महाविद्यालयों तक वैज्ञानिक गतिविधियों, वैज्ञानिक नवाचार विचारों तथा बेसिक साइंस के सुदृढ़ीकरण के साथ ही पर्यावरणीय चेतना विकसित करने हेतु सतत् प्रयास प्रगति पर है। यूसर्क द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में 13 जनपदों में चयनित विद्यालयों में प्राथमिकता के आधार पर 56 STEM (Science, Technology, Engineering, Mathematics) Labs को स्थापित कर छात्रों में प्रयोगात्मक ज्ञान, विज्ञान शिक्षा में सृजनात्मकता, नवाचार एवं वैज्ञानिक सोच को विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

वैज्ञानिक गतिविधियों को विस्तार देते हुए एवं NEP (2020) को आत्मसात करते हुए विगत वर्ष अभिनव पहल के अन्तर्गत Experiential Learning एवं उद्यमिता विकास केन्द्रों का स्थापना की गई है। उत्तराखण्ड राज्य में केन्द्रपोषित शोध संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के सहयोगात्मक सहयोग से उच्च शिक्षा के छात्रों हेतु विभिन्न विषयों/प्रौद्योगिकी आधारित (सात दिवसीय) आवासीय Hands-on training प्रशिक्षणों को सफलतापूर्वक संचालित करते हुये Research based learning का निरन्तर विकास किया जा रहा है। इसी क्रम में विभिन्न संस्थानों के साथ MoU के अन्तर्गत शोध भावनाओं का विकास एवं विद्यार्थियों व शिक्षकों को विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर शोध किये जाने हेतु अवसर प्रदान किया जा रहा है। IISER मोहाली एवं USERC के मध्य हुए MoU के अन्तर्गत संयुक्त रूप से विज्ञान एवं शोध सम्बन्धी प्रशिक्षण कार्यक्रम निरन्तर आयोजित करने एवं विशिष्ट वैज्ञानिक संसाधनों का प्रदेश के विकास में योगदान किये जाने हेतु अभिनव पहल की गई है। विज्ञान को संस्कृति एवं समाज से जोड़ते हुए एवं परम्परागत ज्ञान को समाहित करते हुए 12 उद्यमिता विकास केन्द्र स्थापित किये गये हैं जिससे छात्रों में नवाचार का संचार एवं प्रासंगिक क्षेत्रों में रोजगार हेतु उचित अवसर प्रदान किया जा सके। यूसर्क में तकनीकी ज्ञान साझा करने के उद्देश्य से स्थापित Digital learning Platform के अन्तर्गत छात्रों हेतु ICT Orientation Programme एवं Online व्याख्यानों का प्रतिमाह संचालन किया जा रहा है।

राज्य में प्रौद्योगिकी आधारित विज्ञान शिक्षा को सुदूर ग्रामीण विद्यालयों के छात्रों तक सुलभ करवाये जाने हेतु यूसर्क द्वारा कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों हेतु विज्ञान एवं अंग्रेजी पाठ्यक्रम के ई–कन्टेंट को द्विभाषीय माध्यम से ऑफलाइन एवं ऑनलाइन तरीकों से निःशुल्क उपलब्ध करवाया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि विद्यालयी शिक्षा में गुणवत्ता, उत्कृष्टता एवं प्रासंगिकता को स्थापित कर सकें। ई–कन्टेंट से जहाँ एक ओर चिंतन कौशल में वृद्धि होगी वहीं दूसरी ओर छात्रों की रचनात्मकता को गति मिलेगी। यूसर्क द्वारा प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रयोग से उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान शिक्षा को सुदृढ़ करते हुए छात्रों में वैज्ञानिक अभिरूचि विकसित किये जाने हेतु अभिनव पहल की जा रही है।

अध्यापक, समाज की धुरी के रूप में छात्रों के समग्र विकास एवं व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होते है और प्रेरक की भूमिका निभाते है। इसी विचार को अंगीकार करते हुए यूसर्क द्वारा माध्यमिक स्तर के अध्यापकों को उनके द्वारा किये गये नवाचार, विज्ञान शिक्षा संचारण, शिक्षा की नई विधियों के प्रयोग, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रत्येक जनपद के 15 अध्यापकों को "तृतीय विज्ञान शिक्षा प्रसार सम्मान 2023" से सम्मानित किया गया।

विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान के मूलभूत सिद्धांतों को पोषित करने, अकादमिक उत्कृष्टता एवं नवीन अनुसंधान, नवाचार एवं परम्परागत ज्ञान के समावेश से प्रेरित समाज के विकास में किये गये उल्लेखनीय कार्यों हेतु 06 महिलाओं को "तृतीय युवा महिला वैज्ञानिक एक्सीलेंस अवार्ड" एवं 07 महिलाओं को "तृतीय युवा महिला वैज्ञानिक अचीवमेंट अवार्ड" से सम्मानित किया गया। परम्परागत ज्ञान में विज्ञान के समावेश से समाज में अनुकरणीय कार्य करने वाली 05 महिलाओं को तृतीय 'विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान' से सम्मानित किया गया।

प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री तथा विभागीय मंत्री जो स्वयं में अनन्य प्रेरणा के सुदृढ़ स्तम्भ तथा मार्गदर्शक हैं, ने कठिनतम परिस्थितियों में सदैव हमारे लिए सुगम मार्ग का प्रशस्तीकरण किया है।

मैं उपर्युक्त सभी अनुभवों तथा अन्य शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक आभार ज्ञापित करती हूँ जिनकी प्रेरणाओं एवं शुभकामनाओं से विभाग का प्रगति पथ प्रशस्त हुआ और भविष्य में भी विभाग विज्ञान प्रसार के पथ पर निरन्तर अग्रसर होगा।

प्रो0 (डॉ.) अनिता रावत
निदेशक, यूसर्क

अनुक्रमणिका

1. प्रस्तावना
2. परिचय
3. वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान मुख्य प्रगति एवं उपलब्धियां
4. यूसर्क की अभिनव पहल
5. प्राथमिकतायें एवं लक्ष्य (2024-2025)
6. प्रकाशन
7. लेखा परीक्षा रिपोर्ट
8. समाचार पत्रों से

परिचय

उत्तराखण्ड राज्य को विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में सदैव अग्रणी बनाये रखने तथा राज्य में आधुनिक एवं वैज्ञानिक शिक्षण की व्यवस्था को लागू करने, प्रदेश केन्द्रित शोध एवं विकास को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय समन्वय के साथ विकसित करने तथा शोध कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किये जाने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र की स्थापना हेतु उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना संख्या 1963/XXXVII(1)/ वि0प्रौ0183-/05 देहरादून दिनांक 04 अक्टूबर 2005 द्वारा स्वीकृति प्राप्त हुई। उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र यूसर्क को एक सोसाइटी के रूप में सोसाइटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम सं0 21, 1860 ई0 के अधीन (पत्रावली सं0– 039793 HA) दिनांक 02.02.06 को पंजीकृत किया गया, जिसने 2008 से विधिवत कार्य करना प्रारम्भ किया।

उद्देश्य

उत्तराखण्ड के विश्वविद्यालयों एवं विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों के वैज्ञानिकों द्वारा उच्चस्तरीय अनुसंधान के क्षेत्र में समन्वय स्थापित कर सहयोग प्रदान करना। राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर विचारों के आदान–प्रदान हेतु मंच तैयार करना जिसके फलस्वरूप प्रमुख एवं आधुनिकतम वैज्ञानिक विषयों पर चर्चा हो सके तथा जिसका व्यापक प्रभाव उत्तराखण्ड के विकास में निहित हो। वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों पर भाषण, संगोष्ठी, सम्मेलन, परिसंवाद तथा कार्यशाला का समय–समय पर आयोजन करना। विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में कार्यरत स्वदेशी अथवा विदेशी वैज्ञानिकों द्वारा उत्तराखण्ड के विश्वविद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों/शोद्यार्थियों हेतु ग्रीष्मकालीन तथा शीतकालिन स्कूलों का आयोजन करना। मेधावी छात्रों को विज्ञान के अग्रण ी क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजना हेतु सुविधा तथा सहयोग प्रदान करना। अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में कार्यरत शोधार्थियों को विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करना। विज्ञान के अग्रणी तथा भविष्यगामी क्षेत्रों के बारे में पत्रिकाओं, मानोग्राफस तथा वैज्ञानिक पत्रों में प्रकाशन करना तथा विशेषकर उन विषयों का उल्लेख करना जिसका सम्बंध उत्तराखण्ड के सामाजिक कल्याण तथा पर्यावरणीय सुरक्षा से हो। प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रयोग से उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान शिक्षा को सुदृढ़ बनाना।

विजन (Vision)

- उत्तराखण्ड में वैज्ञानिक अभिरूचि के विकास हेतु विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान, शिक्षण, प्रशिक्षण एवं विचारो के आदान प्रदान के लिए अत्याधुनिक केन्द्र के रूप में विकसित करना।
- विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान के मूलभूत सिद्धान्तों का पोषण करना।
- यूसर्क का लक्ष्य विज्ञान शिक्षा, अकादमिक उत्कृष्टता तथा नवीन अनुसंधान को प्रेरित करने एवं सहयोग हेतु प्रमुख केन्द्र के रूप में उभरना है।

मिशन (Mission)

- नवीन शिक्षण तथा अनुसंधान के माध्यम से अनुसंधान की भावना को विकसित करना।
- प्रदेश के समग्र एवं सतत विकास हेतु वैज्ञानिक भावना का विकास करना।
- जिज्ञासा से प्रेरित छात्रों एवं युवाओं को अत्याधुनिक तथा बेसिक साइंस में शोध की ओर प्रेरित करना।
- राज्य केन्द्रित वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के माध्यम से वैज्ञानिक शोधों का विकास एवं प्रसार करना।
- सहयोगात्मक शोधों को बढ़ावा देना।
- छात्रों के नवाचारी विचारों को उचित मंच प्रदान करना।

Technology Enabled Education
(प्रौद्योगिकी आधारित विज्ञान शिक्षा)

ज्ञानकोष पोर्टल

यूसर्क द्वारा विभिन्न विषयों पर ई–सामग्री संकलित कर 'उत्तराखंड ज्ञानकोष पोर्टल' बनाया गया है जिसके द्वारा छात्रों को कैरियर, व्यक्तित्व विकास और विभिन्न कक्षाओं के पाठयक्रमों पर जानकारियां दी जा रही हैं। यूसर्क वेबसाईट पर यह रीडिंग फाईल व वीडियो के रूप में उपलब्ध हैं। पोर्टल में शिक्षा व कैरियर से संबंधी कई लिंकों के साथ विज्ञान शिक्षा एवं राज्य से सम्बंधित विभिन्न शोध के विषयों की जानकारियां भी मौजूद हैं। इसमें विद्यार्थी अपनी कक्षा के अनुसार ई–सामग्री का चयन कर सकता है। साथ ही इसमें विभिन्न प्रकार Education, Career से संबंधी Links विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध कराये गये है यह पोर्टल एक प्रयास है तथा दूरदराज में रहने वालों विद्यार्थियों के बीच यह पोर्टल डिजिटल तकनीकी की जानकारी प्रदान करने का उचित माध्यम सिद्ध होगा।

E-Content Development

आज के इस तकनीकी युग में शिक्षा पद्वति में सम्यक् बदलाव की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ICT के समावेश में शिक्षा के सभी स्तरों तक, विद्यासार के सहयोग से एवं विशेषज्ञों के माध्यम से द्विभाषीय विकसित हिन्दी एवं अंग्रेजी में E-content सुदूर छात्रों एवं शिक्षकों तक उपलब्ध करवाया जा रहा है। जो कि एक मूल्यवान संसाधन के रूप में छात्रो के चिंतन कौशल एवं रचनात्मकता में वृद्धि करने में सहायक होगा।

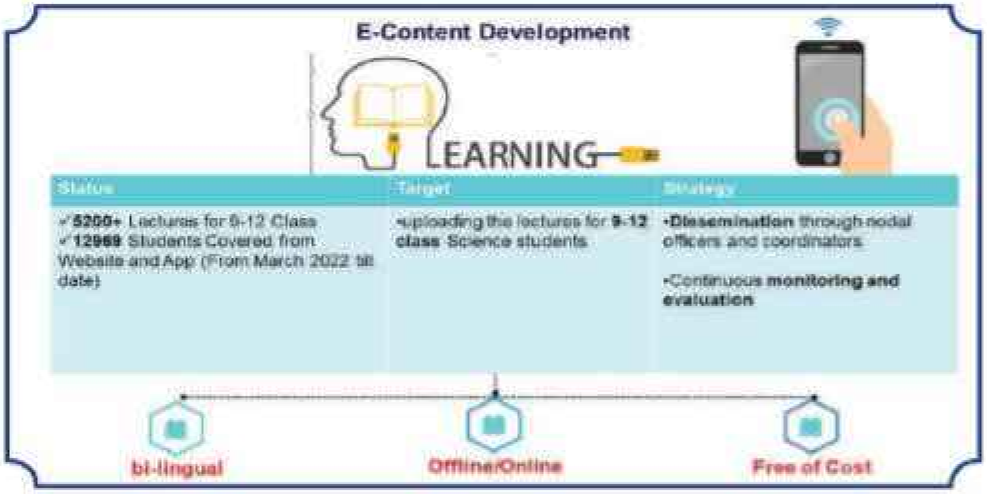

- यूसर्क के उत्तराखण्ड नॉलेज बैंक पोर्टल के माध्यम से द्विभाषीय ई–कन्टैंट को तीन जनपदों (हरिद्वार, देहरादून, चमोली) में कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के छात्र–छात्राओं को भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी विषयों में 5200 से अधिक व्याख्यानों को उपलब्ध कराया गया है।
- यूसर्क के यू–ट्यूब चैनल में अद्यतन 350 से अधिक व्याख्यान अपलोड किये जा चुके है।

यूसर्क द्वारा प्रदेश के 13 जनपदों के दूरस्थ राजकीय इंटर कॉलेजों में 54 प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है। यह प्रयोगशालायें छात्रों को प्रयोगिक ज्ञान के साथ ही विज्ञान के विभिन्न सिद्धान्तों को समझने में जहाँ एक ओर सहायक होगी वही दूसरी ओर छात्रों में सृजनशीलता एवं नवाचार की भावना को विकसित करते हुए छात्रों की भागीदारी प्रदेश के सतत् एवं समग्र विकास में सुनिश्चित करेगी।

USERC STEM Labs

(Established in 2022)

Strengthening of Labs

[illegible]	[illegible]	[illegible]
1	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	चमोली
2	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	चमोली
3	अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	चमोली
4	सरस्वती विद्या मंदिर राजकीय इण्टर कॉलेज, जोशीमठ	चमोली
5	राजकीय इण्टर कॉलेज, बड़कोट	उत्तरकाशी
6	अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज, भटवाड़ी	उत्तरकाशी
7	राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, [illegible], पुरोला	उत्तरकाशी
8	अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible] ब्रह्मखाल, डुण्डा	उत्तरकाशी
9	सरस्वती विद्या मंदिर राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	उत्तरकाशी
10	सरस्वती देव सिंह राजकीय इण्टर कॉलेज, पिथौरागढ़	पिथौरागढ़
11	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	पिथौरागढ़
12	राजकीय इण्टर कॉलेज [illegible]	पिथौरागढ़
13	विवेकानन्द विद्या मंदिर, इण्टर कॉलेज	पिथौरागढ़
14	राजकीय उत्कृष्ट [illegible] इण्टर कॉलेज	चम्पावत
15	अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज, पाटी	चम्पावत
16	अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	चम्पावत
17	अटल उत्कृष्ट राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, [illegible]	चम्पावत
18	सरस्वती विद्या मंदिर, चम्पावत	चम्पावत
19	राजकीय इण्टर कॉलेज [illegible]	अल्मोड़ा
20	पं. [illegible] पंत स्मारक राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	अल्मोड़ा
21	सरस्वती विद्या मंदिर, [illegible]	अल्मोड़ा
22	राजकीय इण्टर कॉलेज [illegible]	अल्मोड़ा
23	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	बागेश्वर
24	अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	बागेश्वर
25	[illegible]	बागेश्वर
26	विवेकानन्द विद्या मंदिर, इण्टर कॉलेज [illegible]	बागेश्वर
27	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	रुद्रप्रयाग
28	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	रुद्रप्रयाग
29	राजकीय इण्टर कॉलेज [illegible]	रुद्रप्रयाग
30	सरस्वती विद्या मंदिर, रुद्रप्रयाग	रुद्रप्रयाग
31	राजकीय इण्टर कॉलेज, ज्वालापुर	हरिद्वार
32	सरस्वती विद्या मंदिर, [illegible]	हरिद्वार
33	अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज [illegible]	देहरादून
34	राजकीय इण्टर कॉलेज [illegible]	देहरादून
35	राजकीय इण्टर कॉलेज [illegible]	देहरादून
36	सरस्वती विद्या मंदिर, [illegible]	देहरादून
37	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	टिहरी
38	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	टिहरी
39	DIET, नई टिहरी	टिहरी गढ़वाल
40	सरस्वती विद्या मंदिर, [illegible]	टिहरी गढ़वाल
41	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	नैनीताल
42	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	नैनीताल
43	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	नैनीताल
45	सरस्वती विद्या मंदिर, [illegible]	नैनीताल
46	राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, [illegible], काशीपुर	ऊधमसिंह नगर
47	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	ऊधमसिंह नगर
48	आवासीय विद्यालय, [illegible]	ऊधमसिंह नगर
49	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	पौड़ी गढ़वाल
50	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	पौड़ी गढ़वाल
51	जनता इण्टर कॉलेज, [illegible]	पौड़ी गढ़वाल
52	आर्य कन्या इण्टर कॉलेज, [illegible]	पौड़ी गढ़वाल
53	राजकीय इण्टर कॉलेज, [illegible]	पौड़ी गढ़वाल
54	सरस्वती शिशु मंदिर, [illegible]	पौड़ी गढ़वाल

STEM LAB स्थापना (दिनांक: 18 मई, 2023)

राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज बांसखेड़ा काशीपुर (ऊधमसिंहनगर)

राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज, बांसखेड़ा काशीपुर, ऊधमसिंहनगर में यूसर्क द्वारा स्थापित का STEM Lab का उद्घाटन बी.इ. ओ. श्री रंजीत सिंह नेगी एवं यूसर्क निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत द्वारा वर्चुअल माध्यम से समस्त विद्यार्थियों को यूसर्क का उद्देश्य अवगत कराते हुये बताया कि दूरस्थ क्षेत्रों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी माध्यम से विद्यार्थियों में प्रयोगिक ज्ञान तथा साथ ही अन्य आस–पास के विद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों का भी लाभ प्राप्त होगा।

बांसखेड़ा इंटर कॉलेज में स्टेम लैब का शुभारंभ

काशीपुर। राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज बांसखेड़ा में उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) की ओर से स्टेम लैब का उद्घाटन किया गया। इसमें विज्ञान प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग तथा गणित विषय से संबंधित विभिन्न उपकरणों व मॉडल को स्थापित किया गया है। बृहस्पतिवार को कॉलेज परिसर में यूसर्क के कॉर्डिनेटर डॉ. राजेंद्र सिंह राणा व बीईओ रंजीत सिंह नेगी ने लैब का शुभारंभ किया। यूसर्क की निदेशक डॉ. अनीता रावत ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य राज्य के दूरस्थ स्थानों के छात्रों में वैज्ञानिक अभिरुचि को विकसित करना है। वहां पर प्रधानाचार्य डीके साहू, विज्ञान चेतना केंद्र प्रभारी राकेश खत्री, राजदीप जोश, अमित बाटला, उमा सूक्ष्म पांडे आदि थे। संवाद

राजकीय इंटर कॉलेज, गड़ोरा चमोली, (दिनांक: 26 मई, 2023)

वैज्ञानिक उपकरणों का प्रयोगिक प्रदर्शन

यूसर्क द्वारा दिनांक 26 मई 2023 को राजकीय इण्टर कॉलेज, गडोरा चमोली मे वैज्ञानिक कार्यक्रम के साथ ही यूसर्क द्वारा स्थापित STEM Lab का उद्घाटन पूर्व कैबिनेट मंत्री, उत्तराखंड सरकार तथा माननीय विधायक ब्द्री केदार विधानसभा क्षेत्र श्री राजेंद्र सिंह भंडारी द्वारा किया गया। यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़ते हुए कहा कि यूसर्क की यह कल्पना व प्रयास है कि प्रदेश के अन्तिम छोर तक छात्रों को प्रयोगिक रूप से विज्ञान का ज्ञान पहुंचे। उन्होंने कहा राज्य के विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति अभिरूचि बढ़ाने तथा उनमें नवाचार की भावना जागृत करने के उददेश्य से राज्य के समस्त जनपदों में STEM Lab को स्थापित किया गया है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय विधायक बद्री केदार विधानसभा क्षेत्र श्री राजेंद्र सिंह भंडारी द्वारा ई–कन्टेंट तथा यूसर्क STEM प्रयोगशालाओं से विद्यार्थियों को वास्तविक रूप से लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्रम में यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल द्वारा यूसर्क की समस्त गतिविधियों की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में 300 से अधिक लोग उपस्थित थे।

दिव्यांग बच्चों हेतु वैज्ञानिक कार्यक्रम (29 जुलाई 2023)

यूसर्क द्वारा दिब्यांग बच्चों हेतु लर्निंग ट्री स्कूल अजबपुर में स्थापित प्रथम STEM (साइंस, टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एवं मैथमेटिक्स) की प्रयोगशाला का संचालन करते हुये यूसर्क निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि यूसर्क द्वारा प्रदेश के दिव्यांग छात्रों को समाज की मुख्यधारा में सम्मिलित करने एवं उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूसर्क द्वारा छात्रों में वैज्ञानिक अभिवृत्ति के विकास, विज्ञान के प्रति आकर्षण पैदा करने तथा वैज्ञानिक समझ को विकसित करने हेतु संपूर्ण प्रदेश में 40 से अधिक STEM प्रयोगशालाओ की स्थापना की जा चुकी है। इसी क्रम में विकलांग बच्चों हेतु यूसर्क द्वारा यह पहली STEM प्रयोगशाला स्थापित की गई है। लर्निंग ट्री विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती शिवानी कोटनाला ने यूसर्क का STEM Lab की स्थापना एवं दिव्यांग छात्रों हेतु विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में यूसर्क वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल ने कहा कि यूसर्क द्वारा छात्रों हेतु विज्ञान शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की भी चर्चा की। स्पेक्स संस्था के संस्थापक व सचिव डा. बृज मोहन शर्मा ने बताया कि लर्निंग ट्री स्कूल में स्पेक्स व यूसर्क के सहयोग से दिव्यांग छात्र–छात्राओं हेतु पूर्व में भी कई प्रशिक्षण कार्यक्रमो का आयोजन किया जा चुका है। कार्यकम में इसके अतिरिक्त दिव्यांग छात्र–छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु Skill development कार्यक्रम के अन्तर्गत ब्लाक प्रिंटिंग, राखी/पेपर बैग निर्माण इत्यादि प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में **100** से अधिक छात्रों, शिक्षकों, अभिवावकों तथा आम जन द्वारा प्रतिभाग किया गया।

राजकीय इंटर कॉलेज, बडकोट, उत्तरकाशी
दिसंबर, 2023

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा दिनांक 23 दिसम्बर 2023 को राजकीय इंटर कॉलेज, बड़कोट उत्तरकाशी में यूसर्क स्टैम लैब (STEM Lab) का उद्घाटन पुरोला के मा0 विद्यायक श्री दुर्गेश्वर लाल द्वारा किया गया। उन्होंने कहा इस प्रयोगशाला से दूरस्थ विद्यालयों के विद्यार्थियों को वास्तविक रूप से लाभ होगा तथा उनके अन्दर विज्ञान के प्रति रूचि विकसित होगी।

राजकीय उतकृष्ट शहीद राहुल रैंसवाल इंटर कॉलेज, चम्पावत

सरस्वती देव सिंह राजकीय इंटर कॉलेज, पिथौरागढ

आर्या इंटर कालेज, कोटद्वार (09 नवंबर, 2023)

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, ज्वालापुर, हरिद्वार (10 नवंबर, 2023)

यूसर्क उत्तराखण्ड राज्य में विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान सम्बन्धी विविध कियाकलापों द्वारा छात्रों, अध्यापकों, वैज्ञानिक संस्थाओं एवं सामान्य जनमानस तक विज्ञान एवं अनुसंधान के लाभों को पहुंचाने हेतु राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय नेटवर्क स्थापित कर अग्रणी शोध को बढ़ावा देना व राज्य परक शोध के विषय की पहचान करने हेतु विभिन्न विज्ञान विषयों में शोधार्थियों/विद्यार्थियों द्वारा internship के माध्यम से शोध एवं Innovation के अवसर प्रदान कर रहा है। इसी कम में प्रदेश के विभिन्न शोध संस्थानों, शिक्षण संस्थानों, तकनीकी संस्थानों, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं से प्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की सहायता से विकास हेतु विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के माध्यम से शोध एवं विकास (R&D) गतिविधियों पर सहयोगात्मक रूप से वैज्ञानिक प्रशिक्षण, अनुसंधान परियोजनाएं, शोध पत्रों, मोनोग्राफ, नेटर्वक एवं MoU के अन्तर्गत शोध भावनाओं का विकास कर रहा है, जिसके अन्तर्गत निम्न परियोजनायें संचालित की जा रही है।

Research & Development (शोध एवं विकास)

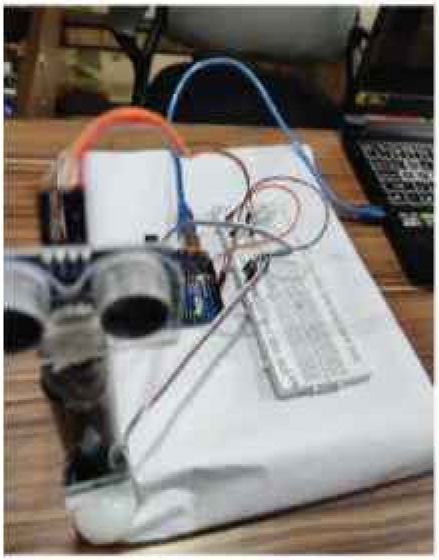

यूसर्क द्वारा वर्ष 2023 में विभिन्न शोध संस्थानों एवं अकादमिक संस्थानों के साथ सहयोगात्मक रूप से संचालित शोध, अनुसंधान व विकास परियोजनायें:–

Investigation of antibacterial mechanism and identification of bacterial protein target mediated by medicinal plants of Uttarakhand

शोध परियोजना संचालित की जा रही है जिसके अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य में उपलब्ध चयनित औषधीय पौधों बिच्छूघास, हल्दी, कुमकुम, दारिम की पत्तियों, तना एवं फूलों के Extract के विभिन्न वैज्ञानिक विश्लेषण MTT ASSAY, Electrophoresis, Transmission Electron Microscopy आदि अध्ययनों को किया जा रहा है। यह शोध अध्ययन विभिन्न Bacterial Culture के Proteome की व्याख्या करेगा।

Development of Bioformulation using vermicompost extracts for enhancing nutrient solublization and controlling plant pathogens with their active site analysis

शोध परियोजना के अन्तर्गत Vermicompost samples तैयार कर उनकी Chemical Profiling, Biological Activities, Molecular Docking आदि कार्य किये जा रहे हैं। परियोजना के द्वारा Vermicompost को एक Complete Organic Fertilizer के रूप में विकसित कर Organic Farming में प्रभावी रूप से प्रयोग किया जा सकेगा।

Predictive Modelling of Species/Herbs Distribution in Uttarakhand using Machine Learning

नामक शोध परियोजना में महिला सशक्तीकरण, औषधीय गुणों वाले पौधों का उत्पादन, सुदूर प्रबंधन एवं नीति निर्धारण, स्वरोजगार आदि संबंधित कार्य Machine Learning की सहायता से पूरी की जा रही है। परियोजना के पूर्ण होने पर Women Empowerment, स्वरोजगार के साथ ही Medicinal Plants के औषधीय गुणों में वृद्धि की जा सकेगी।

Fabrication of Prototype Perovskite Based Low Cost Solar Cells

परियोजना के अन्तर्गत सबसे पहले Perovskite आधारित Solar Cell Software का एक Prototype तैयार किया जा रहा है जिसके पश्चात कम लागत के द्वारा दक्षता पूर्ण एवं विश्वसनीय Photovoltic Device तैयार की जायेगी।

Bio-resources utilization of Uttarakhand by developing a Bio-plastic material using peels of Malta (Citrus sinesis) fruit

शोध परियोजना के अन्तर्गत माल्टा फल, जिसमें Cellulose की पर्याप्त मात्रा होती है उसके Peels का उपयोग करके Bioplastic Material को विकसित किया जा रहा है जिसका उपयोग Packaging, cutlery, bowls, straws आदि के निर्माण में किया जा सकेगा।

Sustainable management of municipal and medical plastic waste for production of hydrocarbon fuels

नामक शोध परियोजना के अन्तर्गत देहरादून जिले से Municipal Waste एवं Medical Waste प्राप्त कर उसका उचित प्रबंधन कर Hydrocarbon ईंधन को तैयार किये जाने से संबंधित शोध कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही Plastic Waste Material के सतत एवं उचित प्रबंधन करने के पश्चात आस–पास के ग्रामीण क्षेत्रों एवं विद्यालयों में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन भी किया जायेगा।

Development of rain attenuation measurement device for the Dehradun region

शोध परियोजना के अन्तर्गत Rain Attenuation Map Device को देहरादून क्षेत्र हेतु विकसित किया जा रहा है जो विभिन्न विपरीत मौसमी परिस्थितियों में दूर संचार तंत्र में सहायक होने के साथ–साथ आपदा प्रबंधन तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास में सहायक होगी।

Synthesis and characterization of nitrogen and oxygen-rich organic compounds for optical nonlinearity and Laser limiting applications

नामक शोध परियोजना में नाइट्रोजन एवं आक्सीजन से समृद्ध कार्बनिक यौगिकों को "Optical Non Linearity and Laser Limiting" आदि उपयोगो हेतु Synthesize किया जा रहा है। तत्पश्चात उनके गुणों का अध्ययन कर Laser limiting सम्बन्धी कार्यो में प्रयोग किया जा सकेगा ।

Revolutionizing Uttarakhand Agriculture: Harnessing Machine Learning for Sustainable Farming

परियोजना के अंतर्गत उत्तराखण्ड राज्य की कृषि में बेहतर एंव सतत परिवर्तनों के अध्ययन में Machine Learning के अनुप्रयोगों पर कार्य किया जा रहा है जिसके पूर्ण होने के उपरान्त विभिन्न संसाधनों की दक्षता में वृद्वि, कृषि उत्पादों की गुणवत्ता एवं उत्पादन में वृद्वि, किसानों को सशक्त बनाना, जल दक्षता, ऊर्जा दक्षता, उर्वरकों के सीमित प्रयोग आदि कार्य किये जा सकेंगें।

Bio-prospecting fungal endophytes inhabiting medicinal plants for L-asparaginase production as prophylaxis of acute lymphocytic leukemia

शोध परियोजना में विभिन्न औषधीय पादपों से Endophyte कवकों को प्रथक करके L-asparaginase

Environment & Conservation

वर्तमान में 13 जिलों के 200 राजकीय व सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान चेतना केन्द्र स्थापित किये गये हैं, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों और शिक्षकों के समन्वय से पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी एवं वैज्ञानिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। विज्ञान चेतना केन्द्रों के माध्यम से यूसर्क का यह प्रयास है कि छात्रों हेतु विशेषज्ञों के माध्यम से विज्ञान सम्बन्धी विभिन्न जानकारियाँ उपलब्ध करवायी जायें एवं विभिन्न विज्ञान सम्बन्धी प्रतियोगितायें, कैरियर काउंसलिंग, परम्परागत ज्ञान के संरक्षण, Know Your Habitat इत्यादि विषयों पर आधारित गतिविधियां संचालित की जा रही है।

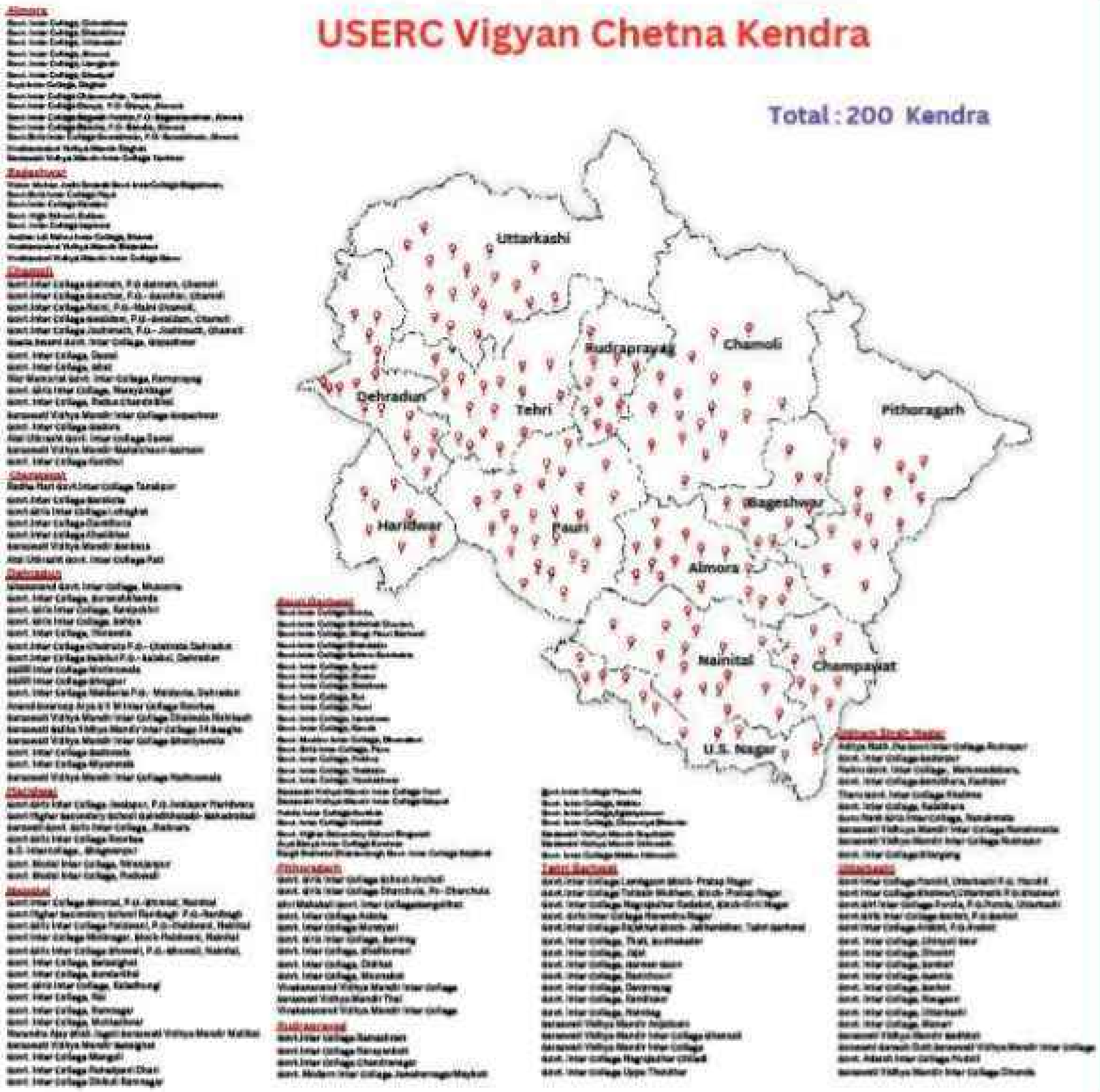

200
USERC Vigyan Chetna Kendra Established in 95 Blocks of Uttarakhand

Activities of USERC Vigyan Chetna Kendra
Science & Technology Awareness Programme
Knowing by Seeing Programme
Environmental Protection & Conservation Programme
Online Programmes
Scientific Days commemoration Programme Days
Learning through festivity programme

यूसर्क विज्ञान चेतना केन्द्र के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियां

राजकीय इंटर कॉलेज मिश्रवाण गांव, प्रतापनगर टिहरी (दिनांक 22–25 फरवरी 2023)

साइंस चौंपियन लीग

राजकीय इंटर कॉलेज, मिश्रवाण गांव, प्रतापनगर (टिहरी) के यूसर्क विज्ञान चेतना केंद्र द्वारा दिनांक 22–25 फरवरी 2023 को विज्ञान सप्ताह 2023 के अंतर्गत साइंस चौंपियन लीग का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल चार टीमों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रत्येक टीम में कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों ने टीम के रूप में निबंध लेखन, विज्ञान पेंटिंग, विज्ञान क्विज, विज्ञान सुपर ओवर जैसी रोचक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा नौटियाल द्वारा की गई। कार्यक्रम का प्रबंधन विज्ञान चेतना केंद्र प्रभारी डॉ. ईशान धूलिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया और अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023

विद्यार्थियों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने हेतु यूसर्क द्वारा लक्ष्य संस्था के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय मालदेवता में एक दिवसीय कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूसर्क निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत ने कहा कि हम सभी में विज्ञान कहीं न कहीं समाहित है। विज्ञान केवल विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के लिये नहीं अपितु उन सभी के लिये भी है जिनको वैज्ञानिक आहार, उचित पोषण व दिनचर्या का ज्ञान है।

कार्यशाला में एस.आई. साइबर क्राइम श्री राजीव सेमवाल ने वर्तमान समय में युवाओं को साइबर क्राइम से सावधान रहने की जरूरत बतायी। इस अवसर पर लक्ष्य संस्था की ओर से कृष्ण असवाल द्वारा बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के अंदर वैज्ञानिक दृष्टिकोण जागरूक करना है।

विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून, 2023)

यूसर्क द्वारा राज्य के विभिन्न विद्यालयों में स्थापित विज्ञान चेतना केंद्रों में दिनांक 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर "प्लास्टिक समस्या के समाधान" थीम पर विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता हेतु विभिन्न पर्यावरणीय गतिविधियों पौधारोपण, स्वच्छता अभियान, विशेषज्ञ व्याख्यान, पोस्टर एवं मॉडल प्रतियोगिताओं का आयोजन विज्ञान चेतना केंद्र के प्रभारी शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यों के सहयोग से राधे हरि राजकीय इंटर कॉलेज टनकपुर चंपावत, रा0 इं0 का0 उज्ज्वलपुर, रा0 इं0 का0 मोरी, अटल उत्कृष्ट रा0 इं0 का0 खिर्सू, रा0 इं0 का0 हर्षिल, रा0 इं0 का0 रुद्रपुर, अटल उत्कृष्ट रा0 इं0 का0 सेलाकुई देहरादून आदि में किया गया।

स्वच्छता अभियान

डॉ विक्रम साराभाई के जन्मदिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम

दिनांक 12/08/2023 को jk dk bVj d,y s] fe.J ok.k गांव के विज्ञान एवं खगोल विज्ञान क्लब और यूसर्क विज्ञान चेतना केंद्र के द्वारा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के जनक डॉ विक्रम साराभाई के जन्मदिवस के उपलक्ष में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विज्ञान क्लब प्रभारी डॉ ईशान धूलिया ने डॉ विक्रम साराभाई के जीवन पर प्रकाश डाला। छात्र–छात्राओं को डॉ विक्रम साराभाई के जीवन से जुड़ी बातों को, उनकी उपलब्धियों को, और देश के विकास में उनके योगदान के बारे में बताया गया। भौतिक विज्ञान प्रवक्ता श्री टीकाराम जी ने ISRO से जुड़ी नवीन जानकारियां बच्चों के साथ साझा की। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा नौटियाल, श्री जगमोहन सिंह, श्री आजाद सिंह, श्री विपिन पेटवाल, श्रीमती गुरमीत कौर उपस्थित रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी

राजकीय इंटर कॉलेज, हिंडोलाखाल, देवप्रयाग (29 दिसंबर 2023)

यूसर्क द्वारा स्थापित विज्ञान चेतना केन्द्रों के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों, जागरूक कार्यक्रम, पर्यावरणीय एवं राष्ट्रीय एवं अर्न्राष्ट्रीय दिवसों में विभिन्न विज्ञान प्रतियोगिताओं एवं प्रदर्शनी का आयोजन निरन्तर किया जा रहा है। इसी श्रृंखला के कम में यूसर्क के विज्ञान चेतना केंद्र राजकीय इंटर कॉलेज, हिंडोलाखाल, देवप्रयाग में दिनांक 29 दिसम्बर 2023 को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र–छात्राओं द्वारा अपने–अपने मॉडल को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया।

राष्ट्रीय गणित दिवस

राजकीय इंटर कॉलेज भीमावाला, विकास नगर, (दिनांक 22 दिसंबर 2023)

यूसर्क द्वारा स्थापित विज्ञान चेतना केंद्र राजकीय इंटर कॉलेज, भीमावाला, विकास नगर, देहरादून द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन दिनांक 22 दिसंबर 2023 को किया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गणित से सम्बन्धित मॉडलों को प्रदर्शित किया गया।

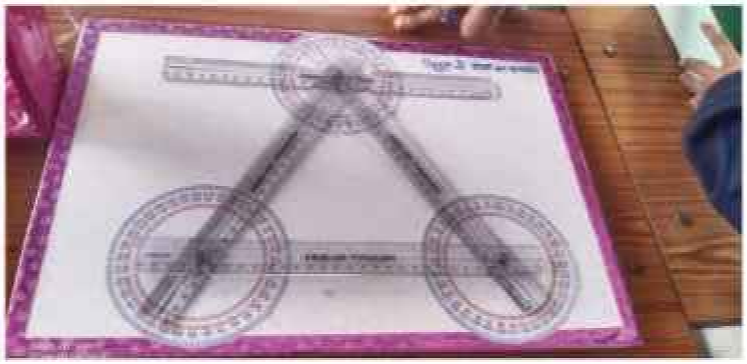

राजकीय इंटर कॉलेज भीमावाला विकासनगर देहरादून मे 26 जनवरी पर वर्ष भर की विज्ञान, पर्यवारण, गणित एवं तकनीकी से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के पुरस्कार वितरण का आयोजन

चिकित्सा शिविर (5 फरवरी 2024)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) देहरादून के विज्ञान चेतना केंद्र स्वामी शिवानंद स्मारक **jkt dhz bÊj d ,y s] ri kou fVgjh x<+okky** में सीमा डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल ऋषिकेश देहरादून द्वारा विद्यालय के बच्चों एवं अभिभावकों का डेंटल चौकअप, दातों की सफाई, फ्लोराइड जेल लगाने आदि का कार्य किया गया। जिसमें डॉ0 अवनीष, डॉ0 सैयद आलिया पीजी स्टूडेंट्स एवं इंटर्न्स ने सहभागिता की। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों का चेकअप किया गया एवं साथ ही साथ अभिभावकों का भी चेकअप किया गया जिसमें लगभग 270 लोगों का चेकअप किया गया।

यूसर्क द्वारा आउटरीच कार्यक्रम के अनतर्गत उत्तराखण्ड राज्य के समस्त जनपदों में विज्ञान एवं शिक्षा के प्रसार एवं प्रचार किये जाने हेतु विभिन्न विज्ञान के विषयों पर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों के द्वारा व्याख्यानों का ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त केन्द्र के द्वारा राज्य के विकासोन्मुखी, नीतियों के निर्धारण, रोजगार से सम्बन्धित विषयों, प्राकृतिक आपदाओं में सुरक्षा उपाय एवं भविष्य की आवश्यकताओं से सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों के अवसर पर छात्रों को विभिन्न शोध संस्थानों में Institutional Tours आयोजित किये गये।

Societal Outreach (आउटरीच कार्यक्रम)

विश्व पृथ्वी दिवस : (21 अप्रैल 2023)

विशेषज्ञ व्याख्यानः Invest in our Planet

विश्व पृथ्वी दिवस–2023 के उपलक्ष्य मे ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत वैज्ञानिक व्याख्यानों के साथ ही ''हमारी पृथ्वीः मेरा क्षेत्र, मेरा योगदान'' विषय पर प्रादेशिक का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तराखण्ड राज्य के सभी जनपदों के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत ने कहा कि भारत में प्राचीन समय से ही अपने पर्यावरण के पांचों तत्वों के संरक्षण की परम्परा रही है। हम पृथ्वी को मां के रूप में मानते है। हिमालयी देव भूमि में हमारे द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य हमारे पर्यावरण को समर्पित रहता है। हम सभी को अपने आस–पास के पर्यावरण को बचाने का प्रण लेते हुये अपनी गौरवशाली ज्ञान–विज्ञान परम्परा को आगे बढ़ाना है। इस वर्ष की विश्व पृथ्वी दिवस की थीम “Invest in our Planet” पर आगे बढ़ना होगा और सतत् विकास की अवधारणा पर कार्य करना होगा। यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल, डा0 भवतोष शर्मा, डा0 मन्जू सुन्दरियाल, डा0 राजेन्द्र सिंह राणा, वैज्ञानिक ने कहा कि जैवविविधता के संरक्षण की आज बहुत आवश्यकता है। ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन, जल संरक्षण, मृदा संरक्षण विषयों पर गम्भीरता से चिन्तन के साथ काम करने की जरूरत है। कार्यक्रम में राज्य के सभी जिलों से जुडे शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित कुल 150 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। भाषण प्रतियोगिता में पहला स्थान कु0 प्रीती, कक्षा 10, रा0बा0इ0का0 हल्द्वानी, नैनीताल, दूसरा स्थान कु0 खुशी रावत, कक्षा 10, रा0इ0का0 कोटी चांदपुर, कर्णप्रयाग, चमोली, तीसरा स्थान कु0 महक चौहान, कक्षा 8, रा0इ0का0 किनसुर, पौड़ी, चौथा स्थान कु0 पलक अधिकारी, कक्षा 12, रा0इ0का0 बदुलिया, अल्मोड़ा, पांचवा स्थान– प्रिंस प्रसाद, कक्षा 12, अटल उत्कृष्ट रा0इ0का0, गंगोलीहाट, पिथौरागढ़, प्रथम सांत्वना– कु0 सपना भट्ट, कक्षा 12, रा0इ0का0 काफलीगैर, बागेश्वर, द्वितीय सांत्वना– कु0 खुशी राणा, कक्षा 9, अटल उत्कृष्ट रा0इ0का0 भटवाड़ी, उत्तरकाशी ने प्राप्त किया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस : (11 मई 2023)

विशेषज्ञ व्याख्यानः Unlocking the Potential of open AI Tools

दिनांक 11 मई 2023 को उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), देहरादून एवं कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, रूड़की (COER) के संयुक्त तत्वावधान में "Unlocking the Potential of open AI Tools" विषयक विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि यूसर्क की निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के महत्व को बताते कहा कि इस दिन भारत ने अपने वैज्ञानिकों की वर्षों की कड़ी मेहनत के पश्चात सफलतापूर्वक परमाणु परीक्षण करके भारत की शक्ति को दुनिया के समक्ष प्रस्तुत किया। प्रो0 रावत ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स (ए.आई) तकनीकी विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इस तकनीकी का सकारात्मक कार्यो हेतु विभिन्न प्रकार से उपयोग किया जा सकता है। कार्यक्रम में कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, रूड़की (COER) के विशेषज्ञ वक्ता, डॉ. रोहित कनौजिया, प्रमुख, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, डॉ. मृदुला, प्रमुख, इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल, श्री कमल कुमार गोला, सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग विभिन्न डोमेन के विशेषज्ञ आदि के द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स ज्ञान का आदान–प्रदान किया और ओपन AI टूल्स की क्षमता पर व्यावहारिक प्रस्तुतियां दी गई। विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य, वित्त, शिक्षा और संचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में AI उपकरणों की क्षमताओं, प्रगति और अनुप्रयोगों पर चर्चा की। AI प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए वक्ताओं ने वास्तविक दुनिया के उदाहरण और सफलता की कहानियां साझा की। इंटरैक्टिव सत्र में प्रतिभागियों ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में **60** प्रतिभागियों ने सक्रिय प्रतिभाग किया।

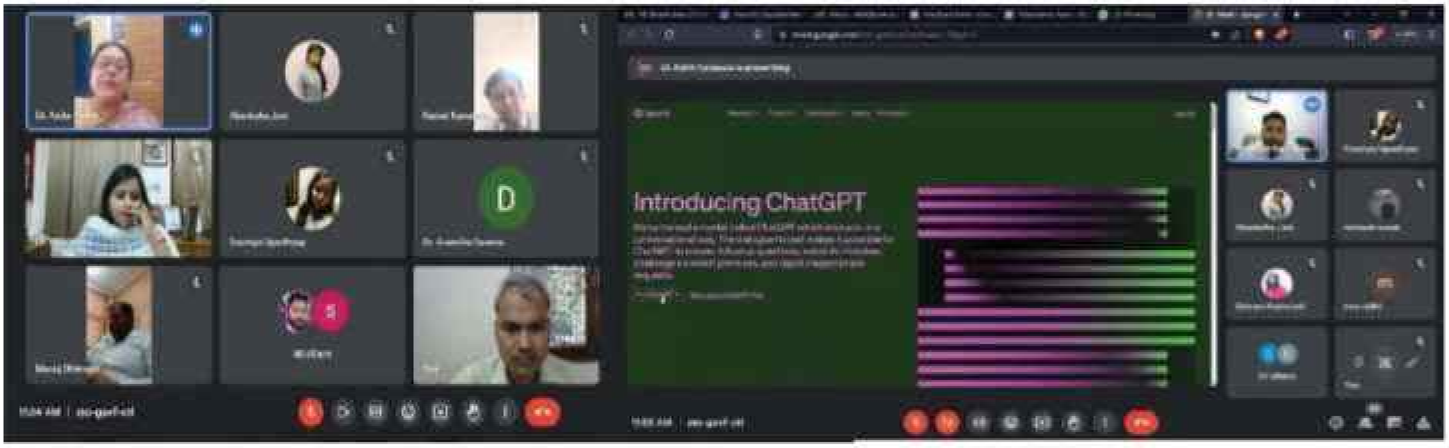

विश्व पर्यावरण दिवस : (05 जून 2023)

विशेषज्ञ व्याख्यानः Solution to plastic Polution

विश्व पर्यावरण दिवस पर यूसर्क देहरादून, एवं **SMJN (PG) College| g fj) kj** के पर्यावरण प्रकोष्ठ तथा आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में "Solution to plastic Polution" विषयक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डॉ0) अनिता रावत ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है जो प्रकृति के प्रति सम्मान एवं अखण्डता का भाव जागृत करें। यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ. ओम प्रकाश नौटियाल ने कहा कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, एवं भोजन को प्रदूषित करता है। डॉ. भवतोष शर्मा, वैज्ञानिक यूसर्क ने प्रकृति को संरक्षित करने की आवश्यकता का आह्वान किया। पंकज फुलारा, Central Institute of Petrochemicals Engineering and Technology (CIPET) डोईवाला ने अपने विचार रखते हुए कहा कि मनुष्य जीवन में कोई भी ऐसा समय नहीं है, जब आप प्लास्टिक के सम्पर्क में न हों। प्लास्टिक का उपयोग बहुत अधिक मात्रा में होने लगा है। प्लास्टिक का उपयोग ऐसा हो कि उसे फेंकने की कम आवश्यकता पड़े। CIPET के समीर पुरी ने अपने विचार रखते हुये कहा कि प्लास्टिक हमारे जीवन का पर्याय बन चुका है, इसके बिना आज के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। सिंगल यूज प्लास्टिक के बहुत अधिक दुष्परिणाम हैं जो पर्यावरण और मानव जीवन के लिए बहुत खतरनाक है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार बत्रा ने यूसर्क एवं CIPET

के माध्यम से छात्राओं में कौशल विकास के प्रति जागरूकता उत्पन्न होने के साथ–साथ भविष्य में छात्र छात्राओं को सीपेट के कौशल विकास आधारित कार्यक्रमों से जोड़ा जायेगा। इस अवसर पर कालेज के छात्र–छात्राओं द्वारा मॉडल प्रतियोगिता व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मॉडल प्रतियोगिता में सोनाली, खुशी, रीतू, साक्षी, अंजली यादव की टीम ने प्रथम, गौरव बंसल ने द्वितीय तथा ईशिका, रजनी गुप्ता, भुवन व प्रेरणा मदान की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं पोस्टर प्रतियोगिता में खुशी ने प्रथम, अंकिता जोशी ने द्वितीय, जाह्नवी ने तृतीय तथा प्रिया सिंह ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। सभी विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि व प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया। कॉलेज के छात्र–छात्राओं द्वारा नर्मदा बचाओ, चिपको आन्दोलन एवं स्वच्छ भारत अभियान, पुकार धरती की, पर नुक्कड़ नाट्य प्रस्तुत किया गया। अमूल्य सक्सेना, तमन्ना सैनी व अपराजिता ने प्रकृति पर कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम के पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. अनिता रावत व प्राचार्य प्रो. बत्रा द्वारा महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में **100** से अधिक छात्र–छात्रा उपस्थित रहे।

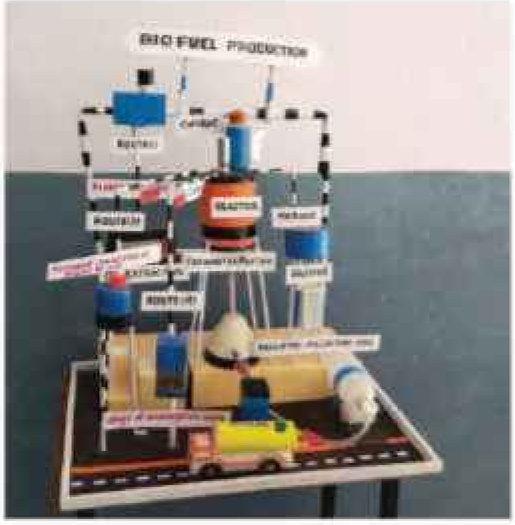

विशेषज्ञ व्याख्यान: प्लास्टिक प्रदूषण का समाधान

यूसर्क द्वारा बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया तथा वन विभाग मसूरी प्रभाग के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर **jk d h; b&j d ,y t] eky nork** में ''प्लास्टिक प्रदूषण का समाधान'' विषय पर वैज्ञानिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूसर्क की निदेशक प्रो. (डॉ) अनीता रावत ने अपने उद्बोधन में दुनिया भर में बढ़ते प्लास्टिक प्रदूषण के मानव जीवन पर पड़ने वाले हानिकारक स्वास्थ्य प्रभावों पर वैज्ञानिक चर्चा की तथा राज्य भर में यूसर्क द्वारा किए जा रहे विभिन्न विज्ञान शिक्षा एवं पर्यावरणीय शिक्षा से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने आज के युग में मनुष्य को प्रकृति के साथ समन्वय बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम में मसूरी वन प्रभाग के एसडीओ श्री उदय गौड़ द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में दुनिया भर में हो रहे विभिन्न वैज्ञानिक अनुसंधानो से छात्र–छात्राओं को अवगत कराया। बोटैनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के कार्यालय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ एस के सिंह ने सतत भविष्य के लिए जैवविविधता के महत्व एवं राज्य में पाए जाने वाले विभिन्न औषधीय पौधों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं हेतु पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें अजीत कैंतूरा ने प्रथम स्थान, संजीव खजूर ने द्वितीय स्थान तथा आंचल पायल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन के उपरांत छात्र–छात्राओं द्वारा मालदेवता क्षेत्र में पर्यावरण जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं सहित **80** से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस (22 मई 2023)

विशेषज्ञ व्याख्यान : 'सतत भविष्य के लिए जैव विविधता का महत्व'

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन DWT d ,y s] ngjkn एवं Botanical Survey of India (BSI, भारत सरकार) के संयुक्त तत्वाधान में DWT कॉलेज के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक प्रो (डॉ) अनीता रावत ने अपने संबोधन में कहा कि आज समय आ गया है कि हम सभी को एक्शन बेस्ड बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन की आवश्कता है। उन्होंने कहा कि सतत विकास की अवधारणा को फलीभूत करने के लिए एक्शन ओरिएंटेड होना पड़ेगा और मनुष्य को प्रकृति के साथ समन्वय बनाना होगा। यूसर्क की वैज्ञानिक डॉ मंजू सुंदरियाल ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए जैव विविधता दिवस के बारे में बताया। कार्यक्रम में मुख्य व्याख्यान देते हुए Botanical Survey of India के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं संयुक्त निदेशक डॉ हरीश सिंह ने 'सतत भविष्य के लिए जैव विविधता का महत्व' विषय पर व्याख्यान देते हुये जैव विविधता के महत्व, जैव विविधता के प्रकार, भारत में जैव विविधता, लोक वनस्पति विज्ञान (Ethnobotany), Economic Botany एवं Ethnobotany में अंतर, पर्वतीय भागों के स्थानीय औषधीय पौधे, उनके उपयोग एवं उसके लोक विज्ञान, पौधों के तना, जड़, पत्ती आदि के बारे में विस्तार से बताया। भारत के औषधीय पौधों की सम्पदा, हिमालय क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न औषधीय महत्व के पौधों एवं जंगली खाने योग्य पौधों (Wild Edible Fruits) पर विस्तार से बताया, जिनमें सर्पगंधा, कालमेघ, अरंडी, ब्राह्मी, रोहण ी, हरड, आंवला, काफल, हिसालू, जीजीफस, आदि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कॉलेज की प्राचार्या डॉ सुहासिनी श्रीवास्तव ने इस प्रकार की वैज्ञानिक कार्यक्रमों को बहुत उपयोगी बताया। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों ने औषधीय महत्व के पौधो पिपली, अगेथीस, तेजपत्ता, शतावरी, सफेद मूसली, नीबू आदि के 15 पौधों का रोपण DWT संस्थान के परिसर में किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों सहित 110 उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा जैव विविधता के संरक्षण हेतु कार्य करने की प्रतिज्ञा ली गई।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2023)

विशेषज्ञ व्याख्यानः योगा फॉर वसुधैव कुटुंबकम

यूसर्क द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऑनलाईन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूसर्क की निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत ने कहा कि योग न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि हम सभी को भी आपस में जोड़ता तथा हमारी आंतरिक चेतना को जाग्रत करता है। योग हम सभी को वसुधैव कुटुंबकम् की भावना के साथ मिलकर कार्य करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में योग विशेषज्ञ यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज के प्रोफेसर धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने योग के बारे में जानकारी देते हुए विभिन्न योगआसन कराए। कार्यक्रम में यूसर्क के विज्ञान चेतना केंद्रों के प्रभारी शिक्षकों ने दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज नई दिल्ली में यूसर्क आयोजित हो रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम से ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर योग में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में 48 लोगों द्वारा योग में प्रतिभाग किया गया।

30

Institutional Teacher Training Program (20-23 June, 2023)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र यूसर्क द्वारा दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय में दिनांक 20 से 23 जून 2023 तक उत्तराखंड के राजकीय एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों हेतु इंस्टीट्यूशनल टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम Physics, Chemistry, Biology, Mathematics, Electronics and Computer Science से संबंधित शिक्षकों हेतु आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में उत्तराखंड के विद्यालयों से कुल 33 शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया जिनमें से फिजिक्स विषय में 09 रसायन विज्ञान विषय में 08 बायोलॉजी विषय में 09 मैथमेटिक्स विषय में 06 एवं कम्प्यूटर विज्ञान विषय में 01 शिक्षक द्वारा प्रतिभाग किया गया।

हरेला सप्ताह कार्यक्रम (20 जुलाई 2023)

वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम

यूसर्क देहरादून द्वारा हरेला सप्ताह के अंतर्गत , I -t hv kj-v kj- b‍Vj d ,y t] Hkkx i ;q में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक प्रा0 (डॉ) अनीता रावत ने इस अवसर पर कहा कि हम सभी को पर्यावरण के संरक्षण के लिए गंभीरता के साथ मिलकर कार्य करने की जरूरत है। भारतीय ज्ञान विज्ञान परम्परा और संस्कृति में प्रकृति के पांच महाभूतों को जीवन के लिए बहुत आवश्यक माना गया है। हरेला पर्व प्रकृति को समर्पित लोक पर्व है, हम सभी को पौधारोपण करने के साथ साथ उसकी वर्ष भर देखभाल भी करनी चाहिए। प्रो0 अनीता रावत ने इस अवसर पर उपस्थित सभी 250 छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों को हरेला शपथ भी दिलाई।

एस.जी.आर.आर. इंटर कॉलेज भोगपुर के प्रधानाचार्य डॉ संजय कुठारी ने कहा कि हम सभी को अपने पर्यावरण की रक्षा करने के लिए आगे आकर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पौधारोपण करना होगा तथा पौलीथिन का प्रयोग बंद करना होगा। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक श्री मंजीत सिंह मनवाल ने किया। विद्यालय में हरेला पर्व पर विद्यार्थियों के मध्य आयोजित सीनियर वर्ग हेतु पर्यावरण पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं यथा– प्रथम स्थान: कुमारी शिवानी, कक्षा 12, द्वितीय स्थान: कुमारी वैष्णवी, कक्षा 12, तृतीय स्थान: कुमारी नीलाक्षी, कक्षा 10 एवं सांत्वना पुरस्कार: कुमारी आरती, कक्षा 9 तथा जूनियर वर्ग प्रथम स्थान: कुमारी रजनी, कक्षा 8, द्वितीय स्थान: शुभम, कक्षा 7, तृतीय स्थान: तनीषा, कक्षा 8 व 4. सांत्वना पुरस्कार: हर्षित, कक्षा 6 को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के अवसर पर विद्यालय परिसर में 50 फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया।

विशेषज्ञ व्याख्यान: वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम (22 जुलाई 2023)

हरेला पर्व के उपलक्ष में यूसर्क एवं **l hw kbZe, l d,ys] ngjknw** के संयुक्त तत्वाधान में वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें यूसर्क की निदेशक प्रो० (डॉ.) अनीता रावत ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि हरेला पर्व हमें अपने परंपरागत लोकपर्वों, जैव विविधता को संरक्षित करने हेतु प्रेरित करता है और हमें अपनी जड़ों से जोड़ कर रखते हैं। उन्होंने छात्र–छात्राओं से वैज्ञानिक संवाद करते हुए कहा कि विचारों से ही संस्कार आते हैं और यदि आपके विचार अच्छे हैं तो आपके संस्कार भी अच्छे होंगे और यही जीवन का मूलमंत्र है। उन्होंने कहा कि आज हमारी और आपकी पीढ़ी के द्वारा किए गए कार्य हमारे जीवन की दशा को उन्नत बनाने के साथ साथ राष्ट्र को भी आगे ले जायेंगे। प्रो० रावत ने यूसर्क द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न वैज्ञानिक कार्यक्रमों की विस्तार पूर्वक जानकारी छात्र–छात्राओं को दी। इस अवसर पर कॉलेज के **400** छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे एवं कॉलेज परिसर में **120** फलदार पौधों का रोपण किया गया।

29th International Conference of International Academy of Physical Sciences

(21 –23 जुलाई 2023)

यूसर्क द्वारा **f'kokfy d d ,y s v ,Q bà kfu; fj x ngjknu** के सहयोग से तीन दिवसीय 29th International Conference of International Academy of Physical Science का आयोजन किया गया। उक्त कांफ्रेंस Computational & Physical Sciences & Innovation for Sustainable Development विषय पर आयोजित की गयी। कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक प्रो (डॉ.) अनिता रावत ने कांफ्रेंस के उद्देश्यों के अनुरूप विज्ञान के विभिन्न अनुसंधानों एवं नवाचारों द्वारा सतत विकास हेतु सभी शोधार्थियों का आह्वान किया उन्होंने विज्ञान शिक्षा एवं अनुसन्धान के क्षेत्र में यूसर्क के प्रयासों की भी चर्चा की। कांफ्रेंस में आगामी तीन दिवसों में **20** से अधिक आमंत्रित विशिष्ट व्याख्यानों के साथ ही **120** से अधिक शोधपत्रों को प्रस्तुत किये गये।

राज्य में विज्ञान शिक्षा संचार, अनुसंधान एवं नवाचार

यूसर्क द्वारा पिथौरागढ़ में स्थापित विज्ञान संचार केंद्र के माध्यम से मानस कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पिथौरागढ़ के विद्यार्थियों द्वारा को यूसर्क का भ्रमण किया गया। यूसर्क की निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अनीता रावत ने "राज्य में विज्ञान शिक्षा संचार, अनुसंधान एवं नवाचार" विषय पर व्याख्यान के माध्यम से उपस्थित विद्यार्थियों को विस्तार से बताया एवं यूसर्क द्वारा चलाए जा रहे वैज्ञानिक कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में बजाज आलियांज के नॉर्थ रीजन के हेड श्री नवीन श्रीवास्तव ने "फाइनेंशियल सिक्योरिटी एंड अवेयरनेस" विषय पर व्याख्यान दिया।

Faculty Development Programme

उच्च शिक्षा में बदलाव के बीच शिक्षण और सीखने की पद्धति (24–28 जुलाई 2023)

यूसर्क द्वारा **d kj fo'ofo| ky ;] : Md h** के संयुक्त तत्वाधान में "उच्च शिक्षा में बदलाव के बीच शिक्षण और सीखने की पद्धति" पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों को नवीन शिक्षण तकनीकों से अवगत कराने तथा उच्च शिक्षा में निरंतर सीखने के माहौल को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, यूसर्क, देहरादून की निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत ने कार्यक्रम की थीम "उच्च शिक्षा में आदर्श बदलाव के बीच शिक्षण और सीखने की पद्धति" के महत्व पर जोर दिया। प्रो. (डॉ.) रावत ने संकाय सदस्यों के लिए व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की उन्होंने प्रतिभागियों को परिवर्तनकारी शिक्षण पद्धतियों को अपनाने और उच्च शिक्षा मानकों को आगे बढ़ाने में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में सुजीत रवींद्रन द्वारा "रोजगार का भविष्य" विषय पर अपने विचारों का साझा किया। उन्होंने उभरते उच्च शिक्षा परिदृश्य के अनुरूप ढलने और समग्र शिक्षा के लिए नवीन शिक्षण तकनीकों को लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. सागर गुलाटी, उप निदेशक, आईनर्चर, बेंगलुरु ने "अगले 5 वर्षों के लिए शिक्षण और सीखने के रुझान" पर ज्ञानवर्धक चर्चा की। कोर विश्वविद्यालय के चांसलर श्री जे.सी. जैन ने प्रतिभागियों को शिक्षण प्रवृत्तियों पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने शिक्षकों से छात्रों को आलोचनात्मक सोच के साथ सशक्त बनाने और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने आयोजकों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को शैक्षिक उत्कृष्टता को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में कुल 172 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2023)

यूसर्क कार्यालय परिसर में निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत द्वारा 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कर सभी को शुभकामनाएं दी गईं। प्रोफेसर रावत ने अपने संबोधन कहा कि आज भारत का स्थान अग्रणी देशों की श्रेणी में है, हमें इसी प्रकार अपने राज्य और राष्ट्र को आगे ले जाने के लिए अपने–अपने क्षेत्र में कड़ी मेहनत से आगे बढ़ना होगा। यूसर्क के वैज्ञानिकों द्वारा भी अपने–अपने विचार साझा किये। इस अवसर पर यूसर्क निदेशक द्वारा 05 यूसर्क कार्मिकों को सम्मानित किया गया।

विशेषज्ञ व्याख्यान एवं जल विज्ञान प्रशिक्षण कार्यक्रम (05 सितंबर, 2023)

यूसर्क द्वारा jkt dh; Lukrd kÙkj egkfo| ky; Fky h Sk| i kSM+h के सभागार में शिक्षक दिवस के अवसर पर यूसर्क आउटरीच कार्यक्रम के अन्तर्गत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में विशेषज्ञ व्याख्यान एवं जल विज्ञान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क वैज्ञानिक डा0 भवतोष शर्मा ने “Application of HPLC in Analytical Sciences” विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान देने के साथ ही जल स्रोतों की जल गुणवत्ता का अध्ययन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों सहित 85 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज, थलीसैंण, पौड़ी गढ़वाल (05 सितम्बर, 2023)

शिक्षक दिवस के अवसर पर ज्ञान विज्ञान कार्यक्रम का आयोजन राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज, थलीसैंण, पौड़ी गढ़वाल के परिसर में किया गया। यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ भवतोष शर्मा ने शिक्षक दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वैज्ञानिक युग में हमको अपने शिक्षकों से प्राप्त ज्ञान और विज्ञान को अपने करियर के साथ साथ सामाजिक जीवन को अच्छा बनाने में करना चाहिए। उन्होंने यूसर्क की तरफ से स्टेम प्रयोगशाला हेतु विद्यालय को टैबलेट भी प्रदान किया। उन्होंने कहा यूसर्क द्वारा प्रदेश के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिरुचि और नवाचार को विकसित करने के उद्देश्य के साथ विद्यालयों में विज्ञान चेतना केंद्रों एवं स्टेम प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है। डॉ० शर्मा ने आधुनिक विज्ञान को अपने परंपरागत विज्ञान से जोड़ने का आवाहन किया तथा समस्याओं के स्थानीय सरल समाधान खोजने पर कार्य करने को कहा। यूसर्क द्वारा विद्यासार संस्था के सहयोग से राज्य के सीमांत भागों जहां इंटरनेट उपलब्ध नहीं है वहां पर स्थित विद्यालयों का चयन करके एक एंड्रॉयड डिवाइस प्रदान की गई है जो ऑफलाइन मोड में कार्य करती है तथा जिससे बिना इंटरनेट के भी हमारे विद्यार्थी कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, अंग्रजी विषयों के पाठ्यक्रम को कंप्यूटर, टीवी आदि पर सरल रूप से हिंदी व अंग्रजी दोनों माध्यमों में वीडियो लेक्चर्स के द्वारा किसी भी समय पढ़ सकते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री संदीप भारद्वाज ने यूसर्क के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी विद्यार्थियों की अधिक से अधिक अध्ययन कर स्टेम प्रयोगशालों से प्रयोगात्मक रूप से सीखने को कहा। विज्ञान चेतना केंद्र प्रभारी श्री राजेंद्र प्रसाद सुंदरियाल ने शिक्षक दिवस पर प्रकाश डालते हुए विज्ञान गतिविधियों से जुड़ने को कहा। कार्यक्रम का संचालन किया शिक्षक श्री प्रदीप सिंह ने किया। कार्यकम में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित **245** प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

आपदा प्रबन्धन में जन सहभागिता की भूमिका (08 सितम्बर, 2023)

यूसर्क देहरादून द्वारा I h0v kbM, e0, I 0] I aLFkku] ngjknw के संयुक्त तत्वाधान में ''हिमालय दिवस–2023'' के अवसर पर ''आपदा प्रबन्धन में जन सहभागिता की भूमिका'' विषय पर एक दिवसीय कार्यकम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित यूसर्क की निदेशक प्रा0 (डॉ0) अनीता रावत ने अपने सम्बोधन में कहा कि हिमालय की अस्मिता एवं अक्षुणता के लिये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से समाज के प्रत्येक अंगो की भागीदारी एवं सहयोग सुनिश्चित करना होगा। प्रो0 रावत ने कहा कि ऐसी शिक्षा को बढ़ावा देना होगा जो प्रकृति की अखण्डता एवं प्रकृति का सम्मान करें। उन्होंने कहा कि पारिस्थितिकी के संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता को आत्मसात करते हुए हमें परंपरागत ज्ञान एवं अपनी संस्कृति के समावेश से पर्यावरणीय आचार–विचार एवं परंपरागत समाज के मूल्यों को पुनः स्थापित करना होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, देहरादून के कुलाधिपति डा0 विजय धस्माना ने अपने सम्बोधन में कहा कि हिमालयी क्षेत्रों के प्राचीन गांव, कृषिव्यवस्था, जीवन शैली एवं भवन निर्माण की शैली आदि सभी कुछ पर्यावरण के अनुकूल ही था लेकिन वर्तमान विकास के युग में इन सभी पद्वतियों में व्यापक रूप से परिवर्तन हुआ है जो कि पर्यावरण के प्रतिकूल है। हमें प्रकृति से ही उतना ही लेना है जितने की आवश्यकता हो। डा0 धस्माना ने कहा कि भारतीय संस्कृति से ही विज्ञान की उत्पत्ति हुई है। अतः हमें विज्ञान के साथ–साथ अपनी संस्कृति एवं संसाधनों का संरक्षण करना होगा। कार्यक्रम में संस्थान के छात्र–छात्राओं द्वारा हिमालय के संरक्षण विषय पर भाषण, कवितायें, गीत एवं नुक्कड़ नाटक आदि प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षक, शिक्षिकाओं सहित 300 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जल गुणवत्ता परीक्षण प्रशिक्षण (11 सितंबर, 2023)

दिनांक 11 सितंबर 2023 को v k; Zd U; k bV j d ,y s d kW}kj ½ikSM½ में जल गुणवत्ता परीक्षण विषयक ट्रेनिंग" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य वक्ता के रूप में यूसर्क देहरादून के वैज्ञानिक डॉ0 भवतोष शर्मा ने यूसर्क द्वारा विद्यार्थियों के अंदर वैज्ञानिक चेतना, अनुसंधान एवं नवाचार के जागरण हेतु चलाए जा रहे विभिन्न वैज्ञानिक कार्यक्रमों जैसे ज्ञान विज्ञान कार्यक्रम, मेंटरशिप कार्यक्रम, तकनीकी आधारित विज्ञान शिक्षा कार्यक्रम, जल विज्ञान कार्यक्रम, वैज्ञानिक संस्थानों की एक्सपोजर विजिट, आईसीटी ट्रेनिंग आदि के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यूसर्क द्वारा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक गतिविधियों के प्रति रुचि बढ़ाने हेतु एक प्लेटफार्म प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने जल गुणवत्ता परीक्षण विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को जल के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक पैरामीटर्स के विषय में वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करते हुए इन पैरामीटर को सरल रूप में अपने विद्यालय अथवा अपने घर पर विश्लेषण करने का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने जल की अम्लीयता एवं क्षारीयता को मापने का पैरामीटर पीएच, जल में कुल घुलित ठोस टोटल डिसॉल्वड सॉलिड अर्थात टीडीएस) तथा जैविक प्रदूषण (ई कोलाई बैक्टीरिया) को प्रयोग रूप से परिक्षण करके दिखाया तथा जल में उपस्थित नाइट्रेट, आयरन, हार्डनेस आदि के बारे में विस्तार से बताते हुए इनके अधिक होने पर समाधान के विषय में भी वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती रेनू नेगी ने इस अवसर कहा कि आज का कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत ज्ञानवर्धक रहा तथा यूसर्क के द्वारा स्थापित स्टेम प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चिंतन को बढ़ाएगी। कार्यक्रम में 120 छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Workshop on Smart Laboratory: Increasing efficiency, enhancing connectivity & driving superior quality

यूसर्क द्वारा c k; kd &e LVh fo Hkkx] , H _ f'kd s k के सहयोग से दिनांक 23 fl rEcj 2023 को स्मार्ट प्रयोगशाला: दक्षता बढ़ाना, कनेक्टिविटी बढ़ाना और बेहतर गुणवत्ता चलाना पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यकम में प्रो0 (डा0) अनीशा आतिफ मिर्जा द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। डीन अकादमी प्रो0 जया चतुर्वेदी प्रयोगशाला में त्रुटि को स्मार्ट तरीकों से किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है, पर चर्चा की। कार्यक्रम में जनरल सेकेटरी ACCLMP डा0 मौशुमी सैकिया ने Genesis of ACCLMP पर व्याख्यान दिया। डा0 सुस्त्रुता सेन अध्यक्ष ACCLMP us 'Quality indicators पद clinical Laboratroy' पर व्याख्यान दिया। ACCLMP के दिल्ली चैप्टर के अध्यक्ष डा0 (लै0 कर्नल) अरूण कुमार हस्थि ने 'Harnessing the power of automotion' पर अपनी बात रखी। अगले सत्र में डा0 सुदीप दत्ता, प्रोफेसर एण्ड हैड, लैब मैडिसिन विभाग एम्स दिल्ली ने 'How to plan & excute total Lab automation system' पर व्याख्यान दिया। अन्य सत्र में डा0 सरमा साहा ने 'History of Laboratory Automation' पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों के 100 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Workshop on Stop Motion Animation and Graphics (27-28 Sep, 2023)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क), देहरादून एवं ns l å—fr fo'ofo| ky; के संयुक्त तत्वाधान में देव संस्कृति विश्वविद्यालय में Stop Motion Animation and Graphics विषय पर दो दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में यूसर्क के निदेशक प्रो0 (डॉ0) अनिता रावत ने कहा कि यूसर्क द्वारा प्रदेश के सीमांत भागों तक विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना के जागरण, वैज्ञानिक अभिरूचि में वृद्धि करने तथा उनकी जिज्ञासाओं के समाधान हेतु पूरे प्रदेश में 200 विज्ञान चेतना केन्द्रों की स्थापना, STEM (साइंस, टैक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथेमैटिक्स) प्रयोगशालाओं की स्थापना के साथ–साथ विद्यार्थियों में आईसीटी विषय पर वैज्ञानिक अभिरुचि, नवाचार आदि को बढ़ाने के उद्देश्य के साथ एक सप्ताह का आईसीटी विषय पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें उन्हें आईसीटी के ज्ञान के साथ–साथ नई टेक्नोलॉजी को भी विशेषज्ञों के द्वारा सिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विज्ञान के सिद्धांतों को सीखने के डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 शरद पारधी द्वारा अतिथियों एवं प्रतिभागियों को देव संस्कृति विश्वविद्यालय के गतिविधि एवं पूज्य गुरूदेव से संदेश से परिचित करवाया गया। उन्होंने यूसर्क द्वारा इस प्रकार की कार्यशालाओं के आयोजन की सराहना की।

यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल ने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आधुनिक विकास पर चर्चा करते हुये छात्रों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि एनिमेशन एवं ग्राफिक्स जैसे विषयों में प्रशिक्षण युवाओं को तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ ही आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर समस्त आयोजक मण्डल को बधाई प्रेषित करते हुये कहा कि यूसर्क द्वारा प्रदेश के विभिन्न दूरुह स्थानों में बहुत सारे वैज्ञानिक

कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें छात्रों को ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यम से भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित तथा अंग्रेजी का संपूर्ण पाठ्यक्रम उपलब्ध कराया जाना, विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिरुचि, नवाचार आदि को बढ़ाने के उद्देश्य के साथ आईसीटी विषय पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम तथा 'स्वयं करके सीखें' के आधार पर हैंड्स ऑन प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें प्रयोगिक ज्ञान देना शामिल है। अतः यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सभी प्रशिक्षणार्थियों को गम्भीरतापूर्वक पूर्ण करना होगा। इस अवसर पर यूसर्क निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत को उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों हेतु विज्ञान पुरोधा सम्मान से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने प्रतिभागियों से आधुनिक विज्ञान के साथ ही आध्यात्मिक शिक्षा को भी ग्रहण करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, परम्परायें एवं विज्ञान प्राचीन काल से ही सम्पूर्ण विश्व के लिये प्रेरणादायी रही है। उन्होंने यूसर्क द्वारा इस प्रकार के कार्यशालाओं के आयोजन की सराहना की। कार्यशाला के अंतर्गत उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा साथ ही प्रतिकुलपति डा0 पंड्या द्वारा यूसर्क वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल को उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों हेतु 'विज्ञान पुरोधा' सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रा0इ0का0 गैंडीखाता के साथ ही विश्वविद्यालय के कई प्राध्यापक व ज्वालापुर हरिद्वार, ढालवाला ऋषिकेश एवं देहरादून के 6 विभिन्न विद्यालयों से लगभग **70** विद्यार्थी एवं अध्यापक सहित लगभग **100** लोग उपस्थित रहे। कार्यशाला का समापन शांति पाठ के माध्यम से किया गया।

National Conference on Recent Advances in Theoretical and Experimental Sciences (29-30 Sep 2023)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) देहरादून द्वारा **HkDr n'kZu jkt dh; Lukrd kksRrj egkfo|ky; t;gjh[kky] ikSMh x<+oky** के संयुक्त तत्वाधान में National Conference on Recent Advances in Theoretical and Experimental Sciences (NCRATES-2023) विषय पर दिनांक 29–30 सितम्बर 2023 को दो दिवसीय कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य प्रमुख शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं के साथ छात्रों को सैद्धांतिक और प्रायोगिक विज्ञान के सभी पहलुओं पर अपने अनुभवों को साझा करना तथा अनुसंधान के क्षेत्र में छात्रों को उचित मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लैंसडौन के विधायक श्री दलीप सिंह रावत ने कहा कि हमारी वैदिक विज्ञान संस्कृति ही विज्ञान की जननी है और इसे ही आधार मानकर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने सनातन धर्म में विज्ञान की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गढ़वाल विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान के प्राध्यापक प्रो0 हेमवती नन्दन ने सौर मण्डल के निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में **100** से अधिक प्रस्तुतियाँ दी गईं तथा **120** से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किये गये।

Faculty Development Program (03 Oct 2023)

यूसर्क द्वारा दिनाँक 03 अक्टूबर 2023 को रघुनंदन सिंह टोलिया अकादमिक प्रशिक्षण संस्थान (ATI) नैनीताल मे उत्तराखंड के विश्वविद्यालय, विद्यालयो एवं वैज्ञानिक संस्थानों के शिक्षको, वैज्ञानिको एवं शोधार्थियों हेतु एक दिवसीय Faculty Development Program का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं से **25** प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती (02 अक्टूबर, 2023)

यूसर्क परिसर में राष्ट्र पिता महात्मा गांधी जी "पूज्य बापू" एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर यूसर्क निदेशक प्रो0 (डॉ0) अनीता रावत ने पूज्य बापू और शास्त्री जी के दिखाए मार्ग पर चलने और उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आवाहन किया।

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस

दिनांक 09 नवम्बर 2023 को यूसर्क द्वारा उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन यूसर्क सभागार में किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत ने सभी को शुभकामनायें देते हुए राज्य को विज्ञान शिक्षा, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं नवाचार की दिशा में आगे ले जाने के बारे में प्रकाश डाला। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों द्वारा अपने–अपने विचारों को साझा किया।

राष्ट्रीय कार्यशाला "Solid waste management and its effects on Economic growth" (06 Nov, 2023)

यूसर्क द्वारा ns o l ãd` fr fo'ofo|ky;, हरिद्वार के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 06 नवम्बर 2023 को में 'कचरा प्रबंधन एवं आर्थिक विकास पर इसका प्रभाव' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि हरितऋषि विजयपाल बघेल (ग्रीन मैनऑफ इंडिया), देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति श्री शरद पारधी जी, प्रतिकुलपति डॉ चिन्मय पंड्या जी, एवं समस्त वक्ताओं नें संयुक्त रूप से कूड़ा प्रबंधन करके आर्थिक स्थिति को कैसे सुधारा जा सकता है, इस विषय पर अपने अपने विचार रखे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरित ऋषि श्री विजय पाल बघेल ने उत्तराखंड के सभी विश्वविद्यालयों को देव संस्कृति विश्वविद्यालय की तर्ज पर ही जीरो वेस्ट मैनेजमेंट और पॉलीथिन फ्री कैंपस के लिए प्रयास करना चाहिए। कार्यशाला में दो प्रतियोगिताओं निबंध एवं स्लोगन का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यकम में 100 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2023 का राज्य स्तरीय कैंप (17 दिसंबर 2023)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) तथा **fo Kku Hkkj r h** उत्तराखंड के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 17 दिसंबर 2023 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान **¼vkbZ vkbZ Vh½ #Md h** में विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2023 का राज्य स्तरीय कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य के प्रदेश स्तरीय कैंप हेतु चयनित लगभग 100 छात्र छात्राओं के साथ ही उनके अभिवावको तथा आई आई टी रुड़की के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों के साथ ही देश भर की कई संस्थाओं के संस्थाध्यक्षों द्वारा प्रतिभा किया गया। राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के उपरांत 18 छात्र–छात्राओं का राष्ट्र स्तरीय कैंप हेतु चयन हुआ। यूसर्क निदेशक प्रो. (डॉ) अनीता रावत ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित की तथा साथ ही उन्होंने यूसर्क द्वारा संचालित विभिन्न नवाचारी वैज्ञानिक कार्यक्रमों से छात्र–छात्राओं को लाभ उठाने का भी आह्वान किया।

गणतंत्र दिवस का आयोजन (26 जनवरी 2024)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) में 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर केन्द्र की निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अनिता रावत ने अपने संबोधन में सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह दिवस हम सभी को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है जिससे हमारा प्रदेश और देश सभी क्षेत्रों में अग्रणी बने। यूसर्क का प्रयास है कि राज्य के सभी भागों में विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार संबंधी गतिविधियों को विद्यार्थियों तक पहुंचाया जाए। इस अवसर पर यूसर्क निदेशक द्वारा 04 यूसर्क कार्मिकों को सम्मानित किया गया।

Institutional Visit Programme for School Teachers (10 - 12 Jan, 2024)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) द्वारा दिनांक 10 जनवरी 2024 से 12 जनवरी 2024 तक उत्तराखण्ड के विधालयी शिक्षकों हेतु चंडीगढ़ में स्थित विभिन्न अनुसंधान संस्थानों का तीन दिवसीय Institutional Visit Program का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत दिनांक 10 जनवरी 2024 को इंडियन Indian Institute of Soil & Water Conservation, Chandigarh मे एक्सपोजर विजिट एवं दिनांक 11 जनवरी 2024 को CSIR- Institute of Microbial Technology (IMTECH), Chandigarh का भ्रमण कर विस्तृत जानाकरी प्राप्त की। IMTECH में शिक्षकों द्वारा Synthetic Drug Laboratory, Central Instrumetation Lab एवं MTCC Lab का भ्रमण किया गया। अंतिम दिन दिनांक 12 जनवरी 2024 को शिक्षकों की टीम ने इंडियन Indian Institute of Science Education and Research (IISER), Mohali का शैक्षिक भ्रमण कर मौलिक व पदार्थ विज्ञान की प्रोन्नत प्रयोगशालाओं और वैज्ञानिक उपकरणों का लाइव Demonstration किया, जिसमें Microbial Strains, Culturing & Preservation से सम्बन्धित जानकारियां प्रदान की गयी। साथ ही ट्रांसमिशन व स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (TEM/SEM), फ्लैश क्रोमेटोग्राफी, माइक्रोवेव एसिस्टेड सिंथेसिस, लिक्विड क्रोमेटोग्राफी, मास स्पेक्ट्रोस्कॉपी, एक्स–रे डिफ्रेक्शन तकनीक (XRD) आदि दर्जनों अत्यधिक इंस्ट्रूमेंटेशन तकनीक का लाइव डेमोंसट्रेशन व डाटा Interpretation प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम में राज्य के 08 जिलों के 23 विद्यालयों के शिक्षकों सहित कुल **24** प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Workshop "BRIDGING THE DIGITAL-DIVIDE IN NON-TECHNICAL EDUCATION: A STUDENT CENTRIC INITIATIVE (29-30 Jan, 2024)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (यूसर्क), देहरादून द्वारा b.VhVi W v ,Q VDu ky ,t h , M eSt eV ¼vkbZVh, e½ ngjknw के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 29–30 जनवरी 2024 तक "गैर–तकनीकी शिक्षा में डिजिटल–विभाजन को पाटना: एक छात्र केंद्रित पहल" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्रों ने आईसीटी की भूमिका पर बेहतर जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड के **80** से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया।

Workshop on HERITAGE EDUCATION on Science and Sustainable living (23 Jan, 2023)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) एवं बी एड विभाग, डी.ए.वी. (पी.जी.) कॉलेज देहरादून द्वारा "हेरिटेज एजुकेशन इन क्लास रूम साइंस एंड सस्टेनेबल लिविंग" विषय पर नालंदा कॉलेज के सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में यूसर्क की निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अनिता रावत ने अपने संबोधन में कहा कि हम अपनी सॉस्कृतिक विरासत की शिक्षा एवं इसकी लर्निंग को किस प्रकार समृद्धशाली बना सकते हैं उस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कंजर्वेशन और प्रिजर्वेशन की नीतियों को मजबूत करना होगा तथा ट्रांसडिसिप्लिनरी पहल को पोषित करना होगा। प्रोफेसर रावत ने कहा कि पुरानी और नयी पीढ़ी के मध्य परंपरागत विज्ञान को वर्तमान और भूतकाल के ज्ञान के साथ जोड़ने की जरूरत है।

कार्यक्रम में डीएवी (पी जी) कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर एस के सिंह ने कार्यक्रम को बहुत उपयोगी बताया तथा इस दिशा में कार्य करने का आव्हान किया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ कुमारी शिवा रावत ने विरासत शिक्षा पर प्राकृतिक एवं मानव निर्मित विरासत को विज्ञान एवं सतत जीवन से संबंधित जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सविता रावत ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुक्रम में यह कार्यशाला सभी बीएड विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी होगी कार्यक्रम में **70** से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विज्ञान कार्यशाला: दैनिक अनुप्रयोगों से सम्बन्धित क्रियाशील वैज्ञानिक प्रतिमानों का निर्माण

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क), देहरादून द्वारा **jk d k b.Vj d kWt u kbZ v Ye kMk** के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक **31 t uojh 2024** को 'दैनिक अनुप्रयोगों से सम्बन्धित क्रियाशील वैज्ञानिक प्रतिमानों का निर्माण' विषय पर एक दिवसीय विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के कुल सचिव द्वारा प्रतिभाग किर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि विनय कुमार आर्या (खंड शिक्षाधिकारी, ताकुला) ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें विद्यालयों में प्राथमिक कक्षा से ही बच्चों में विज्ञान के प्रति रूचि उत्पन्न किए जाने की जरूरत हैं। उच्च कक्षाओं में कला वर्ग की अपेक्षा विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं की संख्या काफी कम होती है। इसीलिए आज विज्ञान का सरलीकरण किए जाने की आवश्यकता है।

कार्यशाला मे विद्यार्थियों को दैनिक क्रियाशील वैज्ञानिक मॉडलों के विषय में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने दैनिक अनुप्रयोगों से संबंधित क्रियाशील वैज्ञानिक मॉडलों का निर्माण किया एवं विज्ञान संबंधी अनेक प्रयोग सीखे। कार्यशाला में मॉडल निर्माण प्रतियोगिता हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने लेजर सेक्यूरिटी होम सिस्टम, स्थिर

कुंडली चल चुंबक, सिरीज सर्किट पैनल, सोलर स्ट्रीट लाइट सिस्टम, सैल एवं बैटरी प्रयोग, विद्युत चुंबकत्व आदि मॉडलों का निर्माण किया और मॉडल प्रतियोगिता के सभी प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया।

कार्यशाला में रा० इ० का० भकूना, रा० क० इ० का० सारकोट, रा० इ० का० सुनौली, रा० इ० का० नाई, रा० इ० का० गणनाथ, श्रीराम विद्या मंदिर इंटर कालेज डोटियालगाँव आदि विद्यालयों के **150** से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

Seminar on Practice-Based pedagogy in Mathematics and Science Teaching Method: Challenges and adaptation in Context of Inclusive Education

दिनांक **5&6 Qjojh 2024** तक उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र देहरादून द्वारा राष्ट्रीय दृष्टिबाधित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु संस्थान ¼ u v lb KZ lb lMlh½ में समावेशी शिक्षा के संदर्भ में Practice-Based pedagogy in Mathematics and Science Teaching Method: Challenges and adaptation in Context of Inclusive Education विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। सहयोग से किया। कार्यक्रम में **100** से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जन सहभागिता द्वारा कचरे का उचित प्रबंधन (06 फरवरी, 2023)

यूसर्क द्वारा कचरे का उचित प्रबंधन के लिए स्कूली बच्चों को जागयक करने हेतु संरक्षण सामजिक कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में दिनाँक 06 फरवरी 2024 को jkt dk; bb/j d,y s] Mkbky oky k] देहरादून में एक दिवसीय ''जन सहभागिता द्वारा कचरे का उचित प्रबंधन'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में यूसर्क की निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अनीता रावत द्वारा छात्र–छात्राओं को कचरा प्रबंधन और स्वच्छता का महत्व बताते हुये Solid Waste का उचित प्रबंधन एवं निस्तारण विज्ञान एवं तकनीकी के साथ–साथ युवाओं को जोड़ते हुए जनसहभागिता से करने की जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि हिमालय क्षेत्र में हम सभी को विशेष प्रयास करने होंगे जिससे पर्यावरण को सुरक्षित रह सकेगा। इको ग्रुप सोसाईटी के अध्यक्ष आशीष गर्ग ने बच्चों को प्लास्टिक कचरे से होने वाले नुकसान की जानकारी प्रदान की और प्लास्टिक से इको ब्रिक्स बनाना सिखाया।

भारत ज्ञान समागम (10 फरवरी 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) एवं कोर विश्वविद्यालय, रूड़की के संयुक्त तत्वाधान में 'भारत ज्ञान समागम' कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 10 फरवरी 2024 को कोर विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सेवानिवृत्त गुरुमीत सिंह ने इस कार्यक्रम के आयोजन से हमारे समाज एवं ज्ञान–विज्ञान को नई दिशा प्रापत होगी। उन्होंने कहा कि भारत की समृद्धि में हमारी समृद्ध शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि अध्ययन, अनुसंधान एवं समर्पण के भाव से आगे बढ़ते हुये देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिये हम सभी को अपनी–अपनी भूमिकायें सशक्त रूप से निभानी होगी। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड के लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी प्रो0 जे0एस0 राणा ने शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधारों के साथ आगे बढ़ना है, जिससे सभी को रूचि के अनुसार आपने–अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त हों। Motivational Speaker श्री शिव खेड़ा ने उपसिथत छात्रों को जीवन में आगे बढ़ने को प्रेरित किया। कार्यक्रम में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया, जिसमें यूसर्क

की विज्ञान प्रदर्शनी में यूसर्क के प्रकाशन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक प्रो0 डा0 अनीता रावत ने इस अवसर पर विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों पर विस्तार से बताते हुये कहा कि यूसर्क का यह प्रयास है कि सभी शिक्षण संस्थानों तक वैज्ञानिक गतिविधियों का पहुंचाया जायें। कार्यक्रम में देशभर के **20** राज्यों के **50** से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपतियों तथा 400 से अधिक शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों एवं प्राध्यापकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Awareness and Impact of Technologies 21st Century (13 Feb 2024)

यूसर्क द्वारा रा0आ0इ0का0 देवायल, सल्ट अल्मोड़ा के सहयोग से दिनांक 13 फरवरी 2024 को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तकनीकी 21वीं शताब्दी जागरूकता व प्रभाव विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निदेशक पॉलेटेक्निक धर्मेंद्र प्रकाश एवं निदेशक यू0आई0टी0पी0ई0 भावना ध्यानी द्वारा छात्र–छात्राओं को कम्प्यूटर की नई तकनीकों की जानकारी दी। MNC, IT Industry के विशेषज्ञों द्वारा छात्र–छात्राओं को विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के अभियांत्रिकी, आई0टी0 उद्योगों में टेक्नोलॉजी के बढ़ते प्रयोग व इसके लाभ एवं भविष्य में आने वाले अवसर के बारे में विस्तृत जानकारीयां प्रदान की तथा कम्प्यूटर के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों को भी साझा किया। कार्यशाला में क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यशाला में **80** से अधिक छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

तृतीय खेती बाड़ी दिवस (12 फरवरी 2024)

यूसर्क द्वारा दिनाँक 12 फरवरी 2024 को तृतीय खेती बाड़ी दिवस (वसंत पंचमी) को सप्ताह के रूप में मनाते हुए पहला कार्यक्रम JB Institute of Technology के परिसर में प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर यूसर्क निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अनिता रावत ने कहा कि हमको अपनी जड़ों से जुड़ने की जरूरत है, पारंपरिक कृषि को विज्ञान से जोड़कर कार्य करने की जरूरत है। उत्तराखंड के कृषि उत्पादों को प्रमुखता देते हुए उनका value addition भी करना होगा। इस अवसर पर यूसर्क वैज्ञानिक डॉ भवतोष शर्मा ने "International Year of Millets and our Country" विषय पर संबोधित किया। तकनीकी सत्र में JBIT के कृषि विज्ञान एवं अन्य विषयों के विद्यार्थियों, प्राध्यापक, प्राचार्य, निदेशक सहित **200** से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे। तकनीकी सत्र के पश्चात सभी के द्वारा संस्थान में स्थापित किए गए Polyhouse एवं Field में चल रहे कृषि कार्यों, Mushroom Cultivation Unit, Biogas Plant, Dairy Unit, STP Unit, Vermicomposting Unit आदि का भ्रमण किया गया।

बसंत पंचमी के अवसर पर सीआईएमएस कॉलेज में तृतीय खेती बाड़ी दिवस(14 फरवरी 2024)

यूसर्क द्वारा विगत दो वर्षों से बसंत पंचमी को खेती–बाड़ी दिवस के रूप में भी मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को खेती–बाड़ी के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ना है। इसी क्रम में दिनांक 14 फरवरी 2024 को l h-v lbZ,e-,l - d ,y s में तृतीय खेती बाड़ी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रो. (डॉ.) जे.एम. एस. राणा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न देशों में अवस्थित विभिन्न शोध संस्थानों में किए गए कार्यों के आधार पर अपने शोध अनुभव एवं जीवन के अनुभवों को समस्त प्रतिभागियों के साथ साझा किया। कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत द्वारा बताया कि बसंत पंचमी के अवसर पर यूसर्क द्वारा विज्ञान को संस्कृति से जोड़ते हुये इसे खेती बाड़ी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष तृतीय खेती–बाड़ी दिवस प्रदेशभर में यूसर्क से संबंधित विभिन्न संस्थानों में आयोजित किया जा रहा है। यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. नौटियाल द्वारा विज्ञान को प्रकृति से जोड़ते हुये इसके संरक्षण का संदेश दिया।

Workshop on Science Activities for Children with special needs (CWSN) 15 Feb 2024)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) द्वारा लर्निंग ट्री स्कूल, स्पेक्स संस्था तथा नालंदा कॉलेज के सहयोग से दिनांक 15 फरवरी 2024 को दिव्यांग बच्चों को विज्ञान के प्रयोगों को रुचिपूर्ण तरीकों से कराने से लिए हैंड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यशाला का आयोजन नालंदा कॉलेज ऑफ एजुकेशन मियांवाला, देहरादून में किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षणार्थियों को स्वयं करके सीखे के आधार विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों को किट के रूप में प्रदान कर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए यूसर्क निदेशक प्रो. (डा.) अनीता रावत ने कहा कि यूसर्क की ओर से प्रदेश में स्तरीय विज्ञान शिक्षा के प्रसार के लिए कई कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में दिव्यांग छात्रों को समाज की मुख्यधारा में सम्मिलित करने एवं उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला हमारे भविष्य के शिक्षकों को सामान्य बच्चों के साथ ही दिव्यांग बच्चों के लिए विज्ञान शिक्षण किस प्रकार किया जा सकता है, को सिखाने में सफल होगी। उन्होंने यूसर्क द्वारा प्रदेश के छात्रों हेतु विज्ञान शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न प्रयासों के बारे में अवगत कराया। यूसर्क वैज्ञानिक डॉ. ओम प्रकाश नौटियाल द्वारा बताया कि समाज को बनाने, सुधारने एवं संवारने का सौभाग्यशाली कार्य नियत किया गया है। इसे उन्हें बड़ी निष्ठा, ईमानदारी व समर्पण भाव से करना होगा। मन के सच्चे एवं पवित्र आत्मा वाले हमारे दिव्यांग बच्चों में हमें एक विशिष्ट प्रतिभा की पहचान कर उनमें वैज्ञानिक अभिवृत्ति का विकाश कर उनको विज्ञान एवम प्रौद्योगिकी की सहायता से स्वाबलंबी बनाने के लिए प्रयास करने होंगे। लर्निंग ट्री विद्यालय की प्रधानाचार्य डा. शिवानी कोटनाला ने यूसर्क संस्था द्वारा दिव्यांग छात्रों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया। स्पेक्स संस्था के संस्थापक व सचिव डा. बृज मोहन शर्मा ने बताया कि लर्निंग दिव्यांग छात्र–छात्राओं को शिक्षण प्रदान करने के लिए विज्ञान के प्रयोगों को सिखाने वाली यह कार्यशाला मील का पत्थर सिद्ध होगा। कार्यशाला में स्मार्ट लैब के ई. सौरभ एवं राघव ने स्मार्ट लैब की आवश्यकता एवं महत्व से अवगत कराते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला में प्रशिक्षण ार्थियों को 'चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड' अर्थात दिव्यांग छात्रों को वैज्ञानिक क्रिया–कलापो के माध्यम शिक्षण एवं विषेश पठ्न सामग्री का निर्माण तथा विशेष शिक्षा सम्बन्धी गतिविधियों पर प्रशिक्षण व हैंड्स ऑन ट्रेनिंग प्रदान की गई।

प्रशिक्षण के अंतिम चरण में अधिगम सामग्री का उपयोग करके कार्यशाला में उपस्थित दिव्यांग छात्र– छात्राओं को शिक्षण कराया गया। अन्त में प्रतिभागियों ने समूह में अपने द्वारा किये गये कार्य का प्रर्दशन किया। विज्ञान प्रशिक्षण कार्यशाला में विभिन्न महाविद्यालयों व स्पेशल स्कूल्स के 40 से अधिक बीएड प्रशिक्षुओ, स्पेशल एजुकेटर व दिव्यांग छात्रों ने प्रतिभाग किया।

Faculty Development Programme (05-10 Feb, 2024)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क), देहरादून एवं **e n j g qM fo ' ofo| ky ;] : Mdh** के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 05–10 फरवरी 2024 तक 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी में शिक्षण और अनुसंधान की वर्तमान प्रवृत्तियां' विषय पर साप्ताहिक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम मदरहुड विश्वविद्यालय रूड़की में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक प्रोफेसर (डॉ0) अनीता रावत ने अपने संदेश में कहा कि इस FDP कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य शिक्षकों एवं शोधार्थियों को अनुसंधान एवं शिक्षण के क्षेत्र में नयी नयी विज्ञान एवं तकनीकी विधाओं से परिचित कराना है। अतिविशिष्ट अतिथि डॉ एल पी सिंह (Director General, National Council of Cement and Building Materials) ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम के द्वारा नवाचार संबंधी कार्यों को प्रमुखता से आगे बढ़ाया जा सकता है। मुख्य वक्ता पंतनगर एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर (डॉ0) एम जी एच जैदी डॉ अंजलि गोयल और डॉ मुकेश कुमार, गुरुकुल कॉगड़ी विश्व विद्यालय, डॉ रोहित कनोजिया (कोर यूनिवर्सिटी, रूड़की) डॉ आशीष रतूड़ी (डॉल्फिन संस्थान देहरादून), डॉ संजीव लांबा (गुरुकुल कागड़ी, हरिद्वार) आदि ने विशेषज्ञ व्याख्यान दिए। कार्यक्रम के समन्वयक डीन डॉ विकास गुप्ता ने समापन के अवसर पर कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में नये नये शोध के विषय में विभिन्न संस्थाओं से पधारे समस्त शिक्षक गणों के लिए यह साप्ताहिक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो० (डॉ) नरेंद्र शर्मा ने कहा कि आने वाला समय शोध और अनुसंधान का है। सभी शिक्षकों को इसके लिए अपने आप को परिपूर्ण करना होगा। कार्यक्रम में 10 से अधिक शिक्षण संस्थानों के **100** से अधिक प्रतिभागियों एवं देश के विभिन्न शिक्षण एवं शोध संस्थानों के प्राध्यापकों द्वारा विशेषज्ञ के रूप में इस साप्ताहिक कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।

Institutional Visit Program

IIP (Indian Institute of Petroleum) Mohkampur, Dehradun

Date: 12 May, 12 Dec 2023

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) द्वारा छात्र छात्राओं हेतु इंडियन इंस्टिटयूट ऑफ पेट्रोलियम (IIP) देहरादून में दिनांक 12 मई 2023 छात्र–छात्राओं को एक्स्पोजर विजिट करवायी गयी। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं को यूसर्क निदेशक प्रो0 (डॉ0) अनीता रावत के निर्देशन मे यूसर्क द्वारा राज्य भर में विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान से संबंधित किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में बताया। आई.आई.पी. की वैज्ञानिक एवं सीएसआईआर जिज्ञासा कार्यक्रम की समन्वयक डॉ0 आरती एवं डॉ0 उमेश कुमार द्वारा छात्र–छात्राओं को पेट्रोलियम पदार्थों के इतिहास एवं नवीनतम अनुसंधान से अवगत कराया तथा छात्र–छात्राओं को बॉयो फ्यूल, मेडिकल ऑक्सीजन, वेस्ट प्लास्टिक से ईंधन का निर्माण पीएनजी बैनर उन्नत बायोगैस प्लांट एवं अपशिष्ट खाद्य तेल से जैव ईंधन निर्माण के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। आई.आई.पी. की जिज्ञासा टीम द्वारा विद्यार्थियों को जिनोमिक लैब, बायोकेमिस्ट्री लैब, डिस्टिलेशन लैब मे क्रूड ऑयल से पेट्रोल, डीजल, मीथेन एवं अन्य गैसों को किस प्रकार से परिष्कृत किया जाता है के बारे मे विस्तृत जानकारिया प्रदान की गई। यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ राजेंद्र सिंह राणा द्वारा भविष्य में आई.आई.पी. तथा यूसर्क के संयुक्त तत्वाधान में विज्ञान एवं अनुसंधान से संबंधित कार्यक्रमों को आयोजित करने बात कही। उक्त कार्यक्रम में राजकीय इंटर कॉलेज भिमावाला विकास नगर, राजकीय इंटर कॉलेज खदरी श्यामपुर राजकीय इंटर कॉलेज मालदेवता, घनानंद राजकीय इंटर कॉलेज मसूरी एवं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अजबपुर के 50 छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। राजकीय इंटर कॉलेज बरोवाला जोलीग्रांट, संजय पब्लिक इंटर कॉलेज कारबारी, राजकीय इंटर कॉलेज खदरी खडक माफ डोईवाला, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज ढालवाला, बोकसा जनजाति कृषक इंटर कॉलेज शीशमबारा के 60 छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

CIPET (Central Institute of Plastics Engineering and Technology) Doiwala, Dehradun

Date: 13 Oct 2023

यूसर्क द्वारा विभिन्न संस्थानों में छात्र–छात्राओं के भ्रमण एक्सपोजर प्रदान करने हेतु दिनांक 13 अक्टूबर 2023 को CIPET, डोईवाला में छात्र–छात्राओं हेतु Exposure visit का आयोजन किया गया, जिसमें राजकीय इंटर कॉलेज तपोवन, राजकीय इंटर कॉलेज गढ़ी श्यामपुर, राजकीय इंटर कॉलेज बड़वाला जॉली ग्रांट, एसजीआरआर इंटर कॉलेज पटेल नगर के छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों सहित 50 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। छात्र–छात्राओं ने प्लास्टिक एवं पेट्रोकेमिकल के क्षेत्र में आधुनिक शोध तकनीकी एवं उपकरणों की विस्तृत जानकारियां प्राप्त की।

यूसर्क की अभिनव पहल

- **Experiential learning**
  Hands-on-Training Programmes (One week)
- **Digital Learning**
- **USERC- Entrepreneurship Development Centres**

Hands-on Training Programmes
(One Week)

प्रदेश में केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित शोध संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में विभिन्न वैज्ञानिक उपकरण, संसाधन एवं विशिष्ट वैज्ञानिक उपलब्ध हैं। यूसर्क का यह प्रयास है कि प्रदेश के शोधार्थियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को इन संस्थानों के साथ सहयोगात्मक रूप से विभिन्न संसाधनों को उपलब्ध कराये जायें। इन प्रशिक्षण कार्यों के माध्यम से जहां एक ओर छात्रों में क्षमता निर्माण होगी वहीं उनमें नवाचार का संचार होगा एवं उद्यमिता हेतु अनुकूल वातावरण विकसित होगा। इसी विचार से प्रयोगात्मक ज्ञान प्रदान करने हेतु One week Hands-on training (Certificate programme) का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रदेश के सभी जनपदों के उच्च शिक्षण संस्थानों के UG/PG/Researchers/Teachers द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। यूसर्क का उद्देश्य यह है कि इन संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों की पहुंच राज्य में समस्त शोधार्थियों, प्रध्यापकों, एवं विद्यार्थियों तक हो सके एवं इसका अधिकाधिक लाभ प्राप्त हो, जिसके मध्य नजर यूसर्क द्वारा राज्य में नवाचार विकसित करने एवं उद्यमिता आधारित अनुकूल वातावरण हेतु One week Hands on Training Programme का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में अन्य प्रदेशों के शोध संस्थानों से समन्वय कर उनके संसाधनों का लाभ भी प्रदेश के छात्रों को उपलब्ध करवाया जा रहा है। इन प्रशिक्षणों में दूरस्थ महाविद्यालयों कि छात्राओं की अधिक भागीदारी विज्ञान विषयों में उनकी विकसित रूचि को प्रदर्शित करती है।

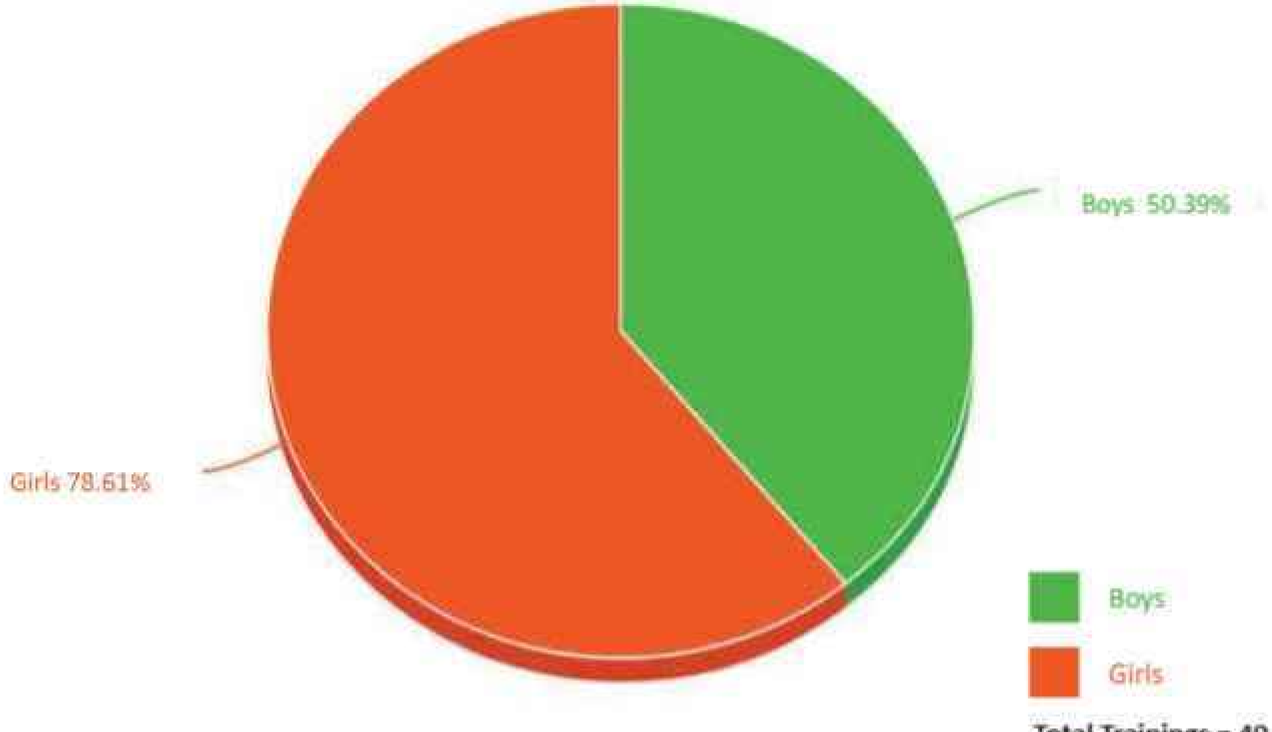

Total Trainings = 40

Spectroscopic Techniques and Material Structures (15 -21 June 2023)

यूसर्क द्वारा सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "Hands on Training in Spectroscopic Techniques and Material Structures" का आयोजन डॉलफिन संस्थान, देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत द्वारा शिक्षकों में एक्सपीरियन्स लर्निंग एबिलिटी को बढ़ाने, उपलब्ध शोध संसाधनों को प्रयोगात्मक माध्यम से सभी को सुलभ बनाना, रीओरियेंट लर्निंग के साथ–साथ इन्क्लूसिव एण्ड क्वालिटी एजूकेशन को बढ़ाना तथा सतत् विकास लक्ष्य 4 (SDG 4) के अनुरूप सभी के लिये सीखने के अवसर उपलब्ध कराये जाने के उद्‌देश्य के साथ उक्त साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यकम को शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिये लाभकारी बताया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यूनिवर्सिटी ऑफ पैट्रोलियम इनर्जी स्टडीज के चांसलर प्रोफेसर सुनील राय ने यूर्सक द्वारा अभिनव प्रयास के रूप मे इन्स्ट्रूमेन्टेशन पर हैन्ड्स ऑन ट्रेनिंग को समय की मांग बताया जिससे प्रतिभागी इस क्षेत्र की उन्नत तकनीकों के सिद्धान्त व व्यवहार में कुशलता प्राप्त करने में सक्षम होंगें। डॉल्फिन (पी0जी0) इन्स्टिट्यूट की प्रोफेसर वर्षा पर्चा ने बेसिक स्पैक्ट्रल टैक्नीक्स , यू0वी0 और एच0पी0एल0सी0 उपकरणों के विषय में वैज्ञानिक सिद्धान्त एवम् क्रियाकलापों के सम्बन्ध में व्याख्यान व प्रशिक्षण दिया। यूसर्क वैज्ञानिक डॉ0 ओ0पी0 नौटियाल, वैज्ञानिक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्राथमिकता, आवश्यकता एवं उद्‌देश्यों पर चर्चा की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षकों एवं शोधार्थियों को एच0पी0एल0सी0, इन्फ्रारैड स्पैक्ट्रोस्कोपी, अल्ट्रवाइलेट स्पैक्ट्रोस्कोपी, कन्डक्टोमीटर, गैस क्रोमेटोग्राफी आदि उपकरणों की हैण्डस ऑन ट्रेनिंग प्रदान की गई तथा M,y fQu l &Fkku] ou vuq akku l &Fkku] ,l 0t h0v kj0v kj0 fo'ofo| ky; ,oa ;fuofl Zh v ,Q i s\kfy ;e ,.M ,ut hZLVMht (UPES) संस्थानों का भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम के उन्होनें यूर्सक विज्ञान चेतना केन्द्रों को संस्थान अपना सहयोग करेगा और इसके लिये विस्तृत कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जायेगी। कार्यकम में कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों सहित विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों सहित कुल 100 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Environmental Technology (10-15 July, 2023)

दिनांक 10–15 जुलाई 2023 तक साप्ताहिक Environmental Technology Training Program का आयोजन यूसर्क सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत द्वारा समस्त प्रतिभागियों को अवगत कराया गया कि यूसर्क द्वारा राज्य के उच्च शिक्षा में अध्यनरत विद्यार्थियों के लिये समय–समय पर प्रयोगात्मक दक्षता एवं कौशल विकास में वृद्धि हेतु विभिन्न हैण्ड्स ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का निरन्तर आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही पर्यावरण से जुड़े ज्ञान को प्रभावी रूप से शिक्षण संस्थानों में प्रसारित करने की आवश्यकता है, जिसमें प्रशिक्षित युवा कौशल विकास के साथ अपना करियर भी बना सकते है। यूसर्क की वैज्ञानिक डा0 मन्जू सुन्दरियाल द्वारा 'एक संतुलित पर्यावरण का पारिस्थितिकी तंत्र और उसके घटकों के परस्पर आपसी संबंध एवं क्रिया प्रणाली' विषय पर व्याख्यान दिया। यूसर्क वैज्ञानिक डा0 भवतोष शर्मा द्वारा प्रदेश के जल संसाधन एवं भारतीय मानक ब्यूरो के अनुसार जल नमूनो के एकत्रीकरण एवं जल गुणवत्ता विशलेषण के प्रोटोकल से जुड़ी जानकारी प्रदान करते हुये विद्यार्थियों को प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के स्टैंडर्ड सल्यूशन बनाने एवं उनकी बारीकियों से अवगत कराया। यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल ने विभिन्न शिक्षण संस्थानो के विद्यार्थियों को यूसर्क द्वारा स्थापित स्टैम लैब व विज्ञान चेतना के माध्यम से विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धान्तों के प्रयोगात्मक ज्ञान का अधिकारिक लाभ प्राप्त करने हेतु कहा गया। साप्ताहिक कार्यकम में उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के 15 प्रतिभागियों द्वारा **Hkkjrh; i;kZoj.k losZ{k.k rFkk Hkkjrh; ouLifr losZ{k.k** देहरादून की प्रयोगशालाओं की एक्सपोजर विजिट व विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किये गये। कार्यक्रम के समापन कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

Entrepreneurship Development Programme on Apiculture (Bee-Keeping) 19-23 Sep, 2023

दिनांक 19 सितम्बर 2023 को यूसर्क द्वारा **xkfQd ,jk ioZrh; fo'ofo|ky;] ngjknw ,oa [kknh xzkeks|ksx foHkkx] ngjknw** के संयुक्त तत्वाधान में उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत मौन पालन (Apiculture) विषय पर साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यकम का शुभारंभ पं0 नैन सिंह सभागार भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में किया गया। यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत द्वारा कहा गया कि राज्य में उपलब्ध शोध संसाधनों को प्रयोगात्मक माध्यम से सभी को सुलभ बनाने, एक्सपिरियन्स लर्निंग के साथ–साथ इन्क्लूसिव एण्ड क्वालिटी एजूकेशन को बढ़ाने के उद्देश्य के साथ यूसर्क
द्वारा विभिन्न थीम आधारित हैण्डस ऑन प्रशिक्षण कायक्रमों को लगातार सम्पादित किया जा रहा है। ग्राफिक ऐरा पर्वतीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंस के डीन डा0 एम0के0 नौटियाल द्वारा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बहुत महत्वपूर्ण प्रयास बताया। खादी ग्रामोद्योग विभाग, देहरादून के वरिष्ठ अधिकारी श्री ओ0पी0 उपाध्याय द्वारा मौन पालन एवं अन्य सम्बन्धित स्वरोजगार सम्बन्धी विभिन्न प्रशिक्षण कायक्रम एवं योजनाओं की जानकारी प्रदान की,जिससे राज्य के विद्यार्थी उद्यमिता प्रशिक्षण के पश्चात आत्मनिर्भर बन रहे है। यूसर्क की वैज्ञानिक डा0 मन्जू सुन्दरियाल ने मौन पालन प्रशिक्षण के द्वारा पहाड़ में युवाओं के पलायन की समस्या को नियंत्रित किये जाने में सहायक बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डा0 दीपक खोलिया, डा0 गौरव शर्मा, श्री दीपक घिल्डियाल, शुभम राणा, के द्वारा मधुमक्खी पालन: आवश्यकता एवं विधियों, मौन पालन प्रबंधन, उत्पादवर्धन, हनी प्रसंस्करण, आवश्यक सावधानियां विषय पर व्याख्यान एवं हैंडस ऑन प्रशिक्षण प्रदान किये गये।
प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखण्ड राज्य के 12 शिक्षण संस्थानों यथा– पं0 एल0एम0एस0 कॉलेज, ऋषिकेश, हे0न0ब0 विश्वविद्यालय, श्रीनगर, डी0ए0वी0 (पी.जी.) कॉलेज देहरादून, एस0डी0एम0 (पी.जी.) कॉलेज डोईवाला, देहरादून, डॉलफिन संस्थान, देहरादून, तुलाज संस्थान, देहरादून, दून पी0जी0 कॉलेज, बी0जी0आर0 कैम्पस पौड़ी, जी0पी0जी0सी0 थलीसैंण, पौड़ी, सी0आई0एम0एस0, देहरादून, उत्तरांचल विश्वविद्यालय एवं ग्राफिक ऐरा हिल विश्वविद्यालय के 35 विद्यार्थियों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त गया। कार्यक्रम के समापन के उपरान्त समस्त प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। कार्यकम में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों व अधिकारियों सहित कुल 50 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Material Diagnostics and Analytical Techniques (05-11 Oct 2023)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), देहरादून द्वारा दिनांक **05 vDVwj 2023** को **MkWfQu ib~h bULVhV~;wV vkWQ ckW;ksfMd y lkbal] nsgjknw** के संयुक्त तत्वाधान में Hands on Training in **"Material Diagnostics and Analytical Techniques"** विषय पर साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम पं0 नैन सिंह सभागार भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में प्रारम्भ किया गया। यूसर्क की **funs'kd çks0 ¼Mk0½ vuhrk jkor** द्वारा बताया कि यूसर्क विगत दो वर्षों से छात्रों को विभिन्न विषयों में अत्याधुनिक अनुसंधान, शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान कर विद्यार्थियों में Experiential Learning के माध्यम से कौशल विकास सम्बन्धी प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इस दिशा में यूसर्क द्वारा विभिन्न वैज्ञानिक एवं शिक्षण संस्थाओं के सहयोग से Research Based Learning पर विशेष फोकस करते हुये हैण्डस ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन प्रदेश के समस्त जनपदों में अध्यनरत विद्यार्थियों के लिये निरन्तर कराया जा रहा है। इसी विचारधारा के उद्देश्य से प्रदेश में उच्च शिक्षण संस्थाओं में विज्ञान विषयों के स्नातकोत्तर व शोध छात्रों हेतु "Material Diagnostics and Analytical Techniques" विषय पर साप्ताहिक हैण्डस ऑन प्रशिक्षण कार्यकम का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यकम के मुख्य अतिथि **Hkkjrh; isVªksfy;e laLFkku] nsgjknw ds funs'kd Mk0 gjsUnz flag fc'V** ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण छात्रों में प्रयोगात्मक दक्षता में वृद्धि करते है, जो विद्यार्थियों को अध्ययन एवं शोध कार्यो में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ–साथ प्रयोगात्मक ज्ञान बहुत आवश्यक होता है, जिसमें विद्यार्थियों को अधिक से अधिक सीखने को मिलता है। विशिष्ट अतिथि इं0 दीपक कुमार, सुप्रिन्टेंडिग सर्वेयर, जियोडिक एंड रिसर्च ब्रांच, सर्वे ऑफ इडिया द्वारा ने कहा कि यूसर्क का यह प्रयास छात्रों को तकनीकी रूप से सक्षम बनायेगा एवं उनको नई–नई विज्ञान की विधाओं से परिचित करायेगा, जिससे उनमें प्रयोगात्मक ज्ञान के साथ–साथ आत्मविश्वास में वृद्वि होगी।

कार्यकम में डॉलफिन संस्थान की वैज्ञानिक प्रो0 वर्षा पार्चा ने "Analytical Techniques: An Overview" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान किया। कार्यकम में यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल ने सम्पूर्ण प्रशिक्षण कार्यकम की रूपरेखा से अवगत कराते हुये कहा कि यूसर्क द्वारा आगामी सात दिवसों में वाडिया संस्थान, डॉलफिन संस्थान, एस.जी.आर.आर. विश्वविद्यालय तथा पैट्रोलियम विश्वविद्यालय में विभिन्न उन्नत उपकरणों पर प्रतिभागी हैण्डस ऑन के माध्यम से स्वयं करके प्रयोगिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। कार्यकम का समापन यूसर्क परिसर में किया गया। कार्यकम के उपरान्त यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत ने समस्त प्रशिक्षाणार्थियों को द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किये। कार्यकम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों के शिक्षण संस्थाओं से आये कुल 45 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों सहित 60 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

Biomedical Techniques (30 Oct- 05 Nov 2023)

यूसर्क द्वारा , El _ f'kdšk ,oai ft y0ek0 "kekZ Jhnso lqu fo'ofo|ky; ifjlj _ f'kd'k के साथ सहयोगात्मक रूप से "Hands-on Training on Biomedical Techniques" विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 जगमोहन सिंह राणा ने प्रतिभागियों के सम्मुख देश एवं विदेश की विभिन्न प्रयोगशालाओं एवं सामान्य घटनाओं पर आधारित अपने अनुभव साझा किये। यूसर्क निदेशक प्रो0 (डॉ0) अनीता रावत द्वारा सभी प्रतिभागियों से यूसर्क के कार्यक्रमों से लाभान्वित होने का आवाहन किया। यूसर्क वैज्ञानिक डॉ0 ओमप्रकाश नौटियाल द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम में माइक्रोबायोलॉजिकल तकनीकी, बायोकेमिकल तकनीकी, तथा पैथोलॉजिकल तकनीकी पंडित ललित मोहन परिसर में तथा अन्य तीन दिन एम्स ऋषिकेश में एडवांस तकनीकी जैसे पीसीआर, इलेक्ट्रोफॉरेसिस, गंगा जल से बैक्टीरियोफेज का आइसोलेशन, एलाइजा, न्यूबॉर्न स्क्रीनिंग तकनीकी पर एम्स ऋषिकेश में काम किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं यथा–एस.जी.आर.आर., पी.जी. कॉलेज, देहरादून, सरदार भगवान सिंह विश्वविद्यालय, कोर विश्वविद्यालय, रूड़की, एस.जी.आर.आर विश्वविद्यालय, उत्तरांचल विश्वविद्यालय, देहरादून, राजकीय महाविद्यालय, श्यालदेय, अल्मोडा, पं0 ल0मो0 शर्मा, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय, ए.पी.बी. राजकीय महाविद्यालय, अगस्त्मुनी, जी0बी0 पंत विश्वविद्यालय के 34 प्रशिक्षणर्थियों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया जा रहा है। कार्यक्रम के समापन दिवस पर सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किये गए।

Environmental Technology (11 -15 Dec 2023)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा अनुसंधान केंद्र देहरादून (यूसर्क) द्वारा Hkkjrh; e`nk ,oa t y l j{k.k l aLFkku (भारतीय कृषि एवं अनुसंधान परिषद, भारत सरकार) के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 11 दिसंबर को आईसीएआर के सभागार में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर यूसर्क की निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अनीता रावत द्वारा बताया गया कि पर्यावरण विषय पर प्रशिक्षित युवा अपने कौशल विकास के साथ अपने करियर को अच्छा बनाने के साथ ही साथ पर्यावरण के संरक्षण के लिए भी कार्य कर सकते हैं। इस सम्बन्ध में उन्होंने कहा कि कौशल एवं गुणों के नये आयामों को पहचाना जाए साथ ही साथ लर्निंग के प्रत्येक स्तर पर प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों तक की अहम भूमिका हो।

यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ भवतोष शर्मा ने इस प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुये हैंडस ऑन ट्रेनिंग के अन्तर्गत प्रयोगशाला में विभिन्न केमिकल एनालिसिस प्रयोगों हेतु स्टैंडर्ड सोल्यूशन बनाना, सावधानियां एवं विभिन्न अनुमापन करना सिखाया।

कार्यक्रम के मुख्य vfrfFk Hkkjrh; e`nk ,oa t y l j{k.k l aLFkku d s funs'kd M, , e- e`eq द्वारा युवाओं को स्किल्स में सुधार की आवश्यकता बताया। आईसीएआर देहरादून के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ चरण सिंह द्वारा भारत में हो रहे मृदा अपरदन के विषय पर व्याख्यान दिया। संस्थान की वैज्ञानिक डॉ रमा पाल ने संस्थान द्वारा घरेलू अपशिष्ट जल को फायटोरिमिडीएशन द्वारा शुद्ध किए जा रहे प्लांट पर ले जाकर बताया एवं व्याख्यान दिया ।

वैज्ञानिक डॉ ओम प्रकाश नौटियाल ने यूसर्क की वैज्ञानिक गतिविधियों पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भारतीय सुदूर सम्वेदन संस्थान (आई आई आर एस) देहरादून के सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ के के दास ने 'जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी फॉर एनवायरनमेंटल हजार्ड एंड डिजास्टर मैनेजमेंट' विषय पर व्याख्यान देते हुए पर्यावरण विज्ञान में रिमोट सेंसिंग और जी आई एस का उपयोग विस्तार से बताया। प्रश्नोत्तर सत्र में सभी के प्रश्नों का समाधान भी किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 26 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में कुल 40 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Skill Development on Apiculture (12 - 16 Dec 2023)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), देहरादून द्वारा दिनांक 12 जनवरी 2024 को **Hkkjrh; enk ,oat y lj{k.k laLFkku ,oa[kknh xzkeks|ksx foHkkx] ngjknw** के संयुक्त तत्वाधान उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत मौन पालन (Apiculture) विषय पर साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ भकृअनुप–भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान सभागार, देहरादून में किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत ने अपने सम्बोधन में कहा कि यूसर्क द्वारा सतत् विकास के लक्ष्य को अपनाते हुये उद्यमिता विकास कार्यक्रम के विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत निरन्तर किया जा रहा है। प्रशिक्षार्थियों को **[kknh xzkeks|ksx foHkkx] ngjknw dsfuns'kd Mk0 lath jkW** द्वारा भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी, जिसका लाभ लघु उद्यम स्थापित करने में किया जा सकता है।

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, संस्थान देहरादून के प्रभारी डा0 गौरव शर्मा के द्वारा मधुमक्खियों की भूमिका को जैवविविधता हेतु महत्वपूर्ण बताया। तकनीकि सत्र में विषय विशेषज्ञों के द्वारा मधुमक्खियों की विभिन्न प्रजातियों की जानकारी मधुमक्खियों पालन में प्रयुक्त आवश्यक सामग्री का प्रदर्शन करके हैन्डस ऑन ट्रेनिग प्रदान करी गई, इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को भारतीय जन्तु विज्ञान संस्थान में भ्रमण कराया गया जहॉ पर उन्हे विभिन्न जन्तु प्रजातियों के अवलोकन हेतु उत्पादनवर्धक एवं म्यूजियम भ्रमण एवं वैश्विक जैव विविधता के बारे में बताया गया। मधुमक्खी पालन के उद्यम के प्रयोगिक ज्ञानवर्धन हेतु बालावाला में बी रेडी हार्वेस्टर हनी नाम से स्थापित प्रसंस्करण इकाई में प्रतिभागियों का फील्ड विजिट कराया गया एवं हैंस्डस ऑन ट्रेनिग प्रदान की गई, प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों के अनुभव एवं ज्ञान के मूल्यांकन हेतु एक संक्षिप्त क्विज भी किया गया, समस्त प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई. अंत में समस्त प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रशिक्षण का समापन किया गया। कार्यक्रम में 08 शिक्षण संस्थानों रा0मा0वि0 सतपुली, रा0मा0वि0 उत्तरकाशी, एच0एन0बी0 गढ़वाल वि0वि टिहरी कैम्पस, रा0मा0 वि0 थत्यूण, श्री गुरूराम राय वि0वि0 देहरादून, कोर, रूड़की डालफिन पी0 जी0 संस्थान देहरादून के कुल **32** प्रशिक्षणार्थियों एवं अन्य संस्थानों के वैज्ञानिक सहित कुल **50** प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Skill Development on Fundamentals of Molecular Biology
(29 Jan - 02 Feb, 2024)

दिनांक 29 जनवरी से 02 फरवरी 2024 तक **CSIR IMTECH** चण्डीगढ़ के परिसर में स्थित Merck High and Skill Development Centre में उत्तराखण्ड राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के लिये पांच दिवसीय "Hands on Training Program for Skill Development on Fundamentals of Molecular Biology" विषय पर छात्र–छात्राओं हेतु हैण्डस ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। **; w d Zd h fun's kd ç k0 ¼M0½ v uhr k jkor** द्वारा उक्त हैण्डस ऑन प्रशिक्षण को मौलिक्यूलर बायोलॉजी (आणविक जीव विज्ञान) विषय से सम्बन्धित मूलभूत वैज्ञानिक जानकारी के साथ–साथ इस दिशा में प्रयोगशालाओं में किये जा रहे प्रयोगात्मक शोध एवं अनुसंधान हेतु महत्वपूर्ण बताया, जिसमें प्रदेश से बाहर अवस्थित संस्थानों के साथ प्रशिक्षण ों की श्रृंखला में यह प्रथम कार्य है जिसे अन्य संस्थानों के साथ भी इसी प्रकार अन्य वैज्ञानिक विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किये जायेंगे। कार्यक्रम में **CSIR IMTECH fu n' kd] Mk0 l a h o [kk y k** द्वारा इमटैक संस्थान में उत्तराखण्ड से आये सभी 25 प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न जैव विज्ञानी प्रयोगशालाओं में आणविक जीव विज्ञान सम्बन्धी विभिन्न कार्यों, वैज्ञानिक उपकरण ों आदि को सीखने का अवसर प्राप्त होगा।

i fl) Hkkfr d 'kkL=h i k0 t 0, c 0, l 0 j k.kk ने कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों से अपने शोध जीवन के विभिन्न विश्वस्तरीय भारत के साथ ही जर्मन, जापान, फ्रांस, अमेरिका सहित विभिन्न देशों में अवस्थित शोध संस्थानों एवं प्रयोगशालाओं के अनुभव साझा किये। सी0एस0आइ0आर0 इमटैक के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अंकुर गौतम द्वारा इस पांच दिवसीय हैण्डस ऑन ट्रेनिंग की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। डा0 गौतम एवं उनकी रिसर्च टीम ने Genomic DNA Extraction विषय पर व्याख्यान तथा हैण्डस ऑन ट्रेनिंग प्रदान की तथा सम्बन्धित शोध प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया।

समापन अवसर पर यूसर्क की निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अनीता रावत द्वारा बताया कि Skill Development निश्चित रूप से उत्तराखंड के छात्र–छात्राओं को Innovations की दिशा में प्रेरणादायक होगा। उन्होंने ने कहा कि यूसर्क द्वारा समावेशी विकास (Inclusive Development) की प्रक्रिया को अपनाया गया है जहां विद्यार्थियों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की नवीनतम विधाओं को सीखने के अवसर न केवल उत्तराखंड राज्य में अवस्थित विभिन्न राष्ट्रीय शोध संस्थानों के माध्यम से बल्कि राज्य के बाहर स्थित राष्ट्रीय स्तर के शोध संस्थानों के सहयोग से निरंतर प्रदान किए जा रहे हैं। इस साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों के 25 प्रशिक्षणार्थियों को Molecular Biology के अंतर्गत Genomic DNA Extraction, Quantitative Polymerase Chain reaction, Protein Extraction, and separation by SDS-PAGE आदि को प्रयोगशालाओं में सीखने का अवसर प्राप्त हुआ। सभी प्रशिक्षणार्थियों को IMTECH-CSIR स्थित 3-D Protein Structure Laboratory, MTTC (Microbial Type Culture Collection and Gene Bank), Incubation facility Centre for Biopharmaceuticals आदि प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया तथा इन प्रयोगशालाओं में किये जा रहे कार्यों के बारे में बताया। यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत ने प्रशिक्षण प्राप्त 25 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये। सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी, हल्द्वानी, टिहरी, देहरादून, ऋषिकेश के उच्च शिक्षण संस्थानों से आये कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों एवं इमटेक एवं मर्क के वैज्ञानिकों सहित कुल 50 से अधिक प्रतिभागियों एवं विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Animal Taxonomy (19 -23 February 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा भारतीय प्राणी सर्वेक्षण संस्थान, (भारत सरकार) के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 19 से 23 फरवरी 2024 तक साप्ताहिक प्रशिक्षण 'Animal Taxonomy' विषय पर हैण्डस ऑन ट्रेनिंग का प्रारंभ भारतीय प्राणी सर्वेक्षण संस्थान के सभागार में किया गया। यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत द्वारा कहा गया कि यूसर्क द्वारा विद्यार्थियों में कौशल विकास में वृद्धि करने हेतु ''एनीमल टैक्सोनोमी' विषयक प्रशिक्षण द्वारा हमारे छात्र–छात्राओं को जन्तुओं के व्यवस्थित ढंग से अध्ययन में सहायता प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि यूसर्क द्वारा राज्य के बाहर के संस्थानों के सहयोग से भी उत्तराखण्ड राज्य के विद्यार्थियों को साप्ताहिक प्रशिक्षणों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यक्रम उत्तराखण्ड शासन के कार्यकम कार्यान्वयन विभाग के सचिव श्री दीपक कुमार द्वारा कहा कि सरकार द्वारा विद्यार्थियों, ग्रामीणों एवं आम जनमानस हेतु विभिन्न प्रकार की योजनायें संचालित की जा रही हैं जिसका लाभ आमजन तक पहुंचना चाहिये।

जूलोजीकल सर्वे ऑफ इंडिया के विभागाध्यक्ष डा0 गौरव शर्मा द्वारा तकनीकी सत्र में संस्थान द्वारा जन्तुओं की विलुप्त होती जा रही प्रजातियों एवं वर्तमान में मौजूद प्रजातियों से सम्बन्धित वर्गीकृत डाटा के संरक्षण एवं एकत्रीकरण के बारे में बताते हुय 'States of Faunal Diversity in India' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

डी0आर0डी0ओ0 तेजपुर के पूर्व निदेशक डा0 विजयवीर द्वारा 'An Over view on Animal Taxonomy and Opportunities for Researcher in this Field' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। इसके अतिरिक्त Ecological Monitoring- Role of Animal Taxonomist, Herpetofauna: Taxonomy and DNA Barcode, DNA Molecular Systematic Laboratory, Taxonomic studies and status of Mammals in the World विषय पर हैण्डस ऑन ट्रेनिंग प्रदान की गई तथा वेटलैण्ड ईको सिस्टम (आसन बैराज) का भ्रमण कराया गया।

यूसर्क की वैज्ञानिक डा0 मन्जू सुन्दरियाल द्वारा जैवविविधता के संरक्षण में एनीमल टैक्सोनोमी का अध्ययन महत्वपूर्ण होगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न स्थानों के विश्वविद्यालयों – थलीसैंण, सतपुली, श्रीनगर, उत्तरकाशी, रूड़की एवं देहरादून के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 100 छात्र–छात्राओं द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

समापन कार्यक्रम में निदेशक महोदया द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 100 छात्र–छात्राओं से फीड बैक प्राप्त कर उन्हें इस साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

यूसर्क द्वारा तकनीकी ज्ञान साझा करने के उद्देश्य से Digital learning Platform को स्थापित किया गया है, जिसके अन्तर्गत छात्रों हेतु ICT Orientation Programme एवं Online व्याख्यानों का प्रतिमाह संचालन किया जा रहा है, जिसमें राज्य के सीमान्त भागों तक के छात्र छात्राओं तक विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार संबंधी वैज्ञानिक गतिविधियों को तकनीकी के प्रयोग से पहुंचाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विशेषज्ञों द्वारा छात्र–छात्राओं को प्रौद्योगिकी की विभिन्न विषयों पर नवीन जानकारियां प्रदान की जा रही है। अद्यतन इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 06 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर **450** छात्र–छात्राओं को लाभान्वित किया गया है।

Digital Learning Platform

ICT- Orientation programme (11-19 May, 2023)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), देहरादून द्वारा दिनांक 11 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर **jk d h; b.Vj d kWs][kujh[kMx ekQ**, जनपद देहरादून में यूसर्क द्वारा स्थापित STEM Lab का उद्घाटन एवं सात दिवसीय 'ICT- Orientation programme' का शुभारंभ यूसर्क की निदेशक प्रो० (डा०) अनीता रावत द्वारा किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक द्वारा यूसर्क के उद्देश्य के अनुरूप यूसर्क द्वारा किये जा रहे छात्र–छात्राओं में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अनुसंधान के प्रति अभिरूचि विकसित करने हेतु विभिन्न वैज्ञानिक कार्यकमों पर प्रकाश डाला, उन्होने कहा कि Stem Labs में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग तथा गणित विषय से सम्बन्धित विभिन्न उपकरणों एवं मॉडलों को स्थापित किया गया है। इन स्टैम प्रयोगशालाओं के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धान्तों को प्रयोगात्मक रूप से सीख सकेंगे तथा उनकी वैज्ञानिक जिज्ञासाओं का समाधान हो सकेगा। प्रो० रावत ने कहा कि वर्तमान समय में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के महत्व को देखते हुये यूसर्क द्वारा सात दिवसीय ICT- Orientation programme भी आज राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रारंभ किया गया है, जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न सूचना, संचार एवं प्रौद्योगिकी के विषय में यूसर्क की ICT टीम द्वारा प्रयोगात्मक कार्य द्वारा नवीनतम जानकारी उपलब्ध करायी जायेगी।

यूसर्क की ICT टीम के विशेषज्ञों द्वारा उपस्थित छात्र–छात्राओं को Basics of Internet and World Wide Web के साथ ही Computer Programming जैसे (Machine language, Assembly Language, High level language and Programming Basics) के बारे में विस्तार से बताया तथा Web technologie पर 40 छात्र–छात्राओं को हैण्डस ऑन ट्रेनिंग प्रदान की गयी। सात दिवसीय ICT- Orientation programme के समापन कार्यकम में ' मुख्य वक्ता के रूप में सब इंस्पेक्टर श्री राजेश कुमार ने साइबर सुरक्षा' विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने साइबर धोखाधड़ी करने के तौर तरीके, हैकिंग आदि विषयों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए इनसे बचने के उपाय, सावधानियां, ऑनलाइन हैल्प आदि के बारे में जागरूक हेतु विभिन्न जानकारियां प्रदान की।

ICT- Orientation programme :

दिनांक: 04-10 अगस्त 2023

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) देहरादून द्वारा एक सप्ताह का आईसीटी ओरिएंटेशन का ऑनलाइन कार्यक्रम यूसर्क सभागार में किया गया। यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डॉ) अनीता रावत ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि यूसर्क द्वारा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिरुचि, नवाचार आदि को बढ़ाने के उद्देश्य के साथ एक सप्ताह का आईसीटी विषय पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें उन्हें आईसीटी के आधारभूत ज्ञान के साथ–साथ वर्तमान आधुनिक टेक्नोलॉजी को भी विशेषज्ञों के द्वारा सिखाया जाएगा। प्रोफेसर रावत ने कहा कि विज्ञान के सिद्धांतों को सीखने के लिए 'Do it yourself' के आधार पर हैंड्स ऑन प्रशिक्षण किया जा रहा है जिसमें विशेषज्ञों के द्वारा सिखाया गए ज्ञान को विद्यार्थी स्वयं करके समझेंगे और सीखेंगे।

कार्यक्रम में यूसर्क के आईसीटी विशेषज्ञ श्री उमेश जोशी ने कंप्यूटर के प्रारंभिक इतिहास से लेकर आज के युग के आधुनिक कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, एंड्रॉयड फोन के विकास, उनके हार्डवेयर, कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। श्री जोशी ने इंटरनेट के शुरू के युग से वर्तमान तक की विकास यात्रा के बारे में बताया। उन्होंने इंटरनेट के सुरक्षित रूप से प्रयोग करने की तकनीकी जानकारी प्रदान की। साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में स्थापित यूसर्क के विज्ञान चेतना केंद्रों के यथा– राजकीय इन्टर कालेज, हर्षिल, उत्तरकाशी, राजकीय इन्टर कालेज, सिद्वखाल पौड़ी, राजकीय इन्टर कालेज नागराजाधार टिहरी, राजकीय इन्टर कालेज बटुलिया अल्मोड़ा, राजकीय इन्टर कालेज, जसकोट, अल्मोड़ा, राजकीय इन्टर कालेज, मालदेवता देहरादून, राजकीय इन्टर कालेज, हर्रावाला देहरादून, राजकीय इन्टर कालेज राईआगर, बागेश्वर, राजकीय इन्टर कालेज, भीमावाला, देहरादून, राजकीय इन्टर कालेज, तोलीसैन मुखेम टिहरी राजकीय इन्टर कालेज, द्वारीखाल पौड़ी, राजकीय इन्टर कालेज, खदरी श्यामपुर ऋषिकेश एवं राजकीय इन्टर कालेज, भोगपुर के 300 से अधिक छात्र छात्राएं एवं शिक्षकों ने अपने विद्यालयों के माध्यम से सामूहिक रूप से प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विभिन्न विज्ञान चेतना केंद्रों के प्रभारी शिक्षक उपस्थित थे।

ICT- Orientation programme

दिनांकः 01-08 सितंबर 2023

यूसर्क द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक सप्ताह के आईसीटी ओरिएंटेशन का कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाईन माध्यम से किया गया। इस अवसर पर यूसर्क की निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अनीता रावत ने कहा कि यूसर्क द्वारा विद्यार्थियों में आईसीटी विषय पर वैज्ञानिक अभिरुचि, नवाचार आदि को बढ़ाने के उद्देश्य के साथ एक सप्ताह का आईसीटी विषय पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें उन्हें आईसीटी के ज्ञान के साथ–साथ नई टेक्नोलॉजी को भी विशेषज्ञों के द्वारा सिखाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विज्ञान के सिद्धांतों को सीखने के डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें अलग–अलग दिनों में विभिन्न विशेषज्ञों के द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। वैज्ञानिक डॉ ओम प्रकाश नौटियाल ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। आईसीटी कार्यक्रम में यूसर्क के आईसीटी विशेषज्ञ श्री उमेश जोशी ने कंप्यूटर के विकास के इतिहास से सभी को परिचित कराया तथा वर्तमान के युग के आधुनिक कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, एंड्रॉयड फोन के विकास, उनके हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर व कार्यप्रणाली के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में स्थापित यूसर्क के विज्ञान चेतना केंद्रों के विभिन्न विद्यालयों राजकीय इंटर कॉलेज, ताड़ीखेत, अल्मोड़ा, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, लम्बगांव, नई टिहरी, राजकीय इंटर कॉलेज नाई, अल्मोड़ा के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के **150** से अधिक छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया गया।

Block Chain Technology (21 अक्टूबर, 2023)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), देहरादून द्वारा स्थापित किये गये 'डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म' के अन्तर्गत "टैक फॉर सेवा" के संयुक्त तत्वाधान में Block Chain Technology विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डॉ0) अनीता रावत द्वारा बताया गया कि विज्ञान एवं तकनीकी के महत्व एवं विद्यार्थियों की रूचि को देखते हुये यूसर्क द्वारा डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म की स्थापना की गई है एवं विद्यार्थियों को तकनीकी आधारित शिक्षण की नई–नई विधाओं, नवाचार संबंधी गतिविधियों से जोड़ने का कार्य यूसर्क द्वारा किया जा रहा है, जिससे उत्तराखण्ड के सीमान्त पर्वतीय भूभागमें अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को लाभ मिल सके। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में कोर विश्वविद्यालय, रूड़की के साइबर सिक्योरिटी विभाग की प्रोफेसर कनिका अग्रवाल ने 'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी: एक परिचय' विषय पर व्याख्यान दिया। प्रो0 अग्रवाल ने अपने व्याख्यान में Block Chain Technology क्या है? एवं इसके विभिन्न क्षेत्रों जैसे बैंकिंग, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्रों में उपयोग पर विस्तार से बताया। उन्होंने Block Chain Technology और Bitcoin में अन्तर स्पष्ट किया तथा भविष्य में ब्लॉकचेन तकनीकी के व्यापक रूप से उपयोगों आदि पर विस्तार से बताया। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों ने प्रश्नों का समाधान प्रदान किया। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित 100 से अधिक प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर लाभान्वित हुये।

Introduction to Programing Languages and applications (04 Nov, 2023)

यूसर्क द्वारा स्थापित किए गए डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के अंतर्गत दिनॉक 04 नवम्बर 2023 को "Introduction to Programing Languages and applications" विषय पर ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अनीता रावत ने बताया कि यूसर्क का प्रयास है कि राज्य के सीमान्त भागों तक के छात्र–छात्राओं तक विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार संबंधी वैज्ञानिक गतिविधियों को तकनीकी का प्रयोग करते हुए पहुंचाया जाए। कार्यक्रम में यूसर्क के विशेषज्ञ इं0 उमेश चन्द्र ने विभिन्न 'प्रोग्रामिंग लैंग्वेज के विकास एवं उनके प्रयोगों' पर विस्तार से बताया एवं इस दिशा में करियर की सम्भावनाओं पर प्रकाश डालते हुये विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान भी किया।

USERC- Entrepreneurship Development Centres

वैज्ञानिक गतिविधियों को विस्तार देते हुए एवं NEP (2020) को आत्मसात करते हुए विगत वर्ष अभिनव पहल के अन्तर्गत उद्यमिता विकास केन्द्रों का स्थापना की गई है। विज्ञान को संस्कृति एवं समाज से जोडते हुए एवं परम्परागत ज्ञान को समाहित करते हुए 12 उद्यमिता विकास केन्द्र स्थापित किये गये हैं जिससे छात्रों में नवाचार का संचार एवं प्रासंगिक क्षेत्रों में रोजगार हेतु उचित अवसर प्रदान किया जा सके। जिससे राज्य के समग्र एवं सतत विकास में भागीदारी हेतु कुशल मानव संसाधन विकसित किया जा सके।

- यूसर्क उद्यमिता विकास केन्द्र (Mushroom Spawn Production) नौगांव, उत्तरकाशी
- यूसर्क उद्यमिता विकास केन्द्र सतपुली, पौड़ी गढ़वाल
- यूसर्क उद्यमिता विकास केन्द्र (Mushroom Spawn Production) रा0इ0का0, होरावाला, देहरादून
- यूसर्क एग्रो इकोलॉजिकल उद्यमिता विकास केन्द्र सी0आई0एम0एस0, कुंआवाला, देहरादून
- रा0इ0का0, मालदेवता, देहरादून में उद्यमिता विकास केन्द्र की स्थापना
- रा0इ0का0, मिश्रवाण गांव, टिहरी गढ़वाल
- रा0इ0का0, भिमावाला, देहरादून
- रा0इ0का0, खदरी खड़कगमाफ, डोईवाला
- एम0आई0ई0टी0, कुमाऊँ, हल्द्वानी, नैनीताल में वर्मी कम्पोस्ट केन्द्रों की स्थापना
- यूसर्क द्वारा एस0एस0जे0 विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा में स्थापित स्थापित उत्तराखण्ड क्लाईमेट चेन्ज के अन्तर्गत हरेला पीठ की स्थापना, जिसके अन्तर्गत Hi-tech नर्सरी को विकसित करने, पौधारोपणए कृषि उत्पादन हेतु कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण, छात्रों हेतु व्यवसायिक प्रशिक्षण (टिश्यू कल्चर इत्यादि)
- पं0 ललित मोहन शर्मा श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड वि0वि0 परिसर ऋषिकेश में टिशू कल्चर लैब की स्थापना एवं संचालन

Preparation of master mushroom spawn

Mass multiplication of mushroom mother cultures

एम0आई0ई0टी0, हल्द्वानी में प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 28 नवम्बर 2023 को एम0आई0ई0टी0 कुमाऊ, हल्द्वानी में वर्मी कम्पोस्ट उद्यमिता केन्द्र की स्थापना कर महिलाओं की क्षमता विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 30 महिलाओं को वर्मी कम्पोस्ट के लाभ एवं उसके तैयार करने की विधि के बारे में विस्तार से बताया गया।

नौगांव उत्तरकाशी में प्रशिक्षण कार्यक्रम

उत्तरकाशी जिले के नौगांव में विभिन्न हितधारकों हेतु मशरूम के उत्पादन को आजिविका के साथ जोड़ने एवं बढ़ावा देने हेतु गुणवत्ता युक्त मशरूम स्पॉन उत्पादक यूनिट को हार्क संस्था के सहयोग से स्थापित किया गया है, जिसके अन्तर्गत स्थानीय महिलाओं के समूह, युवावर्ग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अद्यतन केन्द्र के द्वारा 5 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें प्रमुखता से राजकीय महाविद्यालय बड़कोट एवं राजकीय महाविद्यालय पुरोला के कुल 176 लाभार्थियों के द्वारा ऑइस्टर एवं बटन मशरूम की प्रजातियों के कॉमरशियल उत्पादन की तकनीकी, हार्वेसिटिंग तकनीकी, खाद बनाने की विधि, मशरूम इकाईयों में राग, कीट प्रबन्धन की जानकारी, मशरूम के उत्पादन हेतु खाद बैग तैयार करने का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

Exposure visit of students regarding mushroom cultivation technology

Media presentation for multiplication of mushroom mother cultures

Practical demonstration on Oyster mushroom cultivation

Farmers training on mushroom cultivation

सीआईएमएस कॉलेज में एग्रो इकॉलोजिकल उद्यमिता विकास केंद्र की स्थापना

दिनांक 14 फरवरी 2024

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) के सहयोग से देहरादून के कुंआवाला स्थित कम्बाइंड इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च में यूसर्क कृषि–परिस्थितिकी उद्यमिता विकास केन्द्र स्थापित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) जे.एम.एस. राणा द्वारा बताया गया कि वर्तमान में विज्ञान व संस्कृति को एक साथ जोड़कर परस्पर तालमेल के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। यूसर्क की निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत द्वारा कृषि पारिस्थितिकी उद्यमिता विकास केन्द्र को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुये कहा गया कि यह केन्द्रे छात्र–छात्राओं सहित स्नातक, स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों की साथ ही ग्रामीण महिलाओं तथा आमजन के लिए भी यह शोध एवम उद्यमिता विकास केंद्र उपयोगी साबित होगा। कार्यक्रम में सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन ललित जोशी द्वारा कहा गया कि इस केन्द्र के द्वारा संस्थान के छात्र–छात्राओं के साथ ही पूरे उत्तराखण्ड के विज्ञान के छात्र–छात्राऐं एवं विभिन्न विषयों में नवाचार करने वाले विद्यार्थी इसका सीधा लाभ प्राप्त कर सकेगें। यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल द्वारा उद्यमिता विकास केंद्र को राष्ट्रीय स्तर के केंद्र के रूप में विकसित किये जाने हेतु कहा गया।

यूसर्क उद्यमिता विकास केन्द्र सतपुली, पौड़ी गढ़वाल
विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

यूसर्क द्वारा विभिन्न कान्क्लेवों/सम्मान कार्यक्रम

विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान 2023

दिनांक– 25 मार्च, 2023

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत सोसाईटी फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन सांइस टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वाधान में द्वितीय विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान 2023 का आयोजन देहरादून स्थित संस्कृति विभाग के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक प्रोफेसर अनीता रावत ने अपने संबोधन में कहा कि यूसर्क द्वारा उत्तराखंड राज्य की महिलाओं के स्वरोजगार एवं उद्यमशीलता को बढ़ाने के लिए विशेष प्रयासों के अंतर्गत राज्य के विभिन्न स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं जिनमें 10 उद्यमिता विकास केंद्रों की स्थापना की गई है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि समाजसेवी श्रीमती गीता धामी ने कहा कि आज हमारे देश की महिलाएं आगे बढ़ते हुए प्रदेश एवं देश का नाम रोशन कर रहीं हैं और हम सभी के लिए वह प्रेरणा की स्रोत हैं जिन पर हम सभी को बहुत गर्व है। उन्होंने कहा कि यूसर्क द्वारा राज्य में विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान की दिशा में बहुत महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं अपने स्वरोजगार के साथ साथ अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर रहीं हैं और सरकार की नीतियों से लाभान्वित हो रही हैं और आत्म निर्भर बन रहीं हैं।

कार्यक्रम के अंतर्गत "स्टार्टअप्स में महिलाओं की भूमिका" विषय पर आयोजित तकनीकी सत्र की मुख्य अतिथि श्रीमती नितिका खंडेलवाल (आईएएस), निदेशक आईटीडीए एवं अपर सचिव ग्राम्य विकास ने "रूरल इनक्यूबेटर बिजनेस" पर विशेष रूप से फोकस करते हुए कहा कि राज्य की महिलाओं को स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए रूरल इनक्यूबेटर बिजनेस के बारे में प्रकाश डाला। उत्तराखंड सेंटर सीआईआई की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गर्ग, महिला उद्यमी डॉ बीनू भदौरिया, उत्तराखंड स्किल डेवलपमेंट सोसाइटी की उपनिदेशक श्रीमती चंद्रकांता एवं सेंटर फॉर आइडिया इन्नोवेशन एंड एनवायरन्मेंट ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय की निदेशक डॉ रीमा पंत ने अपने–अपने अनुभवों को साझा करते हुये प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि देहरादून नगर निगम के मेयर श्री सुनील उनियाल गामा ने कहा कि हमारे देश के हर क्षेत्र में महिलाओं का विशेष योगदान है जो हम सभी के लिए बहुत गर्व का विषय है। कार्यक्रम में महिला समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों की "महिला उद्यमी प्रदर्शनी" लगाई गई।

d k; Ze e a mi fLFkr l c ls l oh J herh xhrk /kkeh , oa v fr fFk; ka } kjk ; w d Zd s f) rh; e fgy k ç; ksx/keh Z Be ku l s06 e fgy kv ksad ks l Ee kfur fd ; k x ; kA

1.	J herh i we noh अलकनंदा कृषि व्यवसाय, हार्क संस्था, जिला चमोली
2.	J herh l xhrk noh अलकनंदा कृषि व्यवसाय, हार्क संस्था, जिला चमोली
3.	J herh 'kkfr d kSBkjh हिमालयन ग्राम विकास समिति, गंगोलीहाट, जिला पिथौरागढ़
4.	J herh jek HkV, हिमालयन ग्राम विकास समिति, गंगोलीहाट, जिला पिथौरागढ़
5.	J herh xak fc"V, अलख स्वायत्त सहकारिता संस्था, जिला नैनीताल
6.	J herh cl ah fc"V, अलख स्वायत्त सहकारिता संस्था, जिला नैनीताल

कार्यक्रम में देहरादून के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 300 से अधिक प्रतिभागी, शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम में डी.डबल्यू.टी., एसजीआरआर यूनिवर्सिटी, डॉल्फिन संस्थान, डीएनए लैब, नालंदा कॉलेज, सीआईएमएस, एसजीआरआर इंटर कॉलेज पटेल नगर, एसजीआरआर इंटर कॉलेज, मोथोरोवाला आदि उपस्थित थे।

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, उत्तराखंड तकनीकी शिक्षा निदेशालय एवं दिव्य हिमगिरि के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 08 जून 2023 को आईआरडीटी सभागार, देहरादून में **V,i l Zd ,Uy ॰** का आयोजन किया गया। कार्यकम में यूसर्क निदेशक प्रो० (डॉ०) अनीता रावत ने कहा कि विज्ञान के इस युग में सत्य को परिभाषित करते हुए आगे की राह में यूसर्क द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों से छात्रों को अवगत कराया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड शासन में कृषि, औद्यानिकी तथा सैनिक कल्याण सचिव श्री दीपेंद्र चौधरी ने बेहतर परीक्षा परिणाम देने वाले 25 स्कूलों को 25 बेस्ट स्कूल ऑफ देहरादून अवॉर्ड से सम्मानित किया। श्री दीपेंद्र चौधरी ने स्कूल स्तर पर प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 10वीं और 12वीं के 174 छात्र–छात्राओं को अवॉर्ड प्रदान किया। इसके अतिरिक्त प्रत्येक स्कूल के टॉप टेन में जगह बनाने वाले 299 बच्चों को भी अवॉर्ड सर्टिफिकेट दिये गये। उत्तराखंड तकनीकी शिक्षा निदेशालय के निदेशक ई.आर.पी. गुप्ता ने कहा कि सभागार में उपस्थित छात्रों का विशाल समूह हमारे राज्य की सामर्थ्य है। यही शक्ति है और यही भविष्य है। वर्तमान सरकार ने युवाओं को गुणतत्तापरक और रोजगारपरक शिक्षा देने के साथ ही स्किल्ड क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने का आह्वान किया। उक्त कान्क्लेव में **300** से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

तृतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अध्यापक सम्मेलन 2023-24

दिनांक: 16 सितम्बर, 2023

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अध्यापक सम्मेलन 2023–24 का आयोजन देहरादून स्थित आई0आर0डी0टी0 सभागार में किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डॉ0) अनीता रावत ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुये कहा कि यूसर्क द्वारा प्रदेश के सीमांत भागों तक विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना के जागरण, वैज्ञानिक अभिरूचि में वृद्वि करने तथा उनकी जिज्ञासाओं के समाधान हेतु पूरे प्रदेश में 200 विज्ञान चेतना केन्द्रों की स्थापना, STEM (साइंस, टैक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथेमैटिक्स) प्रयोगशालाओं की स्थापना के साथ–साथ आई0सी0टी0 के माध्यम से डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन निरन्तर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड श्री पुष्कर सिंह धामी जी के मार्गदर्शन में यूसर्क द्वारा प्रदेश में 42 स्टेम प्रयोगशालाओं की स्थापना की गयी है, जिनका उदघाटन आज किया जा रहा है तथा यूसर्क द्वारा प्रादेशिक स्तर पर विज्ञान शिक्षा, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक चेतना के क्षेत्र में चयनित किये गये 15 शिक्षकों को "उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा प्रसार सम्मान–2023" सम्मानित किया जा रहा है। प्रो0 रावत ने कहा कि यूसर्क द्वारा विभिन्न वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, उद्यमिता विकास केन्द्रों की स्थापना आदि कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्रदेश के विद्यार्थियों को स्वावलम्बी बनाने तथा उनके करियर को एक उचित दिशा प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश के शिक्षा मंत्री डा0 धन सिंह रावत ने प्रदेश में यूसर्क द्वारा स्थापित 42 STEM प्रयोगशालाओं का उद्घाटन करते हुये कहा कि यह स्टैम प्रयोगशालायें प्रदेश के विद्यार्थियों को विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार की दिशा में ले जाने का कार्य करेंगी तथा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ायेंगी। मा0 शिक्षा मंत्री ने आज के कार्यक्रम में यूसर्क द्वारा प्रादेशिक स्तर पर विज्ञान शिक्षा, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक चेतना के क्षेत्र में चयनित किये गये 15 शिक्षकों को सम्मानित किया। डॉ0 धन सिंह रावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि यूसर्क द्वारा प्रदेश में विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में बहुत ही उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये राजपुर रोड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री खजान दास ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज के कार्यक्रम के द्वारा जिन शिक्षकों को यूसर्क द्वारा प्रादेशिक स्तर पर सम्मानित किया जा रहा है, उनसे हमारे विद्यार्थियों को प्रेरणा प्राप्त होगी। श्री खजान दास ने कहा कि यूसर्क द्वारा स्थापित 42 स्टैम प्रयोगशालाऐं विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रूचि को बढ़ायेंगी तथा प्रदेश के युवा के भविष्य को उज्जवल

बनायेगी। यूसर्क द्वारा प्रकाशित पुस्तकें वाटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वाटर मैनेजमेंट एंड गवर्नेंस एवं प्लांट टैक्सोनॉमी ट्रेनिंग मैनुअल का उद्घाटन कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित वाडिया संस्थान के निदेशक डॉ0 कलाचन्द्र सेन ने कहा कि आज भारत में विज्ञान एवं शोध के क्षेत्र में करियर की दृष्टि से बहुत से विकल्प उपस्थित है। विद्यार्थी के अन्दर वैज्ञानिक सोच का विकास बहुत महत्पूर्ण है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व पी0सी0सी0एफ0 श्री जयराज ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव को साझा करते हुये आगे बढ़ने के लिये प्रोत्सहित किया। कार्यक्रम में उपस्थित सी0आई0एम0एस0 संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट ललित जोशी ने कहा कि उनके संस्थान ने यूसर्क के विज्ञान चेतना केन्द्रों के माध्यम से चयनित पूरे प्रदेश से 65 विद्यार्थियों को उनके संस्थान में बिना शिक्षण शुल्क के प्रवेश दिया जायेगा। मा0 मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड श्री पुष्कर सिंह धामी जी के मार्गदर्शन में यूसर्क द्वारा प्रदेश में 42 स्टेम प्रयोगशालाओं का ऑनलाइन उद्घाटन प्रदेश के शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत द्वारा किया गया। कार्यकम में 275 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क द्वारा निम्न शिक्षकों को चार श्रेणियों में तृतीय विज्ञान शिक्षा प्रसार सम्मान–2023 से सम्मानित किया गया।

क्र. सं.	श्रेणी	अध्यापक का नाम	विद्यालय का नाम
1.	विज्ञान शिक्षा	श्री सुन्दर लाल	रा.इ.का. कोटद्वार, गमरी उत्तरकाशी
2.	विज्ञान शिक्षा	डा. आलोक मैठाणी	रा.इ.का. तौलीसैंण मुखेम, प्रतापनगर, टिहरी गढ़वाल
3.	विज्ञान शिक्षा	श्रीमती विनिता जगदीश चौधरी	रा.बा.इ.का. फजीलपुर मैहरूला, ऊधम सिंह नगर
4.	विज्ञान शिक्षा	कैप्टन गीतांजली जोशी	रा.इ.का. डूंडा, उत्तरकाशी
5.	विज्ञान शिक्षा	श्री अजय कुमार जोशी	रा.इ.का. बगवाली पोखर, अल्मोड़ा
6.	विज्ञान शिक्षा	श्रीमती शिवानी कोटनाला	एजुकेटर लर्निंग ट्री स्पेशल स्कूल, देहरादून
7.	सामाजिक चेतना	श्री राघवेन्द्र उनियाल	रा.प्रा.वि. ज्ञानशु, पुराना, उत्तकाशी
8.	सामाजिक चेतना	श्री त्रिलोचन जोशी	रा.उ.मा.वि., छिन्नीगोटा, चम्पावत
9.	सामाजिक चेतना	श्री नवीन चन्द्र पंत	रा.उ.मा.वि., पल्सों, चम्पावत
1..	प्रौद्योगिकी	श्री रघुबीर सिंह	अ.उ.रा.इ.का., चाकीसैंण थलीसैंण, पौड़ी गढ़वाल
11.	प्रौद्योगिकी	श्री भास्कर जोशी	रा.प्रा.वि.-बजेला, धौलादेवी, अल्मोड़ा
12.	प्रौद्योगिकी	डा. अतुल बमराड़ा	रा.मॉ.प्रा.वि. गंगा भोगपुर, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल
13.	पर्यावरण संरक्षण	श्री पुष्कर सिंह नेगी	पब्लिक इ.का., सुरखेत, पौड़ी गढ़वाल
14.	पर्यावरण संरक्षण	श्री रमेश सिंह रावत	रा.इ.का., नाई, अल्मोड़ा
15.	पर्यावरण संरक्षण	श्री सुरेन्द्र कुमार	रा.प्रा.वि., डारमीगढ चकराता, देहरादून

तृतीय महिला वैज्ञानिक कॉनक्लेव 2023-24

दिनांक: 22 नवम्बर, 2023

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा महिला वैज्ञानिक कॉनक्लेव–2023 का आयोजन देहरादून स्थित आई.आर.डी.टी. सभागार में किया गया। कार्यक्रम के यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डॉ0) अनीता रावत ने महिला वैज्ञानिक कॉन्कलेव के आयोजन सम्बन्धी भूमिका के बारे में विस्तार से बताते हुये कहा कि किसी भी समाज के सतत्, समग्र और समन्वित विकास हेतु महिलाओं की भागीदारी आवश्यक है। आज का हमारा ये प्रयास है कि जिसके द्वारा विज्ञान का सामाजिक सरोकारों से सामंजस्य एवं परम्परागत ज्ञान का समावेश हो। उन्होंने कहा कि यूसर्क द्वारा एक ऐसा प्लेटफार्म देने का प्रयास किया गया है जहां पर महिलायें विचार करें, नवाचार करें, प्रदर्शित करें, एडवांसमेंट और संस्टेनेबल समाधान की ओर बढ़े। इस कान्क्लेव का उद्देश्य है कि इनक्लूसिव और इक्विटेबल क्वालिटी एजुकेशन, जेन्डर इक्वेलिटी और महिलाओं एवं बलिकाओं के इम्पावरमेंट को प्रोत्साहित किया जाय। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुये उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा श्रीमती कुसुम कण्डवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं को लैंगिक समानता के अधिकार प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं के माध्यम से संस्कारित शिक्षा को आने वाली पीढ़ियों में संचारित करने की आवश्यकता है, जिससे समाज जीवन की बुराईयों को दूर किया जा सकेगा।

कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रसिद्व भौतिक शास्त्री प्रो0 जे0एम0एस0 राणा ने अपने सम्बोधन में कहा कि आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के साथ परम्परागत भारतीय विज्ञान का समावेश करके हम अपने–अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करते हुये विभिन्न समस्याओं का समाधान प्रस्तुत कर सकते है। उन्होंने प्रसिद्व भारतीय भौतिक शास्त्री सर सी0वी0 रमन, सर जगदीश चन्द्र बसु आदि वैज्ञानिकों के द्वारा किये गये कार्यों से शिक्षा प्राप्त करते हुये आगे बढ़ने को कहा।

कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि उत्तराखण्ड पलायन आयोग के उपाध्यक्ष डा0 एस0एस0 नेगी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि महिलाओं की भूमिका सामाजिक एवं आर्थिक दोनों क्षेत्रों में बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य की महिलायें राज्य के सतत् विकास एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (आई0आई0पी0) के निदेशक, डा0 हरेन्द्र सिंह बिष्ट ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आज भारतीय महिलायें विज्ञान के क्षेत्र में बहुत अच्छे परिणामों के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आज महिलायें बायोफ्यूल्स

एवं कार्बन फुटप्रिंट के क्षेत्र में हो रहे शोध, अनुसंधान एवं नवचार में विशेष कार्य करते हुये आगे बढ़ रही है। कार्यक्रम में यूसर्क द्वारा राज्य स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अप्लाइड साइंस, स्टेम, सामाजिक विज्ञान, परम्परागत विज्ञान आदि में सम्मानित की गयी 13 युवा महिला वैज्ञानिकों की सूची निम्नवत हैः–

यंग वुमेन साइंटिस्ट एक्सीलेंस अवार्ड

1.	डा0 कंचन भारद्वाज, असिस्टेंट प्रोफेसर, एस0जी0आर0आर0, विश्वविद्यालय, देहरादून
2.	सुप्रिया दुबे, शोधार्थी, गुरूकुल कांगड़ी (डीम्ड विश्वविद्यालय), हरिद्वार
3.	तरनुम्म जहाँ, शोधार्थी गो0ब0पन्त कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, पंतनगर
4.	डा0 सरिश्मा डांगी, असिस्टेंट प्रोफेसर, ग्राफिक ऐरा (डीम्ड विश्वविद्यालय), देहरादून
5.	सुकन्या, शोधार्थी, यू0पी0ई0एस0, देहरादून
6.	सुषमा खोलिया, शोधार्थी, एम0बी0 (पी.जी.) कॉलेज, हल्द्वानी नैनीताल

यंग वुमेन साइंटिस्ट अचिवमेंट अवार्ड

1.	डा0 सुधा पाल, अतिथि संकाय, एम0बी0 (पी0जी0) कॉलेज, हल्द्वानी नैनीताल
2.	डा0 अमिता तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम0बी0 (पी.जी.) कॉलेज, हल्द्वानी नैनीताल
3.	डा0 जय लक्ष्मी रावत, असिस्टेंट प्रोफेसर, आर0सी0यू0 (पी.जी.) कॉलेज, उत्तरकाशी
4.	डा0 मिथलेश सिंह, वैज्ञानिक 'डी', गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण संस्थान कोसी कटारमल, अल्मोड़ा
5.	डा0 अंशु भाटिया, असिस्टेंट प्रोफेसर, कोर विश्वविद्यालय, रूड़की
6.	डा0 निक्की नौटियाल, असिस्टेंट प्रोफेसर, सरदार भगवान सिंह विश्वविद्यालय, देहरादून
7.	डा0 भुपेन्द्र ओलख, असिस्टेंट प्रोफेसर, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चम्पावत

तृतीय बाल-युवा समागम 2023-24 जनपद उत्तरकाशी

दिनांक: 23 दिसंबर, 2023

यूसर्क द्वारा दिनांक 23 दिसंबर 2023 को तृतीय बाल–युवा समागम का आयोजन राजकीय इन्टर कालेज बड़कोट, उत्तरकाशी में किया गया। कार्यक्रम में जनपद उत्तरकाशी में वर्ष 2022–23 सत्र में हाईस्कूल परीक्षा में टॉप पांच विद्यार्थियों कु. कोमल, नारायण जोशी, कु. अंशिका, कृष्ण सिंह राणा, मनीष चौहान एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में टॉप पांच विद्यार्थियों क्रमश: कु. हिमानी, दिव्यांशु भट्ट, कु. मीरा अवस्थी, कु. आयुषी नौटियाल, स्वराज चंद रमोला को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह अतिथियों द्वारा प्रदान किए गए। कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक प्रो. (डा०) अनीता रावत ने अपने संबोधन कहा कि यूसर्क का प्रयास है कि विद्यार्थियों के बीच वैज्ञानिक अभिरुचि विकसित की जाये और हमारे विद्यार्थी देश और विदेश में विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में हो रहे नवीन कार्यों से अवगत हों और नवाचार के साथ अपने प्रयोगात्मक कार्यों को आगे बढ़ायें। उन्होंने कहा कि यूसर्क द्वारा पांच प्रमुख कार्य क्षेत्रों शोध व अनुसंधान, प्रयोगशालाओं का सुदृढीकरण, पर्यावरण व संरक्षण, तकनीकी आधारित विज्ञान शिक्षा, सोसाइटल आउटरीच कार्यक्रम आदि को केन्द्रित करते हुये कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूसर्क द्वारा समग्र और समन्वित विकास को केन्द्रित करते हुए पूरे प्रदेश में 12 उद्यमिता विकास केंद्रों की स्थापना की गयी है जिनमें से एक केंद्र की स्थापना मशरूम स्पांन उत्पादन केंद्र की स्थापना नौगांव में हार्क के सहयोग से की गयी है।

कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध भौतिक शास्त्री प्रोफेसर (डॉ.) जगमोहन सिंह राणा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत भूमि विज्ञान की जननी है। भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा, धरातलीय कार्यों को विज्ञान की समझ के साथ आगे बढ़ना होगा। प्रोफेसर राणा ने कहा कि हम सभी अद्वितीय हैं और हमको मौलिक रूप से अपने अपने कार्यों को संपादित करना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पुरोला विधानसभा के विधायक माननीय श्री दुर्गेशस्वर लाल जी ने अपने उद्बोधन कहा कि आज भारत देश विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। आज सभी कुछ विज्ञान आधारित है। हमको विज्ञान को दैनिक जीवन में अपनाते हुए आगे बढ़ना है। उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज बढ़कोट में यूसर्क द्वारा स्थापित स्टेम प्रयोगशाला का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में उत्तरकाशी जनपद के 27 से अधिक विद्यालयों ने यूसर्क के बाल युवा समागम में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में अपने-अपने विज्ञान माडल प्रदर्शित किए जिनका अवलोकन विशेषज्ञ समिति द्वारा किया गया जिसका परिणाम निम्नवत रहा:-

प्रथम स्थान: राजकीय इंटर कॉलेज, राजगढ़ी
द्वितीय स्थान: राजकीय इंटर कॉलेज, भंकोली
तृतीय स्थान: राजकीय इंटर कॉलेज, नौगांव
पहला सांत्वना पुरस्कार: राजकीय इंटर कॉलेज, बरनीगाड
दूसरा सांत्वना पुरस्कार:सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, तिलोथ

कार्यक्रम में उत्तरकाशी जनपद के लगभग **35** से अधिक विद्यालयों के **700** से अधिक छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

उत्तराखंड ज्ञान विज्ञान अभियान के अन्तर्गत कार्यक्रमों का आयोजन

यूसर्क द्वारा उत्तराखण्ड ज्ञान विज्ञान अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थियों में विज्ञान शिक्षा की अभिरूचि विकसित करने के उद्देश्य से राज्य के दूरस्थ पर्वतीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित किये जा रहे हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विज्ञान के रोचक तथ्यों को प्रयोगात्मक एवं जीवन में विज्ञान के विभिन्न अनुप्रयोगों, जलगुणवत्ता परीक्षण व स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण व प्रदूषण, पैट्रोलियम एवं गणितीय इत्यादि विषयों को सरल तरीके से विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रदेश के 06 विद्यालयों राजकीय इण्टर कॉलेज, गदरपुर ऊधमसिंह नगर, राजकीय इण्टर कॉलेज हिण्डोलाखाल, देवप्रयाग, जनता इण्टर कॉलेज, संगलाकोटी, पौड़ी गढ़वाल; राजकीय इण्टर कॉलेज बड़कोट, उत्तरकाशी, राजकीय इण्टर कॉलेज, हुड़ोली, उत्तरकाशी, राजकीय इण्टर कॉलेज, ढिकुली, रामनगर, राजकीय इण्टर कॉलेज, खरादी उत्तरकाशी, राजकीय इण्टर कॉलेज, रामनगर, में आयोजित किये गये। उक्त कार्यक्रम में प्रदेश के 1000 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

S.No.	Venue	Date	No. of Participants
1	Govt. Inter College Hindolakhal, Devprayag	05 Sep 2023	185
2	Janta Inter College Sanglakoti, Pauri Garhwal	04 Sep 2023	179
3	Govt. Inter College Barkot, Uttarkashi	09 Sep 2023	135
4	Govt. Inter College Hudoli, Uttarkashi	09 Sep 2023	350
5	Govt. Inter College Dhikuli, Ramnagar	14 Oct 2023	200
6	Govt. Inter College Kharadi, Uttarkashi	16 Dec 2023	340
7	Govt. Inter College Gadarpur, Udham Singh Nagar	20 May 2023	40

Govt. Inter College Hudoli, Uttarkashi

Govt. Inter College Barkot, Uttarkashi

Govt. Inter College Hindolakhal, Devprayag

Govt. Inter College Dhikuli, Ramnagar

Govt. Inter College Kharadi, Uttarkashi

दिनांक 16 दिसंबर 2023 को राजकीय इंटर कालेज खरादी, नौगांव उत्तरकाशी मे उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र देहरादून द्वारा उत्तराखंड ज्ञान विज्ञान अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री अवतार सिंह रावत द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में युसर्क के वैज्ञानिक डॉ राजेंद्र सिंह राणा द्वारा द्वारा जल गुणवत्ता का मानव स्वास्थ्य पर पढ़ने वाले विपरीत प्रभावों को विस्तार पूर्वक बताया गया उन्होंने बताया कि किस तरीके से पानी की बोतलों को दोबारा प्रयोग में लाने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां उत्पन्न हो रही है। उन्होंने प्लास्टिक के मानव जीवन पर पड़ने वाले गंभीर दुष्प्रभावों को भी छात्रों को समझाएं तथा जल गुणवत्ता का परीक्षण भी प्रयोगात्मक माध्यम से समझाया। कार्यक्रम में पूर्व प्रधानाचार्य एवं विज्ञान विशेषज्ञ श्री सोहन सिंह रावत द्वारा छात्र–छात्राओं के मध्य वैज्ञानिक गतिविधियां आयोजित की गई इसमें खास तौर पर वेस्ट मैटेरियल का उपयोग कर प्रयोगशालाओं में होने विभिन्न प्रयोगों मुख्यत: जीवविज्ञान के क्षेत्र में बोन ज्वाइंट, मनुष्य की अस्थियां, रसायन सोडियम थायो सल्फेट का उपयोग, रासायनिक गैसे, भोतिक विज्ञान में एअर जैक, जड़त्व का नियम, प्रकाश पुंज आदि का प्रयोगात्मक माध्यम से सरल रूप में प्रस्तुतिकरण दिया गया। कार्यक्रम में लगभग **340** प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Govt. Inter College Gadarpur, Udham Singh Nagar

विभिन्न प्रदर्शनियों में प्रतिभाग

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) द्वारा विभिन्न विज्ञान प्रदर्शनियों में प्रतिभाग किया गया एवं छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं आम जनमानस को यूसर्क द्वारा राज्य में किए जा रहे विभिन्न विज्ञान शिक्षा, पर्यावरणीय एवं वैज्ञानिक कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की गयी। **Doon University, Indian International Science Festival 2023 DBT THSTI-RCB Campus, Almora Science Promotion Program, 6th World Congress on Disaster Management, 17वीं उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस, देहरादून इंटरनेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी फेस्टिवल 2023**

यूसर्क द्वारा विभिन्न संस्थाओं के मध्य किए गये ,MoU

यूसर्क एवं भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (IISER) मोहाली के मध्य एम0ओ0यू0 (दिनांक 05 अगस्त 2023)

उत्तराखण्ड राज्य के सूचना प्रोद्योगिकी, सुराज एवं विज्ञान प्रोद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड के अन्तर्गत कार्यरत संस्था उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), देहरादून के खाते में आज एक नई बड़ी उपलब्धि जुड़ गयी है, जब यूसर्क एवं भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (IISER) मोहाली के मध्य उत्तराखण्ड राज्य के छात्र–छात्राओं एवं अध्यापकों को विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ ही वैज्ञानिक अभिवृत्ति के विकास तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शोध संस्थाओं में एक्सपोजर प्रदान करने हेतु "मेमोरेंडम ऑफ अण्डरस्टैंडिंग" पर IISER मोहाली में हस्ताक्षर किये गये।

उक्त समझौते पर यूसर्क की ओर से यूसर्क निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत तथा IISER मोहाली की ओर से भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (IISER) मोहाली के निदेशक प्रो0 गौरीशंकर ने हस्ताक्षर किये।

एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर के उपरान्त यूसर्क निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत ने बताया कि समझौते के आधार पर दोनों संस्थान मिलकर उत्तराखण्ड जैसे भौगोलिक रूप से विशिष्ट राज्य के छात्र–छात्राओं को विज्ञान शिक्षा तथा वैज्ञानिक अनुसंधानों को स्तरीय बनाने तथा इसके अनुप्रयोगों तथा लाभों को प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने हेतु मिलकर काम करेंगे। उन्होंने इस समझौते को अभूत पूर्व बताते हुए बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की संस्था IISER के साथ यूसर्क के समझौते का लक्ष्य उत्तराखण्ड के छात्र–छात्राओं एवं अध्यापकों को बुनियादी विज्ञान (बेसिक साइंस) के अग्रणी एवं नवीन क्षेत्रों में हो रहे शोधों से परिचित कराना तथा उन्हें लाभान्वित करना है, ताकि हमारे प्रदेश में भी विज्ञान एवं तकनीकमी के क्षेत्र में त्वरित बौद्रिक विकास करते हुए उत्कृष्ट एवं जीवंत शैक्षणिक वातावरण तैयार किया जा सके। इस समझौते का मूल उद्देश्य शिक्षण, शैक्षिणिक उत्कृष्टता तथा नवीन अनुसंधानों के वैश्विक केन्द्र के रूप में उभरते संस्थानों से प्रदेश के विद्यार्थियों, अध्यापकों, शोधार्थियों को परिचित करवाकर नवीन एवं नवाचार शोध हेतु प्रेरित करना है।

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (IISER) मोहाली के निदेशक प्रो0 गौरीशंकर ने कहा कि IISER मोहाली का उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) जैसी सुदूर ग्रामीणाचंल एवं धरातलीय स्तर पर कार्य करने वाली संस्था के साथ जुड़ना एक सुखद संयोग बताया। उन्होंने कहा कि इस द्वि–पक्षीय समझौते के तहत उत्तराखण्ड के छात्र–छात्राओं, शोधार्थियों एवं अध्यापकों को IISER में हैण्डस ऑन ट्रेनिंग प्रदान करना, मिलकर सहयोगात्मक रूप से अनुसंधान करना तथा विभिन्न आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन करना सहज हो जायेगा, जिसमें उत्तराखण्ड के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं अध्यापकों को तो लाभ मिलेगा ही, और IISER मोहाली भी अपने उद्देश्यों के अनुरूप अपने विज्ञान शिक्षा के प्रसार का कार्य और अधिक प्रभावी रूप से कर पायेगा। कार्यक्रम में डीन आउटरीच प्रो0 अमित कुलश्रेष्ठ के साथ ही भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (IISER) के विभिन्न प्राध्यापक उपस्थित रहे।

सी.आई.एम.एस. एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज एवं यूसर्क के मध्य एमओयू (दिनांक 10.08.2023)

यूसर्क एवं सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के मध्य एमओयू किया गया। इस अवसर पर यूसर्क की निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत ने कहा कि यूसर्क का प्रयास है कि राज्य के शिक्षण एवं शोध संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों का लाभ राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को भी मिले। इस एमओयू के माध्यम से यूसर्क द्वारा स्थापित 200 से अधिक यूसर्क विज्ञान चेतना केंद्रों के माध्यम से 65 विद्यार्थियों (प्रति जनपद 5 विद्यार्थी) को सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज द्वारा 'मिशन एजुकेशन कार्यक्रम' के अंतर्गत निशुल्क शिक्षा दी जाएगी एवं सीआईएमएस द्वारा 10 यूसर्क विज्ञान चेतना केंद्रों को सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज द्वारा गोद लेने की सहमति व्यक्त की। यूसर्क एवं सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज सहयोगात्मक रूप से विज्ञान, शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार संबंधी कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुफ ऑफ कॉलेज देहरादून के चेयरमैन एड्वोकेट ललित मोहन जोशी ने कहा कि ये एम.ओ. यू. यूसर्क के चेतना केन्द्रों से जुड़े आर्थिक रूप से कमजोर छात्र–छात्राओं के लिए एक नई उम्मीद की किरण साबित होगा। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थान मिलकर प्रदेश के अंतिम छोर से आने वाले छात्र को भी उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने हेतु मिलकर काम करेंगे।

हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू (दिनांक 08.08.2023)

प्रदेश में स्वास्थ्य, स्वच्छता एवम पोषण के साथ ही विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार तथा छात्र छात्राओं में वैज्ञानिक अभिवृत्ति के विकास व स्वास्थ्य जागरूकता के प्रसार हेतु सूचना, सुराज एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत कार्यरत संस्था उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क), देहरादून तथा प्रदेश के हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय, सेलाकुई द्वारा यूसर्क सभागार में 'मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग' पर हस्ताक्षर किए गए। यूसर्क निदेशक प्रो. (डॉ) अनीता रावत तथा हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. आशीष उनियाल ने समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए। प्रो. अनीता रावत ने बताया कि इस समझौते के आधार पर दोनों संस्थान प्रदेश के छात्र छात्राओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण के प्रति जागरूक करने तथा विज्ञान शिक्षा एवं चिकित्सा व वैज्ञानिक अनुसंधानों को स्तरीय बनाने तथा इसके अनुप्रयोगों व लाभों को प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने हेतु मिलकर काम करेंगे। हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर हेम चन्द्र ने इस अवसर पर कहा कि आज के इस समझौते से जहां विश्वविद्यालय से संबद्ध भावी चिकित्सकों को यूसर्क की वैज्ञानिक गतिविधियों का भरपूर लाभ मिलेगा, वहीं प्रदेश भर के छात्र–छात्राएं तथा आमजन भी दोनों संस्थाओं के विज्ञान शिक्षा, चिकित्सा एवम सुस्वस्थता हेतु किए

जाने वाले सम्मिलित प्रयासों से लाभान्वित होंगे। यूसर्क वैज्ञानिक डॉ. ओम प्रकाश नौटियाल ने कहा कि इस समझौते के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय के प्राध्यापक तथा यूसर्क के वैज्ञानिक परस्पर मिलकर विज्ञान शिक्षा के साथ ही चिकित्सा, स्वास्थ्य व स्वच्छता क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधानों तथा शोध परिणामों के लाभों को आम जन तक पहुंचने हेतु प्रेरित होंगे।

श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल के मध्य एमओयू (दिनांक 05 अगस्त 2023)

अनुसंधान और नवाचार, स्टार्टअप और उद्यमिता, विश्वविद्यालय परिसर के एनएसएस और एनसीसी स्वयंसेवको के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य और स्वच्छता के मुद्दों पर जागरूकता फैलाना, उत्तराखंड के छात्रों के बीच विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देना, उत्तराखंड के छात्रों के बीच क्षमता निर्माण कार्यक्रम, उत्तराखंड में संस्थानों के बीच शैक्षणिक वृद्धि की दिशा में काम करना एवं राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी, पर्यावरण एवं जैव विविधता दिवस आदि को मनाने के उद्देश्यों को पूरा करने हेतु उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), देहरादून एवं श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल के मध्य एक एमओयू किया गया। इस अवसर पर श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० एन०के० जोशी ने बताया कि इस एमओयू ज्ञापन में विश्वविद्यालय की भूमिका एक दूसरे के परामर्श से और वित्तीय व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए सहयोग के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करना, प्रत्येक चयनित क्षेत्र (प्रमुख हितधारकों, प्रमुख व्यक्तियों, सहयोग के रूप में वित्त पोषण आदि) के लिए सहयोग की रूपरेखा स्थापित करना आदि रहेगी।

यूसर्क की निदेशक प्रोफेसर (डॉ०) अनीता रावत द्वारा कहा गया कि श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय टि०ग० के सहयोग से विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना, सहयोगात्मक स्वास्थ्य शिक्षा और जागरूकता के साथ विभिन्न यू०एस०आर०सी० विज्ञान चेतना केन्द्रों को जोड़ना तथा यू०एस०ई०आर०सी० अपने अनुसंधान और विकास और जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे आउटरीच में श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय बादशाहीथौल टि०ग० की सहायता लेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर, ऋषिकेश के विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो० गुलशन कुमार ढींगरा एवं यूसर्क के वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

यूसर्क एवं JBIT देहरादून के मध्य एम0ओ0यू0 (दिनांक 12 फरवरी 2024)

विभिन्न वैज्ञानिक, अनुसंधान एवं नवाचार संबंधी गतिविधियों को उत्तराखंड के विद्यार्थियों तक बेहतर ढंग से पहुंचाये जाने हेतु USERC एवं JBIT देहरादून के साथ MoU संपादित किया गया। जसमें सहयोगात्मक रूप से Joint Research, Ideas and Knowledge Exchange, Workshop Seminars, Sharing of facilities, Capacity Building, Intellectual Property के साथ–साथ यूसर्क द्वारा स्थापित देहरादून जिले के 05 विज्ञान चेतना केन्द्र के विद्यार्थियों को JBIT में विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों, प्रयोगशालाओं के भ्रमण आदि का लाभ प्राप्त होगा।

कार्यविधि परिवर्धन हेतु निदेशक महोदया का प्रतिभाग

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा मुख्य रूप से विज्ञान शिक्षा अनुसंधान एवं तकनीकी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभिनन संस्थानों के साथ सहयोगात्मक रूप से सम्बन्धित गतिविधियों के संचालन हेतु निरन्तर प्रयत्नशील है। यूसर्क का प्रयास सदैव विज्ञान शिक्षा एवं तकनीकी के समावेश से नवाचार सोच को बढ़ावा देने एवं पर्यावरण संरक्षण के सतत् विकास के दृष्टिकोण के साथ राज्य के विद्यालयों में चेतना केन्द्र स्थापित कर एक आदर्श वातावरण बनाने हेतु कृत संकल्पित है। विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों/चर्चा में देश एवं प्रदेश के विभिन्न शोध संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में प्रतिभाग कर महत्वपूर्ण सुझाव आदान–प्रदान किये गये।

Prof. Sunil Rai, Chancellor UPES

CSIR-IMTECH Scientists

Chairperson PU(Tech)

Dr. Chinmey Pandya, Pro VC, DSVV

At Doordarshan

Hon'ble Cabinet Minister, Higher Education Dr. Dhan Singh Rawat

CSIR-IMTECH Director Dr. Sanjeev Khosla

PU(Tech)

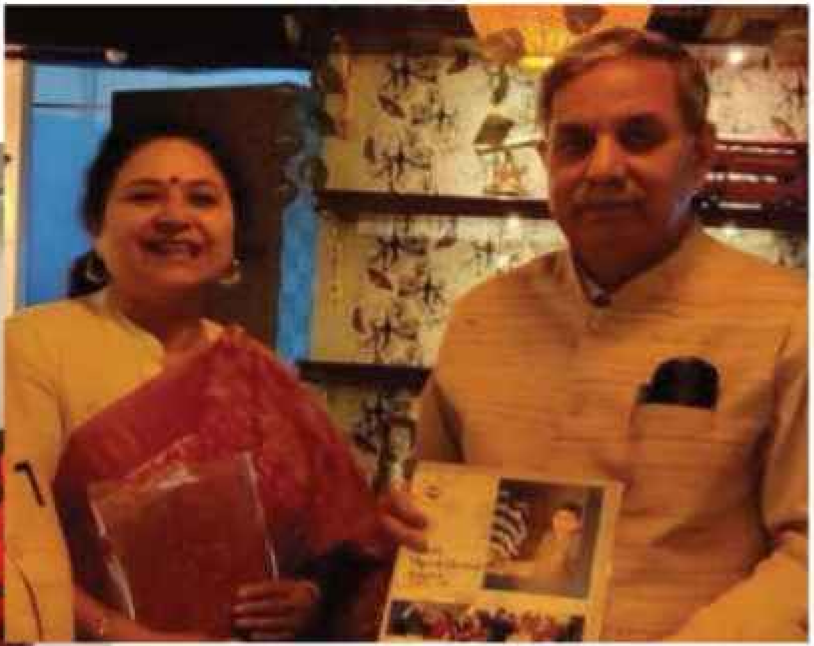

Prof. D.P. Singh, Former Chairman UGC
Adv. Hon'ble CM Uttarpradesh

प्रकाशन पुस्तकें

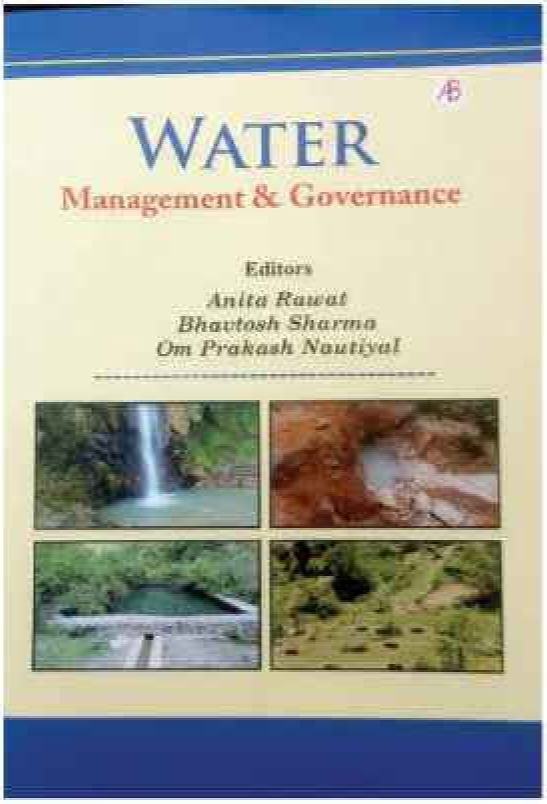
WATER
Management & Governance
Editors
Anita Rawat
Bhavtosh Sharma
Om Prakash Nautiyal

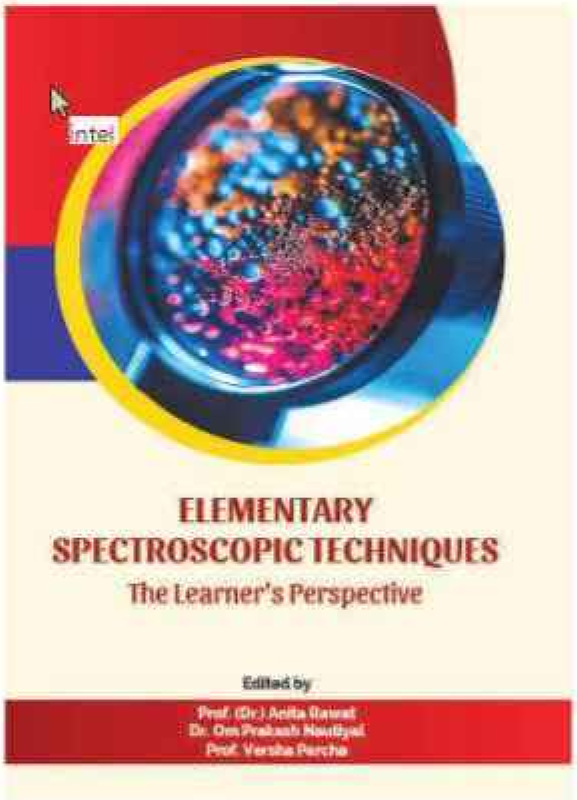
ELEMENTARY
SPECTROSCOPIC TECHNIQUES
The Learner's Perspective
Edited by
Prof. (Dr.) Anita Rawat
Dr. Om Prakash Nautiyal
Prof. Versha Parcha

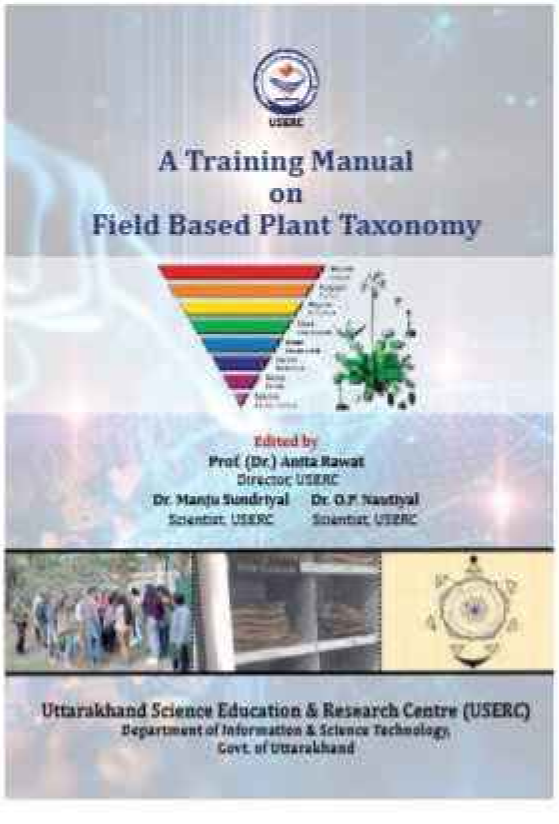
USERC
A Training Manual
on
Field Based Plant Taxonomy
Edited by
Prof. (Dr.) Anita Rawat
Director, USERC
Dr. Manju Sundriyal
Scientist, USERC
Dr. O.P. Nautiyal
Scientist, USERC
Uttarakhand Science Education & Research Centre (USERC)
Department of Information & Science Technology
Govt. of Uttarakhand

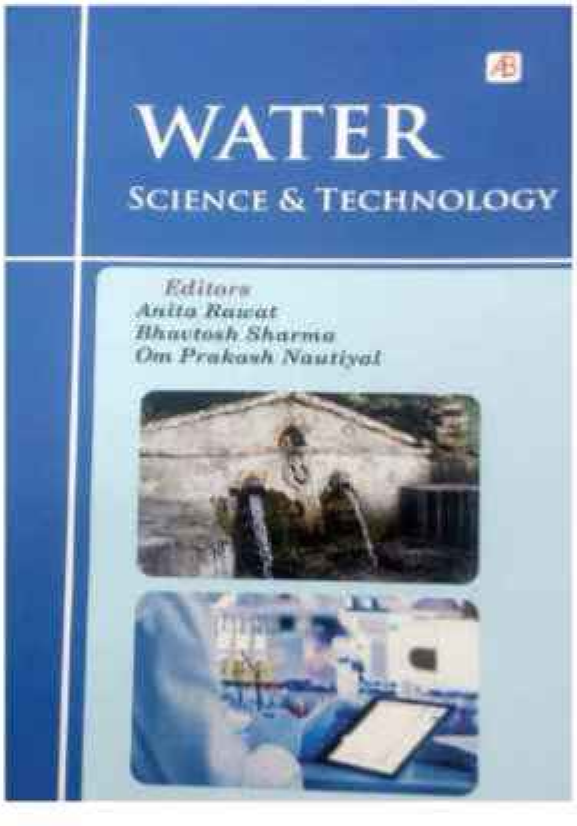
WATER
SCIENCE & TECHNOLOGY
Editors
Anita Rawat
Bhavtosh Sharma
Om Prakash Nautiyal

Brochure

USERC
CERTIFICATE COURSE
ONE WEEK HANDS - ON TRAINING PROGRAMME ON ENVIRONMENTAL TECHNOLOGY
Organised by
Uttarakhand Science Education and Research Centre
Department of Information and Science Technology, Govt. of Uttarakhand
Date: 10 to 16 JULY 2023
USERC

CERTIFICATE COURSE
5 DAYS ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT TRAINING PROGRAMME
ON
APICULTURE (BEE-KEEPING) HANDS-ON TRAINING
Organised by
Uttarakhand Science Education and Research Centre
USERC

Certificate Course
(One Week)
'Hands-on Training'
in
Material diagnostics and Analytical techniques
Organised by
Uttarakhand Science Education and Research Centre
Date: 05 Oct. to 11 Oct. 2023
Background
Highlights
USERC

USERC
CERTIFICATE COURSE
"Hands-on-training"
on
Biomedical Techniques
Organised by
Uttarakhand Science Education and Research Centre
Jointly with
Sri Dev Suman Uttarakhand University
AIIMS, Rishikesh
Venue
Background
AIIMS, Rishikesh
USERC
Sri Dev Suman Uttarakhand University

USERC
CERTIFICATE COURSE
ONE WEEK HANDS - ON TRAINING PROGRAMME ON ENVIRONMENTAL TECHNOLOGY
Organised by
Uttarakhand Science Education and Research Centre
USERC

CERTIFICATE COURSE
5 DAYS ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT TRAINING PROGRAMME
ON
APICULTURE (BEE-KEEPING) HANDS-ON TRAINING
Organised by
Uttarakhand Science Education and Research Centre
USERC

Brochure

USERC
3 DAYS WORKSHOP
ON
RESEARCH METHODOLOGY
Research Design
Area of Study
Population of Study
Sample & Sampling Techniques
Instrumentation
Administration of Instrument
Methods of Data Analysis
Research Methodology
Organised by
Uttarakhand Science Education and Research Centre
Department of Information and Science Technology, Govt. of Uttarakhand
This workshop aims at inducing the basic dimensions of Research and Innovation. Deliberations would motivate the scholars to revisit the historic paradigm of Research while in incorporating modern day technological advancements .
Date: 14 to 16 Dec, 2023
USERC
Uttarakhand Science Education and Research Centre (USERC) was setup in 2005 by the Department of Science and Technology, Government of Uttarakhand as an autonomous organization. It was created with the mandate to bolster scientific temperament in Uttarakhand. To this end, it has been making intensive, across-the-board efforts to support education and promote career prospects in the realms of Science and Technology. USERC is dedicated to motivating and developing academicians and students through its involvement in teaching and training students for research in science and technology, including computing.
R&D CELL
SRI DEV SUMAN UTTARAKHAND UNIVERSITY
Pt. Lalit Mohan Sharma Campus
Rishikesh, Uttarakhand
The objectives of the University are to disseminate and advance Knowledge by providing instructional and research facilities in such branches of Learning as it may deem fit: to make special provision for integrated courses in Humanities, Social Sciences, Science and Technology in its educational programmes: to take appropriate measures for promoting innovations in teaching learning process and inter-disciplinary studies and research

USERC
"Hands-on-training"
(One Week)
on
Animal Taxonomy
Certificate Course
Organised by
Uttarakhand Science Education and Research Centre
Jointly with
Zoological Survey of India
Date: 19 to 23 Feb. 2024
Venue: ZSI Dehradun
Background
Highlights
USERC
ZSI

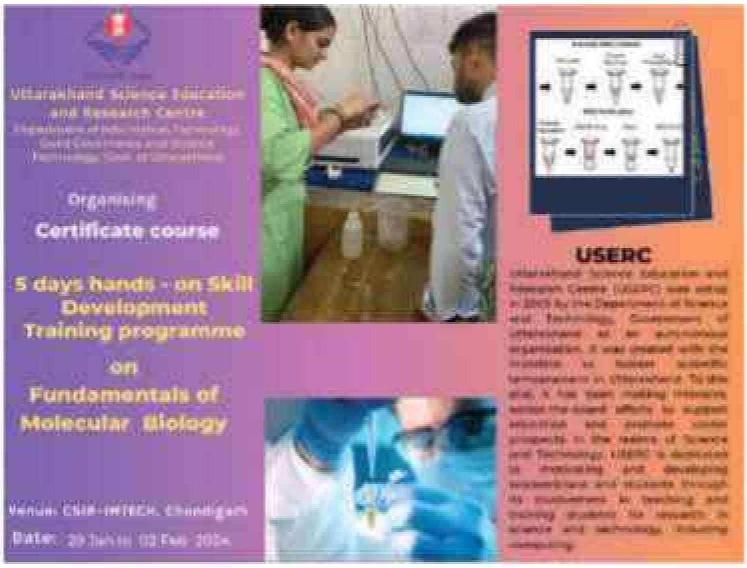
Uttarakhand Science Education and Research Centre
Organising
Certificate course
5 days hands - on Skill Development Training programme
on
Fundamentals of Molecular Biology
Venue: CSIR-IMTECH, Chandigarh
Date: 29 Jan to 02 Feb 2024
USERC

प्राथमिकतायें एवं लक्ष्य (2024–25)

- प्रौद्योगिकी के विभिन्न अनुप्रयोगों पर आधारित विज्ञान तथा तकनीकी शिक्षा के अधिक सुदृढ़ीकरण तथा प्रदेश में रोजगार उन्नमुखी कार्यकलापों को प्रोत्साहित करना एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न अनुप्रयोगों द्वारा प्रदेश का सर्वांगीण विकास करना।

- Experiential Learning program के अन्तर्गत विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर देश/प्रदेश में अवस्थित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालयों Hands-on trainings के माध्यम से उच्च शिक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं विज्ञान के शिक्षकों में Research based Learning को विकसित करना। उच्चशिक्षा के छात्रों एवं छात्राओं हेतु अद्यतन 40 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर 1489 छात्रों को लाभान्वित किया गया, जिसमें 66% छात्राओं एवं 34% छात्रों ने प्रतिभाग किया।

- यूसर्क द्वारा विद्यार्थियों के मध्य वैज्ञानिक अभिरूचि एवं वैज्ञानिक चेतना जागृत करने के उद्देश्य से प्रदेश के 13 जनपदों के कुछ चयनित माध्यमिक विद्यालयों में वर्तमान में 55 STEM (Science Technology, Engineering, Mathematics) प्रयोगशालाओं का संचालन किया जा रहा है, जिसे अगले चरण में ब्लॉक स्तर पर STEM लैब स्थापित किया जाना।

- यूसर्क द्वारा प्रौद्योगिकी आधारित विज्ञान शिक्षा का प्रसार कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश भर में कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के छात्र–छात्राओं को भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी विषयों में द्विभाषीय ई–कन्टैंट को ऑफलाइन/ऑनलाइन के माध्यम से निःशुल्क उपलब्ध कराना। अद्यतन 5400 व्याख्यान रिकॉर्ड किये जा चुके है।

- यूसर्क द्वारा 13 जिलों के 200 राजकीय व सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में यूसर्क विज्ञान चेतना केन्द्र स्थापित किये गये हैं, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों और शिक्षकों के समन्वय से पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी एवं वैज्ञानिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। प्रदेश के समस्त 95 ब्लॉकों में स्थापना एवं संचालन सुनिश्चित करना।

- विभिन्न केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित, संस्थानों के माध्यम से सहयोगात्मक अनुसंधान, नेटर्वक एवं MoU के अन्तर्गत शोध भावनाओं का विकास एवं विद्यार्थियों व शिक्षकों को विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर शोध किये जाने हेतु अवसर प्रदान करना। IISER मोहाली के साथ संयुक्त रूपव से विज्ञान एवं शोध सम्बन्धी प्रशिक्षण कार्यक्रम निरन्तर आयोजित करना।

- यूसर्क द्वारा 12 उद्यमिता विकास केन्द्रों तथा–नौगांव, उत्तरकाशी, सतपुली, पौड़ी गढ़वाल, रा0इ0का0 हौरावाला देहरादून; सी0आई0एम0एस0, कुंआवाला; रा0इ0का0 मालदेवता देहरादून; रा0इ0का0 मिश्रयाण गांव, टिहरी गढ़वाल, रा0इ0का0 भिमावाला, देहरादून; रा0इ0का0 खदरी खड़कगमाफ, डोईवाला एवं विभिन्न विद्यालयों–एम0आई.ई0टी0, कुमाऊँ, हल्द्वानी, नैनीताल में स्थापना एवं संचालन करना।

- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय नेटवर्क स्थापित कर अग्रणी शोध को बढ़ावा देना व राज्यपरक शोध के विषय की पहचान करना। विभिन्न विज्ञान विषयों में शोधार्थियों/विद्यार्थियों द्वारा Internship के माध्यम से शोध करना तथा विज्ञान के विभिन्न विषयों के लिये State of the Art Lab की स्थापना करना जिसके अन्तर्गत In-House Research के साथ प्रदेश के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों को शोध एवं Innovation के अवसर प्रदान करना।

- विज्ञान प्रौद्योगिकी के विकास को बढ़ावा दिये जाने तथा वैज्ञानिक अभिवृत्ति में वृद्धि हेतु विज्ञान वर्ग में इण्टरमीडिएट, स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रिसर्च फैलोशिप कार्यक्रम प्रारम्भ करना। विज्ञान विषयों की अन्य शाखाओं के साथ ही अनुप्रयुक्त विज्ञान के अन्तर्गत विभिन्न वैज्ञानिक कार्यक्रम, जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी, वैज्ञानिक प्रतियोगिताएं एवं ज्ञान विज्ञान कार्यक्रमों का आयोजन।

- यूसर्क द्वारा राज्य के छात्रों, अध्यापकों एवं महिलाओं हेतु वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के माध्यम से वैज्ञानिक अभिवृत्ति की वृद्धि, कौशल विकास एवं अपने–अपने क्षेत्रों में अनुकरणीय कार्य करने के लिये प्रोत्साहित करने हेतु 'बाल युवा समागम', 'महिला वैज्ञानिक कान्क्लेव' तथा 'अध्यापक विज्ञान कान्कलेव' का आयोजन करना एवं विज्ञान के समावेश से समाज में अनुकरणीय कार्य करने वाली महिलाओं को 'विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान' से सम्मानित करना।

- राज्य के विभिन्न जनपदों के स्नातक अथवा स्नातकोत्तर स्तर के युवाओं को जल शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत जल संरक्षण, जलस्रोत संवर्धन तथा जल स्रोतों की जलगुणवत्ता अध्ययन विषयक तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान करना एवं वैज्ञानिक शोध एवं जागरूकता कार्यक्रमो का आयोजन करना।

- राज्य के विकास हेतु एवं राज्य हित में आधारित विषयों पर विभिन्न पुस्तकों, मैनुअल, प्रशिक्षण सामग्री एवं पोस्टरों का प्रकाशन करना। विज्ञान को सरल स्वरूप में आम जनमानस तक पहुंचाने हेतु यूसर्क द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित हिन्दी पत्रिका का प्रकाशन।

- यूसर्क द्वारा वसंत पंचमी को प्रति वर्ष खेती बाड़ी दिवस के रूप में मनाये जाने का निश्चय किया गया है। इसी क्रम में Agroecology थीम के अन्तर्गत विभिन्न विषयों पर हैण्डस ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना।

- यूसर्क में तकनीकी ज्ञान साझा करने के उद्देश्य से स्थापित Digital learning Platform के अन्तर्गत छात्रों हेतु ICT Orientation Programme एवं Online व्याख्यानों का प्रतिमाह संचालन।

PUBLICATION

1. A patent has been granted by The Patent Office, Government of India, for an invention entitled 'A SOIL MONITORING DEVICE' Patent No. : 496211, Dated 08.01.2024 (Application No. : 201911018871 Dated 11.05.2019).

2. Patent for invention 'SUSTAINABLE MANAGEMENT OF CHARDHAM YATRA Module' filled (Application No. 202311046431 Dated 23.11. 2023).

3. Book entitled 'Elementary Spectroscopic Techniques- The Learner's Perspective', Anita Rawat, Om Prakash Nautiyal, VershaParcha; Publised by Bishen Singh Mahendra Pal Singh (Dehradun) ISBN- 978-93-6028-867-9(2024).

4. 'Delineating the radiological dosimetry arising from radon exposure in potable water sources of Dehradun, India', Chandra Prakash Saklani, Prakhar Singh, Ankur Kumar, Om Prakash Nautiyal, Tushar Kandari, Amar Deep and Devendra Singh, Radioanalytical and Nuclear Chemistry, (Springer), https://doi.org/10.1007/s10967-023-09343-z(2024).

5. 'Investigation of 222Rn and 220Rn exhalation rates from soil samples of Pithoragarh District, India' Om Prakash Nautiyal, Prakhar Singh & Taufq Ahamad, Journal of Radioanalytical and Nuclear Chemistry, (Springer), https://doi.org/10.1007/s10967-023-09087-w(2023).

6. 'Radiological and hydrochemical attribution in groundwater of Haridwar district, Uttarakhand, India', Prakhar Singh, Ankur Kumar, Devendra Singh, Om Prakash Nautiyal, C. P. Saklani, Abhishek Joshi & Kuldeep Singh, Journal of Radioanalytical and Nuclear Chemistry, (Springer), https://doi.org/10.1007/s10967-023-09188-6(2023).

7. 'Seasonal variability of 222Rn and 220Rn equilibrium factors in indoor environment of Kumaun Himalaya, India', Taufq Ahamad, Om Prakash Nautiyal, Manish Joshi, Prakhar Singh, A. S. Rana, A. A. Bourai, R. S. Sajwan& R. C. Ramola, Journal of Radioanalytical and Nuclear Chemistry, (Springer) https://doi.org/10.1007/s10967-023-09101-1(2023).

8. 'Implementation of LVCMOS based 4 Bit FPGA Based ALU on SP 701 Board for New Digital Age Technologies', Chandrashekhar Patel, AbhaySaxena, Anita Rawat, Om Prakash Nautiyal, International Journal of Recent Technology and Engineering (IJRTE), ISSN: 2277-3878 (Online) Volume – 11, Issue- 6, 102-110 (2023).

9. 'Production of Secondary Metabolites from Medicinal Plants through Tissue Culture', Namini Joshi, Karishma Bhattarai , Somya Sinha, Balwant Rawat , Nishant Rai, Jigisha Anand, Manju Sundriyal, Janhvi Mishra Rawat . In: Secondary Metabolites and Biotherapeutics (Book Chapter) (2024).

10. 'A training manual on field based plant taxonomy Anita Rawat, Manju Sundriyal, O. P. Nautiyal. Published by USERC (ISBN: 97881956097-34), Printed by Vision Graphics Media Solution (2023).

11. 'Pharmaceutical drug analysis by nanoliquid chromatography: A step toward Lab on Chip'. Bhavtosh Sharma, Anita Rawat, Prashant Singh, Kanchan Deoli Bahukhandi, Manju Sundriyal, Mohd Yusuf (Submitted in Springer Proceedings on Urban Environmental Monitoring, 2024).

12. 'Detection and analysis of Pharmaceutical drug's residues in environmental water samples using LC and GC techniques: A review', Bhavtosh Sharma, Anita Rawat, Prashant Singh, Kanchan Deoli Bahukhandi. (Submitted in National Academy Science Letters 2023).

13. 'Nanoscale Innovations in Cement: A Sustainable Approach for Future Infrastructure" Saurabh Ahalawat, Bhavana Sethi, Bhavtosh Sharma, In Futuristic Trends in Chemical Material Sciences & Nano Technology Book (Accepted & In Press 2023).

14. 'Recent trends in Nanomaterial's Development for Wastewater Treatment', Sheetal Tyagi, Kanika Dobhal, Ananya Dhar Das, Bhavtosh Sharma, In Futuristic Trends in Chemical Material Sciences & Nano Technology Book (Accepted & In Press 2023).

15. 'Traditional Knowledge of Resource management in Uttarakhand with special reference to Water', Manju Sundriyal, Bhavtosh Sharma, Anita Rawat, Prashant Singh as Book Chapter In Book "Traditional Knowledge System of Uttarakhand" (Submitted 2024).

16. 'Hydrogeochemical evaluation of groundwater for the drinking and irrigation purposes in the upper piedmont area of Haridwar, India", Kanchan Bahukhandi, Anamika Kushwaha, Lalit Goswami, , Uday Bhan, Vishal Kamboj, Vipin Saini, Bhavtosh Sharma, Water Journal of American Chemical Society, ACS ES&T, 3:6:1641-1653 (2023).

17. उत्तराखण्ड राज्य की विज्ञान प्रयोगधर्मी महिलाएं, अनिता रावत, मन्जू सुन्दरियाल एवं ओम प्रकाश नौटियाल, (In process, 2024).

18. 'Essential oils, plant extracts, traditional medicines and their development as green medicines' Poonam Kushwaha, Darshan Singh, Rajendra Singh Rana, Mamta Bisht, Shankar Ram & Ajay Kumar Tiwari Climate change: Its impact on Bioresources of the Himalayan Region (CCIBHR-2022) ISBN No-978-93-95651-65-3 (2023)

RAWAT BARTWAL & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

Office: [illegible], Nehru Colony
Dehradun, Uttarakhand
Tel. 0135-[illegible]
Email: info@[illegible].net

AUDITOR'S REPORT

We have examined the attached Balance Sheet of UTTARAKHAND SCIENCE EDUCATION & RESEARCH CENTRE, DEHRADUN as at 31st March, 202[illegible] and the annexed Income and Expenditure Account and Receipt and Payment Account for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the Society's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

We report that:

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit.

(ii) In our opinion, proper books of accounts have been kept by the Society so far as appears from our examination of those books.

(iii) The statement of accounts dealt with in this report are in agreement with the books of accounts.

(iv) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said accounts give the information in the manner so required and give a true and fair view:

- In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs as at 31st March, [illegible]
- In the case of the Income and Expenditure Account, of the excess for the period ended on that date.

FOR RAWAT BARTWAL & CO.

CA [illegible] BARTWAL
(M.P.) PARTNER
[M.No. [illegible]]
[FRN No. [illegible]]
UDIN: [illegible]

Branch Office: [illegible] | Uttarakhand
Mobile: 94 120 63 494 | 92 591 93 403 | 94 581 91 888

समाचार पत्रों से

इनोवेशन को प्रोत्साहन की जरूरत

शिक्षकों के साप्ताहिक प्रशिक्षण की शुरुआत

सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

पर्यावरण का संरक्षण जरूरी: अनीता

ग्राफिक्स विषय पर विशेष कार्यशाला का आयोजन

कौशल एवं गुणों के नए-नए आयामों को पहचानना जरूरी: प्रो. अनीता

पर्यावरण के संरक्षण के लिए गंभीरता से काम हो

एमआईईटी कुमाऊं में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने वर्मीकम्पोस्ट प्रशिक्षण केंद्र में लिया प्रशिक्षण

छात्रों ने सीखीं डेटा एनालिसिस की बारीकियां

यूसर्क और आईआईएमईआर के बीच अनुबंध

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

30 अक्टूबर से 4 नवंबर तक आयोजित हुई हैंड्स ऑन कार्यशाला सम्पन्न

उत्तराखण्ड

सीआईएमएस कॉलेज में यूसर्क के सहयोग से कृषि पारिस्थितिकी उद्यमिता विकास केंद्र का उद्घाटन

छात्रों को जंतुओं के अध्ययन में मिलेगी मदद

NEWS FIRST TODAY

यूसर्क द्वारा आयोजित की जा रही साप्ताहिक 'हैण्डस-ऑन ट्रेनिंग ऑन एनीमल टैक्नोलॉजी' प्रशिक्षण का शुभारंभ

समाचार पत्रों से

यूसर्क ने स्टॉप मोशन एनिमेशन एवं ग्राफिक्स विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का किया आयोजन

USERC's First STEM Lab For Differently-Abled Children Inaugurated

NEXT CITY FOCUS

जेबीआईटी ने मनाया स्थापना दिवस

जेबीआईटी ने उल्लास के साथ मनाया स्थापना दिवस

उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए

पर्यावरण के क्षेत्र में प्रशिक्षित युवा बना सकते भविष्य

हरेला पर्व लोक संस्कृति को समर्पित पर्व : प्रो.अनीता

शोध, नवाचार व उद्यमिता केंद्रित करने की जरूरत : प्रो. रावत

पर्यावरण संरक्षण के लिए गंभीरता से कार्य करने की जरूरत:डा0 अनीता

सीआईएमएस परिसर में एक सौ बीस फलदार एवं औषधीय पौधों का …

प्रशिक्षण से शिक्षकों की प्रयोगात्मक दक्षता बढ़ेगी

…ा पर्व लोक संस्कृति को समर्पित पर्व है–प्रो अनीता रावत

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

शोधार्थियों ने उठाया यूसर्क के प्रशिक्षण का ला…

समाचार पत्रों से

मौन पालन प्रशिक्षण छात्रों के लिए कॅरियर की दृष्टि से होगा महत्वपूर्ण

प्रकृति के प्रति सम्मान एवं अखण्डता का भाव करे जागृत : डॉ. अनिता रावत

यूसर्क द्वारा दिव्यांग बच्चों हेतु स्थापित प्रथम स्टेम लैब का उद्घाटन

प्रकृति के प्रति सम्मान एवं अखण्डता का भाव करे जागृत : डॉ. अनिता रावत

USERC organises Special Educator Science Training Workshop

सीआईएमएस कॉलेज में किया गया पौधारोपण

हमें ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है जो प्रकृति के प्रति सम्मान एवं अखण्डता का भाव जागृत करें : डॉ. अनिता रावत

Conference on Business Analytics held at USCS

जेबीआईटी में स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रमों का आयोजन

स्पष्ट एक्सप्रेस

डेटा एनालिटिक्स की चुनौतियों पर मंथन

USERC QR Code

Contact:

Sh. Shailesh Bagoli, IAS
Secretary
Information Technology, Good Governance
& Science Technology
Government of Uttarakhand

Prof. (Dr.) Anita Rawat
Director
Uttarakhand Science Education &
Research Centre (USERC), Dehradun

Uttarakhand Science Education & Research Center (USERC)
Dept. of Information Technology, Good Governance & Science Technology , Govt. of Uttarakhand
21/4, E.C. Road, Dehradun, Uttarakhand, Pin: 248001
Website: www.userc.in I **Email:** u.serc@rediffmail.com
Facebook: @usercindia I **Youtube:** @USERCDEHRADUN
Phone: 0135-2710302